# हिंदी सुमन

## भाग–2

## कक्षा 4 के लिए हिंदी पाठ्यपुस्तक

**राजकीय विद्यालयों में निःशुल्क वितरण हेतु**


राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्

उदयपुर

प्रकाशक

**राजस्थान राज्य पाठ्य पुस्तक मण्डल, जयपुर**

प्रथम संस्करण: 2025

© राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

© राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल, जयपुर

पेपर उपयोग: आर.एस. टी.बी. वाटरमार्क
80 जी. एस. एम. पेपर पर मुद्रित

प्रकाशक: राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल
2-2 ए, झालाना डूंगरी, जयपुर

मुद्रक:

मुद्रण संख्या:

## सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटो प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।

- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर नहीं दी जाएगी और नहीं बेची जाएगी।

- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची ( स्टिकर ) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

- किसी भी प्रकार का कोई परिवर्तन केवल प्रकाशक द्वारा ही किया जा सकेगा।

आवरण पृष्ठ साज-सज्जा :
डॉ. सूरज सोनी, असिस्टेंट प्रोफेसर

विशेष: इस पुस्तक में संकलित सामग्री कई स्रोतों से प्रभावित है, हम उन सभी के प्रति आभार ज्ञापित करते हैं।

# भारत का संविधान

## उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की समता
प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में
व्यक्ति की गरिमा और [2][राष्ट्र की एकता
और अखंडता] सुनिश्चित करने वाली बंधुता
बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

---

1. संविधान ( बयालीसवां संशोधन ) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा ( 3.1.1977 से ) ''प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान ( बयालीसवां संशोधन ) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा ( 3.1.1977 से ) ''राष्ट्र की एकता'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।

# आमुख

बच्चों के लिए शिक्षा का प्रारंभिक चरण (6 से 11 आयुवर्ग) सबसे महत्वपूर्ण होता है। यह वह समय होता है जब वे अपने आसपास की दुनिया को जानने, समझने और सीखने की शुरुआत करते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (NEP-2020) इसी विचार को अपनाते हुए शिक्षा को रोचक, आनंददायक और अनुभवात्मक बनाने पर जोर देती है। यह शिक्षा नीति भारतीय शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार और नवीन दृष्टिकोण को अपनाने की अनुशंसा करती है। इस नीति का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए सृजनात्मकता, तार्किकता और व्यावहारिक कौशल से सशक्त बनाना है। इसके अंतर्गत शिक्षा को अधिक समावेशी, समग्र और कौशल-आधारित बनाने पर विशेष बल दिया गया है।

इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर द्वारा प्राथमिक कक्षाओं की पाठ्यपुस्तकों का निर्माण किया गया है। बच्चों के चतुर्दिक और सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए इनमें भारतीय ज्ञान परंपरा, 21वीं सदी के कौशल, सामाजिक-भावनात्मक कौशल, कला एवं शारीरिक शिक्षा को समेकित किया गया है। यह पाठ्यपुस्तक न केवल तार्किक चिंतन, स्पष्ट अवधारणात्मक समझ और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करती है, साथ में समावेशन, सांस्कृतिक एकता और सामंजस्य की प्रवृत्तियों को भी सुदृढ़ करती है।

पाठ्यपुस्तक में कक्षा-स्तरानुरूप प्रभावी, रोचक और सृजनात्मक गतिविधियों के साथ-साथ रोचक कहानियों, कविताओं सहित अन्य विधाओं की सामग्री का समावेश किया गया है ताकि बच्चे सहज और आनंददायक तरीके से सीख सकें। शिक्षकों के लिए भी इसमें जगह-जगह सुझाव दिए गए हैं जिससे वे बच्चों को और अधिक प्रभावी तरीके से सीखने में सहयोग कर सकें।

पाठ्यपुस्तक विकास की इस महत्वपूर्ण यात्रा में प्रदेश के चुने हुए शिक्षक, राज्य और राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं का बहुमूल्य योगदान रहा है। उनके सहयोग, सुझाव और निष्पक्ष दृष्टिकोण के बिना इस कार्य को प्रभावी रूप से संपन्न करना संभव नहीं होता। इस अमूल्य योगदान के लिए हम सभी हितधारकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। पाठ्यक्रम समीक्षा समिति के सभी सम्मानित सदस्यों का विशेष आभार जिनके बहुमूल्य सुझावों से इस पाठ्यपुस्तक को और बेहतर बनाने की दिशा मिली।

नवविकसित पाठ्यपुस्तक कक्षा में सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को सहज, आनंददायी और उत्कृष्ट बनाएगी ऐसा विश्वास है और यह शिक्षकों के सक्रिय सहयोग से ही संभव होगा। शिक्षकों की भूमिका केवल ज्ञान प्रदान करने तक ही सीमित नहीं है बल्कि वे विद्यार्थियों को सक्रिय रूप से सीखने के लिए प्रेरित करने वाले मार्गदर्शक भी हैं। उन्हें इस पाठ्यपुस्तक का उपयोग करते समय बाल-केंद्रित शिक्षण पद्धति अपनानी चाहिए जिससे विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमतानुसार सीख सकें। इसके साथ ही वे 21वीं सदी के कौशलों को बढ़ावा देने, सामाजिक-भावनात्मक विकास को प्रोत्साहित करने और भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल्यों को कक्षा-शिक्षण में प्रभावी रूप से समाहित करने पर विशेष ध्यान दें।

यह पुस्तक आपके हाथ में है। प्रदेश के लाखों बच्चे आपकी ओर सीखने की आतुरता से निहार रहे हैं। हमारे सामूहिक प्रयासों से वे निश्चय ही सीखने के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे, इसका हमें पूर्ण विश्वास है। इन पाठ्यपुस्तकों को और बेहतर बनाने की दिशा में आपके सुझावों का सदैव स्वागत है।

**निदेशक**
राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

# पाठ्यपुस्तक विकास समूह

| | | |
|---|---|---|
| **मुख्य संरक्षक** | : | कृष्ण कुणाल, IAS, शासन सचिव, स्कूल शिक्षा, राजस्थान |
| **मुख्य मार्गदर्शक** | : | श्वेता फगेड़िया, RAS, निदेशक, RSCERT, उदयपुर |
| **मार्गदर्शक** | : | कैलाश चंद्र तेली, अतिरिक्त निदेशक, RSCERT, उदयपुर |
| **मुख्य समन्वयक** | : | पीयूष कुमार जैन, उप निदेशक, RSCERT, उदयपुर |
| **समन्वयक एवं समीक्षा समिति** | : | महेश कुमार बुनकर, प्राचार्य |
| | | डॉ. मनीषा उज्वल, एसोसिएट प्रोफेसर |
| | | डॉ. योगेंद्र कुमार श्रीमाली, एसोसिएट प्रोफेसर |
| | | डॉ. रिपुदमन सिंह उज्ज्वल, असिस्टेंट प्रोफेसर |
| | | बन्ना राम रैगर, असिस्टेंट प्रोफेसर |
| | | नरेश पंवार, असिस्टेंट प्रोफेसर |
| **अकादमिक सहयोग एवं परामर्श** | : | इग्नस पहल |
| **सहयोगी संस्थाएँ** | : | अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन, पीरामल फाउंडेशन |
| **लेखन एवं संपादन** | : | सोमनाथ शर्मा, उप प्राचार्य |
| | | सीताराम, प्राध्यापक |
| | | कृष्ण बिहारी पाठक, प्राध्यापक |
| | | मेवाराम गुर्जर, प्राध्यापक |
| | | आशा रानी सुमन, अध्यापक |
| | | गोविन्द सिंह चौहान, अध्यापक |
| | | विश्वामित्र दायमा, विशेष शिक्षक |
| | | डॉ. मुकुल शर्मा, कंप्यूटर अनुदेशक |
| **चित्रांकन** | : | जगदीश नंदवाना, प्राध्यापक |
| | | भारत भूषण वैष्णव, प्राध्यापक |
| | | गोविन्द प्रजापत, प्राध्यापक |
| | | भावेश सुथार, कला विद्यार्थी |

# अनुक्रमणिका


| अध्याय संख्या | अध्याय का नाम | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| | वंदना | 1 |
| 1 | सीखो | 2 |
| 2 | कृष्ण की बाल-लीला | 6 |
| 3 | फूलों का नगर | 10 |
| 4 | साइकिल | 17 |
| | **आकलन -1** | **23** |
| 5 | मेरा गाँव | 26 |
| 6 | मेरी जैसलमेर यात्रा | 30 |
| 7 | बोलने वाली माँद | 38 |
| 8 | पत्र | 42 |
| | **आकलन - 2** | **46** |
| 9 | गिलहरी का घर | 49 |
| 10 | बच्चों का पूछताछ केंद्र | 55 |
| 11 | सुनेली का कुआँ | 62 |
| 12 | इसलिए गिरती हैं पत्तियाँ | 68 |
| | **आकलन - 3** | **75** |
| 13 | धरती राजस्थान की | 79 |
| 14 | राजस्थान के गौरव | 83 |
| 15 | पूँछ किसकी है ? | 88 |
| 16 | मेल-मिलाप | 96 |
| | **आकलन - 4** | **102** |
| | **शब्दों की दुनिया** | **105** |

# वंदना

## भारतवर्ष

I8G9N9

यह भारतवर्ष हमारा है,
हमको प्राणों से प्यारा है।
है यहाँ हिमालय खड़ा हुआ,
संतरी सरीखा अड़ा हुआ।
गंगा की निर्मल धारा है,
यह भारतवर्ष हमारा है।

क्या ही पहाड़ियाँ हैं न्यारी ?
जिनमें सुंदर झरने जारी।
शोभा में सबसे न्यारा है,
यह भारतवर्ष हमारा है।

है हवा मनोहर डोल रही,
वन में कोयल है बोल रही।
बहती सुगंध की धारा है,
यह भारतवर्ष हमारा है।

जन्मे थे यहीं राम सीता,
गूँजी थी यहीं मधुर गीता।
यमुना का श्याम किनारा है,
यह भारतवर्ष हमारा है।

तन,मन,धन प्राण चढ़ाएँगे,
हम इसका मान बढ़ाएँगे।
जग का सौभाग्य सितारा है,
यह भारतवर्ष हमारा है।

- सोहन लाल द्विवेदी

अध्याय - 1

# सीखो

T4D3W8

फूलों से नित हँसना सीखो, भौंरों से नित गाना।
तरु की झुकी डालियों से नित, सीखो शीश झुकाना।।
सीख हवा के झोंको से लो, कोमल भाव बहाना।
दूध और पानी से सीखो, मिलना और मिलाना।।
सूरज की किरणों से सीखो, जगना और जगाना।
लता और पेड़ों से सीखो, सबको गले लगाना।।
वर्षा की बूँदों से सीखो, सबसे प्रेम बढ़ाना।
मेहँदी से सीखो सब ही पर, अपना रंग चढ़ाना।।
मछली से सीखो स्वदेश के लिए तड़पकर मरना।
पतझड़ के पेड़ों से सीखो, दुख में धीरज धरना।।
पृथ्वी से सीखो प्राणी की सच्ची सेवा करना।
दीपक से सीखो, जितना हो सके अँधेरा हरना।।
जलधारा से सीखो, आगे जीवन पथ पर बढ़ना।
और धुएँ से सीखो, हरदम ऊँचे ही पर चढ़ना।।

– श्रीनाथ सिंह

# अभ्यास कार्य

## आओ बात करें –

1. कविता को हाव-भाव और सही उच्चारण के साथ पढ़िए।
2. इस कविता से हमें क्या-क्या सीख मिलती है? अपने शब्दों में बताइए।
3. कविता से सीखकर आप अपने जीवन में कौन-कौनसे गुण अपनाना चाहेंगे?

## सोचो और लिखो–

### ( क ) विकल्पात्मक प्रश्न ( सही उत्तर चुनें ) –

1. हमें भौंरों से क्या सीखना चाहिए?

   (क) नाचना (ख) गाना (ग) उड़ना (घ) बैठना ( )

2. सूर्य की किरणों से हमें क्या सीखना चाहिए?

   (क) सोना (ख) जगना और जगाना (ग) चलना (घ) बोलना ( )

### ( ख ) मिलान करो –

| | |
|---|---|
| 1. धुएँ | (अ) स्वदेश प्रेम |
| 2. पृथ्वी से | (ब) ऊपर चढ़ना |
| 3. दीपक से | (स) सेवा करना |
| 4. मछली से | (द) अँधेरा दूर करना |

### ( ग ) रिक्त स्थान की पूर्ति करें –

1. फूलों से हमें ..... सीखना चाहिए।
2. ..... से हमें जीवन पथ पर आगे बढ़ना सीखना चाहिए।
3. वर्षा की बूँदों से हमें ..... बढ़ाना सीखना चाहिए।

### ( घ ) निम्नलिखित भाव वाली पंक्तियाँ छाँटकर लिखिए –

1. फूलों के खिलते रहने से हमें प्रसन्न रहने की प्रेरणा मिलती है। कविता में इस भाव को दर्शाने वाली पंक्ति को पहचानकर लिखिए।
2. कविता में मित्रता का भाव दर्शाने वाली पंक्ति को पहचानकर लिखिए।

**( ङ ) अगर आपको प्रकृति से कुछ सीखना हो तो आप किन चीजों से क्या-क्या सीखेंगे? लिखिए -**

1.

| किससे सीखेंगे | क्या-क्या सीखेंगे |
|---|---|
| भौंरों से | गाना |
| लता और पेड़ों से | ..... |
| ..... | ..... |
| ..... | अँधेरा दूर करना |

2. ''सूरज की किरणों से सीखो, जगना और जगाना।'' कविता की इस पंक्ति को अलग-अलग तरह से इस प्रकार भी लिख सकते हैं-

   सीखो सूरज की किरणों से, जगना और जगाना।

   जगना और जगाना सीखो सूरज की किरणों से।

**( च ) आप भी निम्नलिखित पंक्ति को उलट-पलट कर लिखिए-**

जलधारा से सीखो, आगे जीवन पथ पर बढ़ना।

3. कविता को कहानी के रूप में बदलकर लिखिए।
4. कक्षा में समूह बनाकर कविता को नाटक के रूप में प्रस्तुत करो।
5. एक सप्ताह तक अपने व्यवहार में कविता की किसी एक सीख को अपनाओ और अनुभव साझा करो।
6. कविता में बताई गई सीखों का उपयोग अपने जीवन की किसी समस्या को हल करने में कैसे करेंगे ?
7. आप अपने परिवेश और देश को सुंदर और स्वच्छ बनाने के लिए क्या-क्या करेंगे ?

## कविता से आगे -

1. कविता में पेड़ों से दु:ख में धीरज रखना सीखने की बात की गई है। पेड़ों से हम और क्या-क्या सीख ले सकते हैं ?
2. आप अपने मित्रों से भी बहुत कुछ सीखते होंगे, कोई दो बातें लिखिए।

## भाषा की बात –

1. नीचे दिए वाक्यों में कुछ शब्द रेखांकित किए गए हैं। दिए गए रिक्त स्थानों में उन शब्दों के विपरीत अर्थ वाले शब्द लिखकर वाक्यों को पूरा करो –

(क) सूरज **सुबह** उगता एवं ..... को ढलता है।

(ख) मीना बहुत **मेहनती** एवं राहुल ..... है।

(ग) हमें अपने इरादे **कच्चे** नहीं बल्कि ..... रखने चाहिए।

(घ) अच्छे स्वास्थ्य के लिए **प्रसन्न** रहना चाहिए न कि .....।

2. कविता में से पाँच क्रिया शब्द छाँटकर उनसे वाक्य बनाओ।
3. शब्दों के वर्णों को आपस में बदल कर उनके अर्थ का पता लगाइए –

| | |
|---|---|
| लता | ताल |
| मन | |
| रत | |
| ताप | |

## यह भी करें –

आपने देश-भक्ति की अन्य कोई कविता पढ़ी या सुनी होगी। उसे यहाँ लिखिए।

**शिक्षक निर्देश – व्याकरण प्रकरण की समझ विकसित करने हेतु शिक्षक विद्यार्थियों के साथ चर्चाकर आवश्यकतानुसार सहयोग करें।**

## अध्याय - 2

# कृष्ण की बाल-लीला

K8H9N5

### कृष्ण की बाल-लीलाएँ - प्रेम, शक्ति और शिक्षा

प्राचीन भारतीय संस्कृति में भगवान कृष्ण की बाल-लीलाएँ अत्यंत रोचक और प्रेरणादायक मानी जाती हैं। कृष्ण का जन्म मथुरा के कारागार में हुआ था लेकिन कंस के भय से उनके पिता वासुदेव उन्हें रात के अंधकार में गोकुल ले गए जहाँ उनका लालन-पालन नंद और यशोदा ने किया। गोकुल में रहते हुए कृष्ण ने अनेक अद्‌भुत बाल-लीलाएँ की। उन्होंने गाँव के लोगों को प्रसन्न किया और दुष्टों का संहार भी किया।

### माखन चोरी - कृष्ण की नटखट लीला

कृष्ण को बचपन से ही माखन बहुत प्रिय था। माँ यशोदा और गोकुल की गोपियाँ जब मटकों में माखन भरकर रखती तो कृष्ण अपने सखाओं के साथ मिलकर उसे चुरा लेते। कई बार गोपियाँ उन्हें पकड़ने की कोशिश करती लेकिन कृष्ण इतनी चतुराई से भाग जाते कि उन्हें पकड़ना मुश्किल हो जाता। एक दिन यशोदा ने स्वयं उन्हें माखन चोरी करते हुए पकड़ लिया और दंडस्वरूप उन्हें ऊखल से बाँध दिया। इसी दौरान उन्होंने खेल-खेल में यमलार्जुन नामक वृक्षों को गिरा दिया जिससे उनमें बँधे दो देवताओं को मुक्ति मिली। यह घटना गाँवभर में चर्चित हो गई और सभी कृष्ण की इस अलौकिक शक्ति से चकित रह गए।

### कालिया नाग पर विजय - निडरता की मिसाल

गोकुल के समीप यमुना नदी में कालिया नामक एक भयंकर नाग रहता था जिससे नदी का जल अशुद्ध एवं विषैला हो गया था। गाँव के लोग इस जल को पीने से डरते थे और उनके पशु भी इससे बीमार पड़ जाते थे। एक दिन कृष्ण खेलते-खेलते यमुना में कूद गए और कालिया नाग से युद्ध किया। अपनी अपार शक्ति से उन्होंने कालिया के फन पर नृत्य किया जिससे वह अत्यधिक पीड़ा से कराह उठा और अंततः कृष्ण की शरण में आ गया। कृष्ण ने उसे आदेश दिया कि वह यमुना नदी छोड़कर चला जाए। इस प्रकार कृष्ण ने गोकुलवासियों को उस भयावह संकट से मुक्त किया और यमुना नदी को पुनः शुद्ध किया।

## गोवर्धन पर्वत उठाकर गोकुल की रक्षा

पौराणिक मान्यतानुसार एक बार गोकुलवासियों ने इंद्रदेव को खुश करने के लिए यज्ञ करने का निश्चय किया लेकिन कृष्ण ने उन्हें समझाया कि हमें प्रकृति की पूजा करनी चाहिए क्योंकि वह हमें जीवन प्रदान करती है। उनकी बात मानकर गाँववालों ने इंद्र के यज्ञ को छोड़कर गोवर्धन पर्वत की पूजा की। इस बात से क्रोधित होकर इंद्र ने गोकुल पर मूसलाधार वर्षा कर दी। तब कृष्ण ने अपनी छोटी अँगुली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर सभी गोकुलवासियों और पशुओं को आश्रय दिया। सात दिनों तक लगातार वर्षा होती रही लेकिन कृष्ण ने अपनी दिव्य शक्ति से सभी को सुरक्षित रखा। अंततः इंद्र को अपनी भूल का अहसास हुआ और उन्होंने कृष्ण से क्षमा माँगी। इस घटना के बाद गोवर्धन पूजा की परंपरा आरंभ हुई जो आज भी अनवरत जारी है।

## पूतना वध - बालकृष्ण की शक्ति

कंस ने बालक कृष्ण को मारने के लिए पूतना नामक आततायी राक्षसी को गोकुल भेजा। वह सुंदर स्त्री का रूप धारण करके आई और कृष्ण को अपना विषैला दूध पिलाने लगी लेकिन कृष्ण ने उसकी चाल को समझ लिया और उसके प्राण हर लिए। इस प्रकार उन्होंने अपने बाल्यकाल में ही दुष्टों के संहार की लीला प्रारंभ कर दी। पूतना के वध के बाद गोकुलवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई और सभी को कृष्ण की शक्ति पर और भी अधिक विश्वास हो गया। यह घटना दर्शाती है कि कृष्ण बाल्यकाल से ही अपने भक्तों की रक्षा करने के लिए सदैव तत्पर थे।

## कृष्ण की बाल-लीलाओं से मिलने वाली शिक्षा

कृष्ण की बाल-लीलाएँ केवल मनोरंजन का विषय नहीं हैं बल्कि इनमें गहरी शिक्षाएँ भी छिपी हुई हैं। वे हमें बताते हैं कि सच्ची भक्ति, निडरता और निष्ठा से हर समस्या का समाधान संभव है। उन्होंने अपने बाल्यकाल में ही अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया और लोककल्याण के लिए कार्य किए। उनकी लीलाएँ हमें यह भी सिखाती हैं कि नटखटपन और चतुराई के साथ-साथ अच्छाई और न्याय का साथ देना भी आवश्यक है।

उनकी गोवर्धन लीला हमें प्रकृति के संरक्षण की सीख देती है और कालिया नाग के वध से यह संदेश मिलता है कि बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो अंततः सत्य की ही जीत होती है। पूतना वध की घटना यह बताती है कि छल-कपट से किए गए प्रयास कभी सफल नहीं होते। माखन चोरी की लीला हमें प्रेम, स्नेह और आनंद का महत्व समझाती है।

इस प्रकार कृष्ण का बाल्यकाल केवल एक कथा नहीं बल्कि धर्म, प्रेम, नटखटपन और मानवता की सीख से भरा हुआ है। उनकी लीलाएँ आज भी जन-जन के हृदय में प्रेरणा का स्रोत बनी हुई हैं।

# अभ्यास कार्य

## आओ बात करें –

1. कृष्ण की कौनसी बाल-लीला आपको सबसे अधिक रोचक लगी और क्यों ?
2. यदि आपको कृष्ण के साथ खेलना होता तो आप कौनसा खेल खेलते और क्यों ?
3. गोवर्धन पर्वत उठाने की घटना से हमें क्या सीख मिलती है ?
4. कक्षा में दो समूह बनाकर चर्चा करें कि आज के समय में कृष्ण होते तो किन-किन समस्याओं का हल निकालते ?

## सोचो और लिखो–

### ( क ) विकल्पात्मक प्रश्न ( सही उत्तर चुनें ) –

1. कृष्ण को बचपन में सबसे ज्यादा क्या पसंद था ?

   (अ) दूध (ब) माखन (स) फल (द) मिठाई ( )

2. कालिया नाग कहाँ रहता था ?

   (अ) समुद्र में (ब) यमुना नदी में (स) झील में (द) पहाड़ों में ( )

### ( ख ) मिलान करें –

| | |
|---|---|
| 1. माखन चोरी | कृष्ण ने छल को हराया |
| 2. पूतना वध | यशोदा ने कृष्ण को पकड़ लिया |
| 3. कालिया नाग वध | इंद्रदेव क्रोधित हुए |
| 4. गोवर्धन पूजा | यमुना का जल शुद्ध हुआ |

### ( ग ) रिक्त स्थान भरें –

1. कृष्ण का जन्म ..... में हुआ था।
2. गोकुल में कृष्ण का लालन-पालन ..... और ..... ने किया।
3. कालिया नाग के कारण ..... का जल विषैला हो गया था।
4. इंद्रदेव ने गोकुलवासियों पर ..... वर्षा कर दी।

## रचनात्मक प्रश्न –

1. कृष्ण की बाल-लीलाओं से संबंधित एक चित्र बनाएँ।

2. एक काल्पनिक संवाद लिखो जिसमें कृष्ण से आपकी बातचीत का वर्णन हो।

कृष्ण .....

मैं .....

कृष्ण .....

मैं .....

कृष्ण .....

मैं .....

## भाषा की बात

### ( क ) निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान पर विलोम शब्द भरें –

1. गोपियों के मटकों में माखन **भरा** था लेकिन अब वे ..... हो गए।
2. कालिया नाग ने नदी का जल **अशुद्ध** किया लेकिन कृष्ण ने उसे ..... कर दिया।

### ( ख ) निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया शब्द पहचानकर रेखांकित करें –

1. कृष्ण ने माखन चुराया।
2. यशोदा ने कृष्ण को ऊखल से बाँधा।
3. कृष्ण ने कालिया नाग को पराजित किया।
4. एक दिन कृष्ण खेलते-खेलते यमुना में कूद गए।

### ( ग ) नीचे दिए गए शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

(नृत्य, छल, रक्षा, पूजा)

1. कृष्ण ने कालिया नाग के फन पर ..... किया।
2. पूतना ने बालक कृष्ण को मारने के लिए ..... का सहारा लिया।
3. कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर गोकुलवासियों की ..... की।
4. गाँववालों ने गोवर्धन पर्वत की ..... की।

## यह भी करें –

1. आपका मित्र कौन है? वह आपको क्यों पसंद है? आप उसके साथ विद्यालय में क्या-क्या करते हैं? लिखिए।

## अध्याय - 3

# फूलों का नगर

H9C2H6

गुरु वशिष्ठ के पास बहुत से राजकुमार दूर-दूर से शिक्षा प्राप्त करने के लिए आते थे और गुरुकुल में रहा करते थे।

गुरुजी सभी शिष्यों को समान रूप से प्रेम करते थे और उनमें किसी तरह का कोई भेदभाव नहीं करते थे। यूँ तो सभी उनकी बहुत सेवा करते थे पर अमृत और शांतनु दिन-रात की परवाह किए बिना आश्रम का कार्य किया करते।

जब उनकी शिक्षा पूरी हो गई और आश्रम छोड़ने का समय आया तो गुरुजी ने उन दोनों को बुलाकर कहा- ''मैं तुम दोनों से बहुत प्रसन्न हूँ इसलिए तुम्हें दो बातें बता रहा हूँ- अगर तुम इन पर अमल करोगे तो तुम्हारे राज्य में सदा संपन्नता और खुशहाली रहेगी।''

दोनों राजकुमार एक साथ बोले- ''हम आपकी आज्ञा अवश्य मानेंगे।''

गुरुजी मुस्कुराकर बोले- ''तुम दोनों जहाँ तक हो युद्ध टालने की कोशिश करना और अहिंसा का मार्ग अपनाना, सदा प्रकृति की रक्षा करना।''

दोनों राजकुमारों ने सहर्ष हामी भर दी और अपने-अपने राज्य की ओर चल पड़े। शांतनु ने कुछ दिन तक तो गुरुजी की आज्ञा का पालन किया परंतु राजा बनते ही उसने शिकार पर जाना शुरू कर दिया।

हरे-भरे वृक्षों को कटवाकर उसने कई नगर बसाए। धीरे-धीरे उसके राज्य में गिने चुने पेड़ ही बाकी रह गए जिसकी वजह से पर्यावरण असंतुलित हो गया और बारिश ना के बराबर होने लगी तथा सूखा पड़ने लगा।

वहीं दूसरी ओर अमृत को अपना वचन याद था। उसने राजा बनते ही शिकार पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया और जगह-जगह पेड़ लगवाने शुरू कर दिए। वह जब भी कोई खाली जमीन पड़ी देखता तो वहाँ पर फूलों के बीज बिखरवा देता और कुछ ही दिनों बाद वहाँ रंग-बिरंगे सुंदर फूल खिल जाते।

प्रजा भी अपने राजा को पूरा सहयोग करती और बच्चे से लेकर बूढ़े तक कोई भी फूलों को नहीं तोड़ता था।

फूलों पर रंग-बिरंगी तितलियाँ मंडराया करती और लोग ठगे से इस मनोरम दृश्य को देखने लगते।

अमृत एक दिन दरबार में बैठा हुआ अपनी प्रजा के बारे में बात कर रहा था कि तभी एक दूत दौड़ता हुआ आया और बोला - ''महाराज! राजा शांतनु ने हमारे राज्य पर आक्रमण करने की योजना बनाई है और वह अपनी विशाल सेना सहित युद्ध करने के लिए दो दिन में आ जाएगा।''

यह सुनकर अमृत परेशान होता हुआ बोला - ''युद्ध होने से तो हजारों सैनिक मारे जाएँगे और मासूम प्रजा भी बर्बाद हो जाएगी।''

इस पर महामंत्री विनम्र शब्दों में बोला - ''परंतु महाराज! अगर हम युद्ध नहीं करेंगे तो वह हम सबको बंदी बना लेगा।''

यह सुनकर अमृत के मुख पर चिंता की लकीरें उभर आई और वह बिना कुछ कहे अपने कक्ष में चला गया। बिना कुछ खाए-पीए वह सारी रात और सारा दिन सोचता रहा कि युद्ध को कैसे टाला जाए।

सुबह की पहली किरण के साथ ही वह उठकर बगीचे में चला गया।

रंग-बिरंगे फूलों से लदे हुए वृक्षों को देखकर अचानक उसके मन में एक विचार आया और उसने तुरंत महामंत्री को बुलाकर अपनी योजना समझा दी।

महामंत्री का चेहरा भी अमृत के साथ खुशी से खिल उठा। इसके बाद राजा आराम से सोने चला गया। शाम के समय राजा शांतनु ने राज्य की सीमा में अपने हजारों सैनिकों के साथ प्रवेश किया और नगर की खूबसूरती देखकर वह अचंभित रह गया।

चारों तरफ हरे-भरे पेड़ हवा के साथ-साथ झूम रहे थे। मोगरा, बेला और चमेली की कलियाँ चटख रही थी और चारों ओर भीनी-भीनी सुगंध आ रही थी।

मालती के गुच्छे लता के सहारे दीवारों पर चढ़े हुए बहुत ही सुंदर लग रहे थे। उसे कुछ पलों के लिए ऐसा लगा मानो वह फूलों के किसी जादुई संसार में आ गया हो।

तभी उसके सेनापति ने कहा - ''महाराज! अब हमें आक्रमण करना चाहिए।'' ''हाँ-हाँ, क्यों नहीं...'' कहता हुआ शांतनु आगे की ओर बढ़ा।

जैसे ही सैनिकों ने तलवारें म्यान से निकाली और प्रजा को मारने के लिए आगे बढ़े, लाखों मधुमक्खियों ने उन पर धावा बोल दिया। अब उनकी तलवारें भी किसी काम की नहीं रही।

मधुमक्खियों ने पूरी सेना को डंक मार-मारकर लहूलुहान कर दिया। वे जान बचाने के लिए वापस भागे। इसी बीच शांतनु को भी मधुमक्खियों ने चेहरे पर डंक मार दिए और उसका मुँह सूजकर गुब्बारे की तरह हो गया। अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह घोड़े से नीचे गिर पड़ा।

उसका सिर किसी नुकीली वस्तु से टकराया और वह बेहोश हो गया।

जब उसको होश आया तो वह अमृत के राजमहल में था और अमृत उसके माथे पर प्यार से हाथ फेर रहा था।

उसकी आँखों की कोरों से आँसू बह निकले। वह रुँधे गले से बोला - ''मैं तुम्हें जान से मारने आया था और तुम्हीं ने मेरी जान बचाई है।''

अमृत उसके आँसू पोंछते हुए बोला – ''मैंने हमेशा गुरुजी की सीख पर अमल किया है। अहिंसा ही मेरा धर्म है।''

यह सुनकर शांतनु शर्मिंदा होते हुए बोला – ''पर जब तुम्हें पता था कि मैं तुम पर आक्रमण करने वाला हूँ तो तुम अपनी सेना लेकर मुझसे युद्ध करने क्यों नहीं आए?''

इस पर अमृत मुस्कुराता हुआ बोला – ''मेरी मधुमक्खियों की सेना गई तो थी तुमसे लड़ने और देखो उन्होंने मेरे वर्षों पुराने मित्र को एक बार फिर मुझसे मिला दिया।''

अमृत ने शांतनु के चेहरे पर अचरज के भाव देखकर कहा – ''तुमने देखा कि मेरे राज्य में हर कदम पर वृक्ष फूलों से लदे हुए हैं और उनमें सैकड़ों मधुमक्खियों ने अपने छत्ते बनाए हुए हैं। जब तुम्हारी सेना आई तो मेरे सैनिकों ने गुलेलों से छत्तों पर पत्थर मारे और छिप गए और गुस्से में वे सारी मधुमक्खियाँ तुम लोगों पर टूट पड़ी।''

शांतनु अमृत की दूरदर्शिता और सूझबूझ देखकर हैरान रह गया और बोला – ''मुझे माफ कर दो। अब मैं अपने राज्य वापस जा रहा हूँ।''

यह सुनकर अमृत बड़े प्यार से बोला – ''मैं तुम्हें खाली हाथ नहीं जाने दूँगा क्योंकि मैं तुम्हारे राज्य की सारी स्थिति जानता हूँ। तुम जितना चाहे उतना धन ले जा सकते हो और कई बोरों में फूलों के बीज भी हैं उन्हें तुम मिट्टी में दबवा देना ताकि जब मैं तुम्हारे यहाँ आऊँ तो तुम्हारे राज्य को खूब हरा-भरा पाऊँ।''

शांतनु अमृत का प्यार देखकर खुशी के मारे रो पड़ा और बोला – ''मैं भी अपने राज्य को तुम्हारे जैसा ही 'फूलों का नगर' बनाऊँगा।'' दोनों मित्र खिलखिलाकर जोर से हँस पड़े।

**– डॉ. मंजरी शुक्ला**

# अभ्यास कार्य

## आओ बात करें –

1. अमृत ने अपने राज्य को हरा-भरा बनाए रखने के लिए क्या किया ?
2. जब शांतनु ने अमृत के राज्य पर आक्रमण किया तो क्या हुआ ?
3. अमृत ने शांतनु को क्या उपहार दिए और क्यों ?

## सोचो और लिखो–

### ( क ) प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए –

1. अमृत और शांतनु किसके शिष्य थे ?

   (अ) गुरु द्रोणाचार्य (ब) गुरु वशिष्ठ (स) गुरु विश्वामित्र (द) गुरु चाणक्य ( )

2. राजा शांतनु को युद्ध के समय सबसे ज्यादा डर किससे लगा ?

   (अ) सैनिकों से (ब) मधुमक्खियों से (स) तलवारों से (द) मंत्री से ( )

### ( ख ) मिलान करें –

| | |
|---|---|
| 1. शांतनु | अहिंसा का पालन किया |
| 2. अमृत | सेना को हराया |
| 3. गुरुजी | जंगल कटवाए |
| 4. मधुमक्खियाँ | शिक्षा दी |

### ( ग ) रिक्त स्थान की पूर्ति करें –

1. गुरुजी ने अपने शिष्यों को ..... का पालन करने की सीख दी।
2. अमृत ने अपने राज्य में ..... लगवाए।
3. युद्ध के समय मधुमक्खियों ने सैनिकों पर ..... कर दिया।
4. अमृत ने शांतनु को ..... और ..... उपहार में दिए।

## रचनात्मक प्रश्न –

1. यदि आप अमृत की जगह होते तो युद्ध को रोकने के लिए क्या उपाय करते ?
2. कल्पना करो यदि शांतनु ने भी अपने राज्य में पेड़ लगवाए होते तो वहाँ की स्थिति कैसी होती ?

## भाषा की बात –

(क) निम्नलिखित वाक्यों में से क्रिया शब्द पहचानो –

1. अमृत ने अपने राज्य में पेड़ लगवाए।
2. शांतनु ने जंगल कटवा दिए।
3. मधुमक्खियों ने सैनिकों पर हमला कर दिया।
4. प्रजा अपने राजा को सहयोग करती थी।

(ख) नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखकर नए वाक्यों में प्रयोग करो –

1. सुख – ..... .....
2. जीत – ..... .....
3. सच – ..... .....
4. खुश – ..... .....

## रचनात्मक अभ्यास –

1. **संवाद पूरा कीजिए – साथियों के मनमुटाव को दूर करना।**

   बच्चा 1 – अरे मोनू! क्या हुआ? उदास लग रहे हो।

   बच्चा 2 – .....

   बच्चा 1 – .....

   बच्चा 2 – .....

   बच्चा 1 – .....

   बच्चा 2 – .....

   बच्चा 1 – .....

2 यदि आपके किसी मित्र को पढ़ाई में परेशानी आ रही है तो आप उसकी मदद के लिए क्या-क्या प्रयास करेंगे?

## पोस्टर बनाइए –

आओ पेड़ लगाएँ

## अध्याय - 4

# साइकिल

C7A4S7

देखो! एक बच्चा बैठा-बैठा चल रहा है और बहुत से बच्चे उसके आगे-पीछे भाग रहे हैं। पास जाकर देखा तो पता लगा कि वह साइकिल चला रहा है। जब पहले पहल आदमी ने साइकिल चलाई तो देखने वाले अचरज से बोले, देखो! बैठा-बैठा चल रहा है।

साइकिल अकेली सवारी है जिसे आप खुद चलाते हैं और बैठे भी रहते हैं। बाकी लगभग सारी सवारियाँ या तो पशु चलाते हैं या तेल की मशीनें। उनको आप हाँकते हैं, आदेश देते हैं और वे चलती हैं। पर यहाँ तो आप ही सवारी, आप ही सवार। अकेली सवारी जिसका अलग से कोई गाड़ीवान या चालक नहीं होता और कितना मजा है इसमें।

आप पैडल मारते तेज हवा में उड़े जा रहे हैं। हवा आपके चेहरे और छाती को झकझोर रही है। कमीज के बटन खुले हैं। कमीज की पीठ बहती हवा से पाल की तरह फूल रही है। ऐसा रोमांच किसी दूसरी सवारी में नहीं। लंबी सीधी सड़क, दोनों तरफ पेड़ या हरे-भरे धान के खेत, ऊपर कुछ बादल और सन-सन करती हवा और साइकिल। इससे बड़ा सुख और क्या होगा! तेज और तेज दौड़ते पहिए। लगता है धरती, आकाश, धूप, हवा सब मेरे साथ हैं।

मुझे हमेशा अचरज होता है कि जो साइकिल ऐसे खड़ी भी नहीं हो सकती, दो पहियों के बावजूद वो सवारी और बोझे लादे चलती कैसे रहती है? यही तो गति का कमाल है। बस हवा चाहिए पहियों में। पहिए बस ज़रा-सा धरती को छूते हैं। बाकी सारा तो हवा में रहता है। यह हवा ही है जो चलाती है।

यह वही हवा है जो हमारे फेफड़ों में हैं, जो गेंद में है। साइकिल भी एक गेंद है – हवा में उछलती। पर कभी भी धरती का साथ नहीं छोड़ती और साइकिल एक पूरा घर है। पूरा परिवार एक साइकिल में समा सकता है। मैंने देखा है मेलों में चार-चार लोगों को एक साइकिल पर घूमते और कितना मज़ेदार है घंटियों का बजना। दुनिया में इतनी-इतनी घंटियाँ बनीं। इतने-इतने घंटे। पर साइकिल की घंटी सबसे निराली है। जरा-सी टुन-टुन एक तरंग और प्यार भरी चेतावनी कि भाई जरा रास्ता छोड़ दे।

यह ऐसी सवारी जिससे कोई बड़ी दुर्घटना हो ही नहीं सकती। जो चलाने वाले के साथ-साथ चलने वाले का भी खयाल रखती है। जो प्रकृति का खयाल रखती है। जो धरती को भी कोई आघात नहीं देती। जिसे जीवन और प्रकृति से कुछ भी नहीं चाहिए बस एक इंसान का साथ।

गाँव हो या शहर इससे ज्यादा भरोसेमंद दूसरा कोई नहीं। सबसे सस्ता भी तो है और इतनी तरह की साइकिलें हैं। बच्चों से लेकर बड़े खिलाड़ियों तक के लिए। इतने रंगों में। इतनी तरह के पहियों वाली। शानदार ब्रेकवाली। जरा-सा पैडल मारो, चलो, तेज-तेज और तेज और एकदम से ब्रेक या फिर पैरों को टिका दो जमीन से। चलाते हुए महसूस कर सकते हो कि नीचे धरती कैसी है – उठती-गिरती, ऊबड़-खाबड़, समतल, सुगम, बालूदार या कीचड़वाली और बता सकते हो कि हवा में कौन-सी गंध है।

साइकिल सबसे कम बोलनेवाली सवारी है और हर रास्ता इसका रास्ता है। जहाँ रास्ता नहीं है वहाँ भी रास्ता है।

साइकिल सबको लुभाती है। बहुत से लोगों ने तो ढलती उम्र में साइकिल चलाना सीखा जो साइकिल की लोकप्रियता का प्रमाण है। महान संगीतज्ञ भीमसेन जोशी को भी साइकिल चलाने का शौक था।

बहुत से बच्चे बड़ी ही रुचि से साइकिल चलाते हैं।

मेरी इच्छा है कि एक दिन मैं अपना जरूरी सामान पीछे बाँध साइकिल पर निकल जाऊँ ... दूर बहुत दूर ... हर घर के पास टुन-टुन घंटी बजाता, चलता चला जाऊँ। धरती के आखरी छोर तक पहियों में, फेफड़ों में, वायुमंडल में हवा भरे हवा से बातें करता हवा हो जाऊँ।

**– अरुण कमल**

# अभ्यास कार्य

## आओं बात करें –

1. साइकिल को अकेली सवारी क्यों कहा गया है?
2. साइकिल चलाने से हमें कौन-कौनसे लाभ होते हैं?
3. साइकिल को सबसे सस्ती और भरोसेमंद सवारी क्यों कहा गया है?
4. आपके क्षेत्र में साइकिल को सबसे ज्यादा किस काम के लिए उपयोग किया जाता है?
5. पहले लोग एक जगह से दूसरी जगह की यात्रा किन-किन साधनों से करते थे, पता करके बताइए?
6. साइकिल का पर्यावरण से क्या संबंध है?

## सोचो और लिखो–

### ( क ) निम्नलिखित प्रश्नों में सही उत्तर चुनिए –

1. साइकिल को चलाने के लिए सबसे जरूरी क्या है?

   (अ) तेल (ब) हवा (स) बैटरी (द) पानी ( )

2. साइकिल की घंटी कैसी लगती है?

   (अ) प्यार भरी चेतावनी (ब) तेज आवाज

   (स) डराने वाली आवाज (द) संगीत की धुन ( )

### ( ख ) निम्नलिखित वाक्यों को पढ़कर सही-गलत का निशान लगाइए।

1. साइकिल का कोई चालक नहीं होता। ( )
2. साइकिल केवल बच्चों के लिए होती है। ( )
3. साइकिल से पर्यावरण को नुकसान पहुँचता है। ( )
4. साइकिल चलाते समय हवा आपके साथ चलती है। ( )

### ( ग ) निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान पर सही शब्द का चयन करके लिखिए।

1. साइकिल सबसे सस्ती और ..... सवारी है। (भरोसेमंद/भारी)

2. साइकिल के पहिए ..... को छूते हैं। (धरती/आकाश)

### (घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

1. साइकिल चलाने पर या उस पर बैठने का आनंद लेते समय आपको क्या-क्या महसूस होता है?
2. साइकिल को इंसान का साथी क्यों कहा गया है?
3. साइकिल की उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए चार-पाँच वाक्य लिखें।

## मेरी बात सबकी बात -

1. अपने दोस्तों और परिवार से पूछें कि क्या उन्हें साइकिल पसंद है? यदि हाँ तो क्यों? उनके जवाब लिखें।
2. क्या आपको साइकिल चलाना आता है?
3. आपने साइकिल चलाना कैसे सीखा?
4. साइकिल से जुड़ी हुई अपनी यादें बताइए?
5. क्या आपकी भाषा में यातायात के साधनों से संबंधित कोई गीत या कविता प्रचलित है? यदि हाँ, तो उसे बताइए।

## नीचे दी गई तालिका में लिखिए कि आप इन जगहों की यात्रा किस साधन से करना चाहेंगे -

| जगह | साधन |
|---|---|
| खेत पर | |
| मेले में | |
| स्कूल में | |
| भरतपुर | |
| दिल्ली | |
| अंडमान निकोबार | |
| समुद्र में | |
| अंतरिक्ष में | |

## नीचे दिए गए साइकिल के चित्र में विभिन्न हिस्सों के नाम खंड में लिखिए –

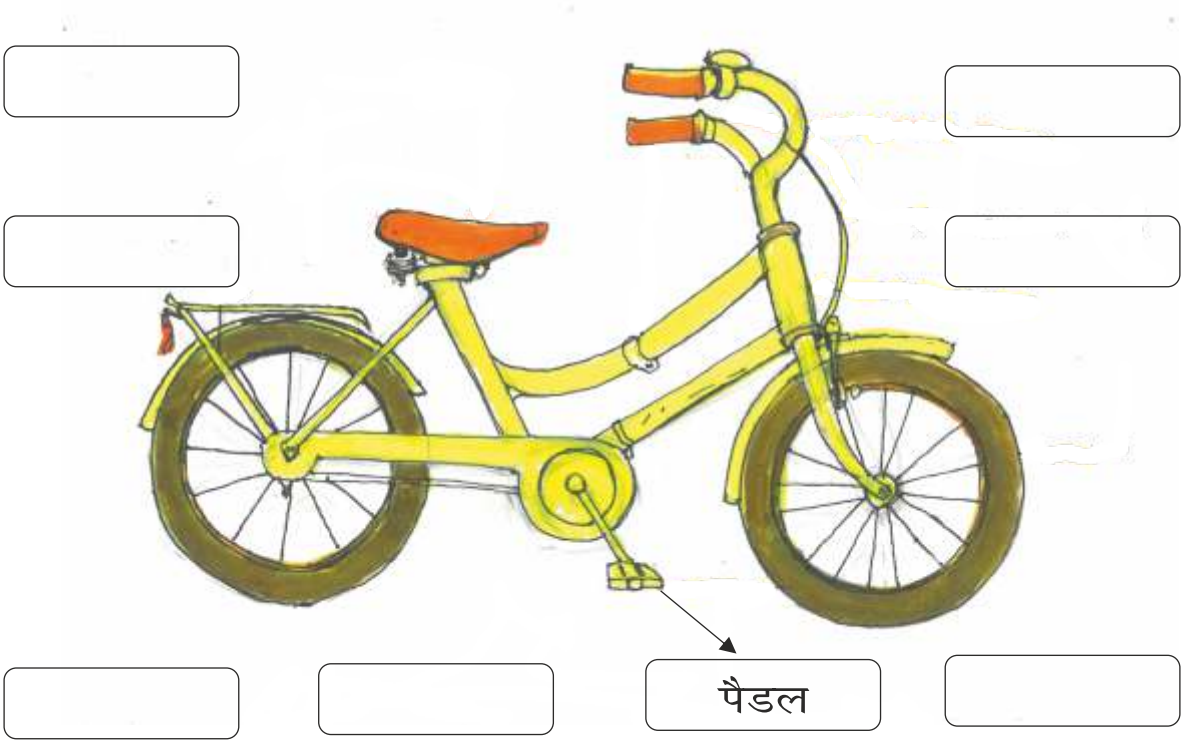


## भाषा की बात –

### आइए जानते हैं –

संज्ञा – जो शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, जाति या भाव का नाम बताते हैं, उन्हें संज्ञा कहते हैं।

उदाहरण – राम, दिल्ली, किताब, खुशी।

सर्वनाम – जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें सर्वनाम कहते हैं।

उदाहरण – वह, तुम, हम, ये।

**( क ) नीचे दिए गए गद्यांश में से संज्ञा और सर्वनाम शब्दों को छाँटकर लिखें।**

प्रिंस को उसके जन्मदिन पर एक नई साइकिल मिली। वह बहुत खुश था। सुबह होते ही वह साइकिल लेकर पार्क चला गया। वहाँ उसके दोस्त भी आए। उन्होंने प्रिंस की साइकिल देखी और कहा, ''यह कितनी सुंदर है!'' प्रिंस ने सबको साइकिल चलाने दी। वे सब बहुत खुश थे।

| | |
|---|---|
| संज्ञा..... | सर्वनाम ..... |
| ..... | ..... |

## आइए जानते हैं –

**( क ) क्रिया के जिस रूप से उसके होने के समय का बोध होता है उसे काल कहते हैं। काल तीन प्रकार के होते हैं–**

1. वर्तमान काल – जो क्रिया अभी हो रही है। (जैसे – ऊषा विद्यालय जा रही है।)
2. भूतकाल – जो क्रिया पहले हो चुकी हो। (जैसे – ऊषा विद्यालय गई थी।)
3. भविष्य काल – जो क्रिया आगे होगी। (जैसे – ऊषा विद्यालय जाएगी।)

**( ख ) नीचे दिए गए गद्यांश में से काल के आधार पर वाक्यों को छाँटकर लिखिए –**

सरिता रोज सुबह जल्दी उठती है। वह बगीचे में खेलती है। कल वह नदी के किनारे गई। वहाँ उसने कागज की नाव तैराई। उसे बहुत मजा आया। अगले रविवार वह चिड़ियाघर जाएगी।

| वर्तमान काल | भूतकाल | भविष्य काल |
|---|---|---|
| | | |

## आओ रचना करें –

**1. कवि बनो** – साइकिल पर दो से चार पंक्तियों की कविता बनाओ और अपने दोस्तो को सुनाओ।

**2. कहानीकार बनो** – 'अगर मेरी साइकिल बोल सकती' विषय पर एक छोटी कहानी लिखें।

## पढ़ने के लिए –

**चिड़िया और साइकिल**

चिड़िया चढ़ी गर्व से ऐंठी
साइकिल के हैंडल पर बैठी
बोली मैं भी सैर करूँगी
गड्ढ़ों से अब नहीं डरूँगी
मजा नहीं उड़ने में आता
साइकिल के पैडल से नाता

**– रवि प्रकाश**

शिक्षक निर्देश – **व्याकरण प्रकरण की समझ विकसित करने हेतु शिक्षक विद्यार्थियों के साथ चर्चाकर आवश्यकतानुसार सहयोग करें।**

# आकलन - 1

## मौखिक अभिव्यक्ति

चित्र देखकर बताइए इसमें क्या-क्या हो रहा है, बच्चे आपस में क्या-क्या बातें कर रहे हैं?

1. 'सीख' कविता की चार पंक्तियाँ हाव-भाव से सुनाओ और बताओ कि ये पंक्तियाँ किस बारे में है?
2. 'फूलों का नगर' कहानी में आए किसी एक पात्र के बारे में बताइए।

## पढ़कर समझना -

**नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर सवालों के जवाब लिखिए -**

हम लोगों ने अपने घर के पीछे एक छोटा-सा बगीचा लगा रखा है। इस बगीचे में हम सभी मेहनत करते हैं। ऐसा करने से हम स्वस्थ रहते हैं। बगीचे में बहुत प्यारे-प्यारे फूल लगाए गए हैं। फूलों के आने से बगीचा अनेक रंगों से सज गया और बगीचे में मनमोहक महक आने लगी। ऐसा लगता है जैसे हमारे बगीचे का शृंगार फूलों से किया गया है।

(क) 'इस बगीचे में हम सभी मेहनत करते हैं', इस वाक्य को इस तरह से भी लिखा जा सकता है-

''इस बगीचे में हम सभी श्रम करते हैं''

इसी तरह नीचे दिए वाक्य में आए शब्द 'शृंगार' के स्थान पर दूसरा शब्द लिखते हुए वाक्य बनाइए।

1. 'ऐसा लगता है जैसे हमारे बगीचे का 'शृंगार' फूलों से किया गया है।'

   .....

2. फूल बगीचे का 'शृंगार' कैसे होते हैं?

   .....

3. हम लोग स्वस्थ कैसे रह सकते हैं?

   .....

4. आपके अनुसार बगीचे क्यों लगाए जाते हैं?

   .....

## भाषा की बात -

**कहानी को पढ़ो और दी गई सारणी में संज्ञा, सर्वनाम एवं क्रिया वाले शब्द छाँटकर लिखो।**

लोमड़ी और बकरी बहुत अच्छी दोस्त थी। वे एक साथ रहती थी लेकिन एक दिन बकरी हरी घास चरने जंगल में थोड़ा दूर चली गई। जब वह हरी घास खा रही थी तभी उसे शिकारी कुत्तों का एक झुंड नजर आया। पास में हिरण के छोटे-छोटे बच्चे लंबी-लंबी घास में दौड़ लगा रहे थे। यह सब देखकर बकरी को दया आई तथा सोचने लगी कहीं बच्चों को कुत्ते कोई नुकसान न पहुँचा दे। वह सोच ही रही थी कि उसके पास एक मोटा हाथी आ गया और कुत्ते उसे देखकर तेजी से भाग गए।

| संज्ञा | सर्वनाम | क्रिया |
|---|---|---|
| लोमड़ी | वे | चरने |
| | | |
| | | |
| | | |

## नीचे दिए गए चित्र को देखकर सात-आठ वाक्य लिखिए -

## सोचो और लिखो-

1. 'सीखो' कविता से आपको क्या-क्या सीख मिलती है ?
2. यदि कृष्ण की जगह आप होते तो लोगों की भलाई के लिए क्या-क्या करते ?
3. 'फूलों का नगर' कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?
4. साइकिल का चित्र बनाओ और उसके विभिन्न हिस्सो के नाम लिखो।

## मिलान करें-

| | |
|---|---|
| 1. जलधारा | माखन |
| 2. कृष्ण | दूरदर्शी |
| 3. अमृत | अकेली सवारी |
| 4. साइकिल | जीवन पथ पर बढ़ना |

## अध्याय - 5

# मेरा गाँव

इंद्रधनुष से पंख पसारे,
पंछी गाते गुनगुन-गुनगुन ।
साँझ-सकारे गायों के दल,
दौड़े जाते रुनझुन-रुनझुन ।
टें-टें तोता, कुहु-कोयलिया,
चीं-चीं चिड़िया चुनमुन-चुनमुन ।
हो-हो, हा-हा, हू-हू, ही-ही,
टनटन-टनटन छुट्टी की धुन।

खेतों मे इठलाता गेहूँ, मुस्काता है सरसों के संग।
चना गुलाबी पगड़ी पहने, बना है दूल्हा भरे उमंग।
अंबर के आँगन में बादल, बजा रहे ढप, ढोल, मृदंग।
सौंधी महक, झूमता सावन और मचलते फागुन के रंग।

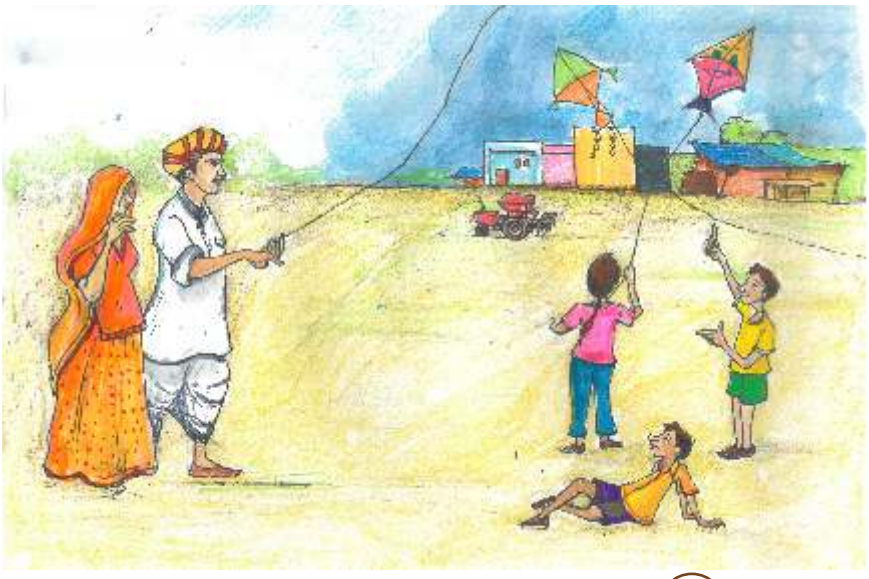

घर-घर घर्राते ट्रैक्टर,
दौड़ रहे खेतों की ओर।
उड़ी पतंगें तितली जैसी,
खींच रहीं चरखी से डोर।
गुल्ली-डंडा, कुश्ती, कबड्डी और
कहीं खो-खो का शोर ।
शहद सी मीठी, नटखट, चंचल,
मेरे गाँव की प्यारी भोर ।

# अभ्यास कार्य

## आओ बात करें –

1. वर्तमान में आपके परिवेश में कौन-कौनसी फसलें हो रही हैं?
2. आपके परिवेश में कौन-कौनसे वृक्ष, पशु एवं पक्षी दिखाई देते हैं?
3. गाँव के जीवन और शहर के जीवन के बारे में चर्चा करें।
4. कविता में बताए गए विभिन्न खेलों के बारे में चर्चा करें।

## सोचो और लिखो–

### ( क ) बहुविकल्पात्मक प्रश्न –

1. कविता के अनुसार सरसों के संग कौन मुस्काता है –

   (अ) गेहूँ (ब) बाजरा (स) चना (द) अलसी ( )

2. कविता में पतंग को किसके समान कहा गया है?

   (अ) तारे (ब) सूरज (स) पर्वत (द) तितली ( )

### ( ख ) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए –

1. साँझ-सकारे ....., दौड़े जाते रुनझुन-रुनझुन।
2. चना गुलाबी पगड़ी पहने, ..... भरे उमंग।
3. शहद सी मीठी, नटखट, चंचल .....।

### ( ग ) मिलान कीजिए –

1. किसकी तुलना किससे –

| | |
|---|---|
| पंछी | पतंग से |
| तितली | आँगन से |
| चना | इंद्रधनुष से |
| अंबर | दूल्हे से |

2. ध्वनियाँ और उनके स्रोत

| ध्वनि | स्रोत |
|---|---|
| रुनझुन-रुनझुन | घंटी |
| गुनगुन-गुनगुन | गाय |
| घर्र-घर्र | पंछी |
| टनटन-टनटन | ट्रैक्टर |

### ( घ ) अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न -

1. कविता में बताए गए जीवों के नाम लिखिए।
2. कविता में किस ऋतु की फसलों की चर्चा की गई है?

## कविता से आगे -

1. सोचिए और बताइए -
   i. पंछियों की तुलना इंद्रधनुष से क्यों की गई है?
   ii. चने को गुलाबी पगड़ी पहने क्यों बताया गया है?
2. अनुमान/ कल्पना आधारित -
   i. बादलों में आपने कौन-कौनसी आकृतियाँ देखी हैं?
   ii. यदि आप चिड़िया होते तो कहाँ जाना पसंद करते एवं किस तरह की ध्वनि निकालते?
   iii. आपके गाँव या शहर की सुबह कैसी होती है? लिखिए।
3.. निम्नलिखित पंक्तियों पर आधारित चित्र बनाइए-
   i. इंद्रधनुष से पंख पसारे, पंछी गाते गुनगुन-गुनगुन।
   ii. चना गुलाबी पगड़ी पहने, बना है दूल्हा भरे उमंग।

## चर्चा कीजिए -

1. निम्नलिखित पर चर्चा कीजिए-
   i. आपके परिवेश में होने वाली फसलों एवं उनकी ऋतुओं पर चर्चा कीजिए।

ii. कविता में आई हुई ध्वनियों के अलावा अन्य कौनसी ध्वनियाँ आपके परिवेश में सुनाई देती हैं? उन ध्वनियों पर चर्चा कीजिए। इनमें से आपको किसकी ध्वनि ज्यादा पसंद है और क्यों?

## भाषा की बात –

(क) निम्नलिखित पंक्तियों में से संज्ञा, विशेषण और क्रिया छाँटिए –

1. साँझ-सकारे गायों के दल, दौड़े जाते रुनझुन-रुनझुन।
2. चना गुलाबी पगड़ी पहने, बना है दूल्हा भरे उमंग।
3. घर्र-घर्र घर्राते ट्रैक्टर, दौड़ रहे खेतों की ओर।
4. उड़ी पतंगें तितली जैसी, खींच रहीं चरखी से डोर।

संज्ञा – .....

विशेषण – .....

क्रिया – .....

(ख) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त ध्वनि से मिलते-जुलते शब्द बनाइए।

1. छाँव-गाँव, .....
2. छप- .....
3. चटक-.....

(ग) नीचे दिए गए शब्दों के विपरीत अर्थ बताने वाले शब्द लिखिए –

1. हँसना- .....
2. साँझ- .....
3. मीठी- .....

**नीचे दी गई कविता को पूरा कीजिए और इस तरह शब्दों को जोड़कर नई पंक्तियाँ लिखिए-**

मरुधर रो सिणगार खेजड़ी,
जीवण रो आधार .....

सगळा धन रै पाछै भागै,
खेत-खेत में सोलर लागै,
स्वारथ री इण अजब दौड़ में
कटगी बेशुमार .....,

**शिक्षक निर्देश – व्याकरण प्रकरण की समझ विकसित करने हेतु शिक्षक विद्यार्थियों के साथ चर्चाकर आवश्यकतानुसार सहयोग करें।**

## अध्याय - 6

# मेरी जैसलमेर यात्रा

जब मुझे मामाजी के साथ जैसलमेर भ्रमण का मौका मिला तब मैं बहुत उत्साहित थी लेकिन थोड़ा असहज भी थी। जैसलमेर के बारे में मुझे कुछ बातें पहले से पता थी। जैसलमेर थार के रेगिस्तान में स्थित है। दूर-दूर तक रेत ही रेत, सुनसान, सूरज की तेज धूप, खेजड़ी के पेड़ और रेगिस्तान का जहाज ऊँट। जैसलमेर पहुँचते ही यह समझ में आ गया कि यहाँ का वातावरण बाकी जगहों से बिलकुल अलग है। सब तरफ एक जैसा और अद्‌भुत।

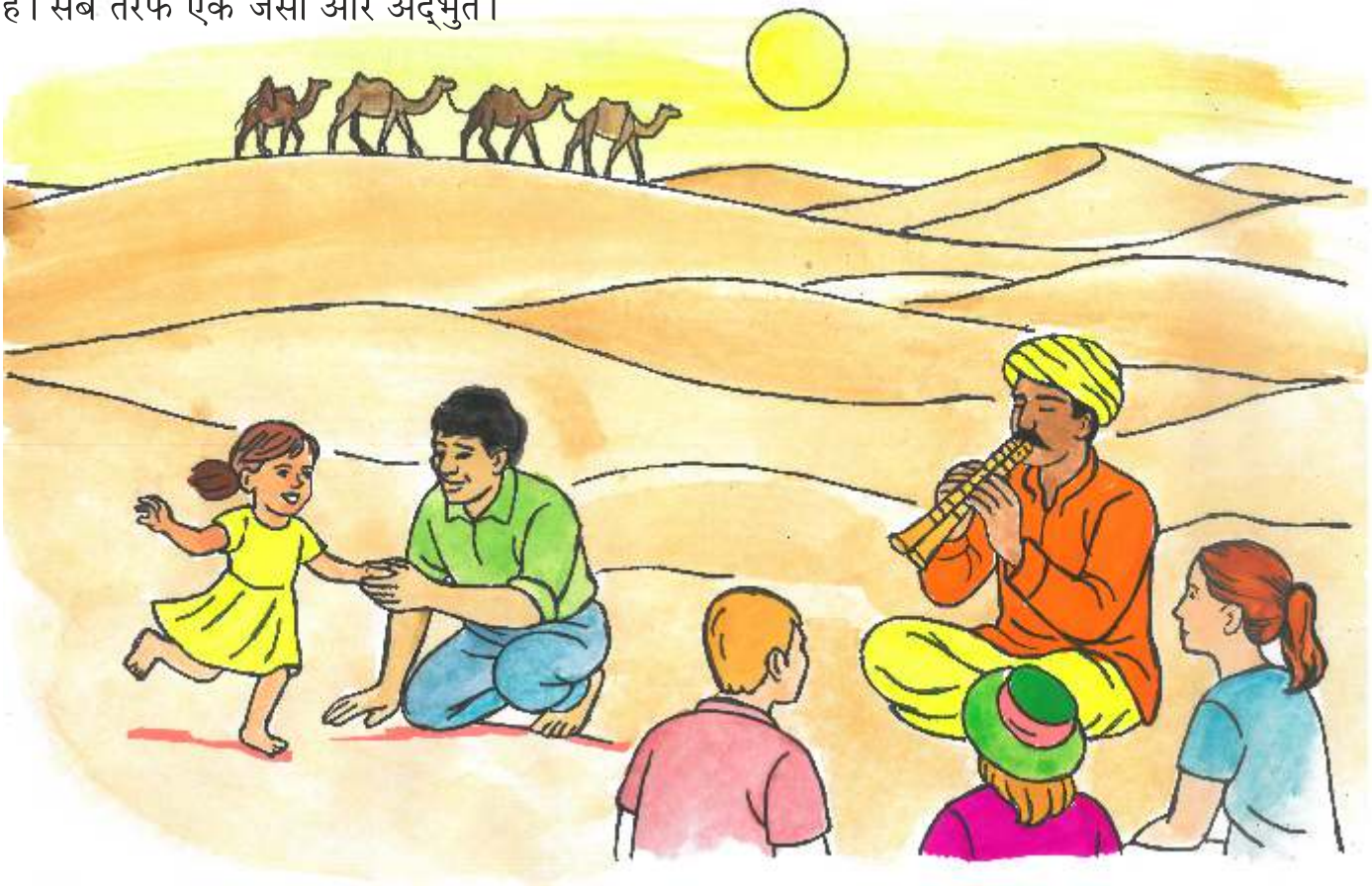

यहाँ की महीन रेत हमारे खेत की मिट्‌टी से बहुत अलग है। जब मैंने इसे अपनी मुट्‌ठी में लिया तो वह पानी की तरह फिसलने लगी। नंगे पैरों में रेत नरम और हल्की लग रही थी। हर कदम पर पैर अंदर धँस जाते थे। रेत पर चलना अपने आप में एक खेल जैसा था। रेत पर अँगुलियों से नाम और आकृतियाँ बनाना रोमांचक था। ऊँचे-नीचे टीलों पर चढ़ना-उतरना मजेदार था। रेत के धोरों में बच्चे खेल रहे थे। वे रेत में लोटपोट हो रहे थे।

ऊँट रेगिस्तान में परिवहन का मुख्य साधन रहा है। लोग ऊँटों से लंबी यात्राएँ करते थे। हमने भी ऊँट की सवारी का फैसला किया। ऊँट की पीठ पर बैठना थोड़ा मुश्किल था। उसकी चाल झूले जैसी थी। शुरुआत में संतुलन बनाना कठिन लगा लेकिन धीरे-धीरे हम उसकी लय में रम गए।

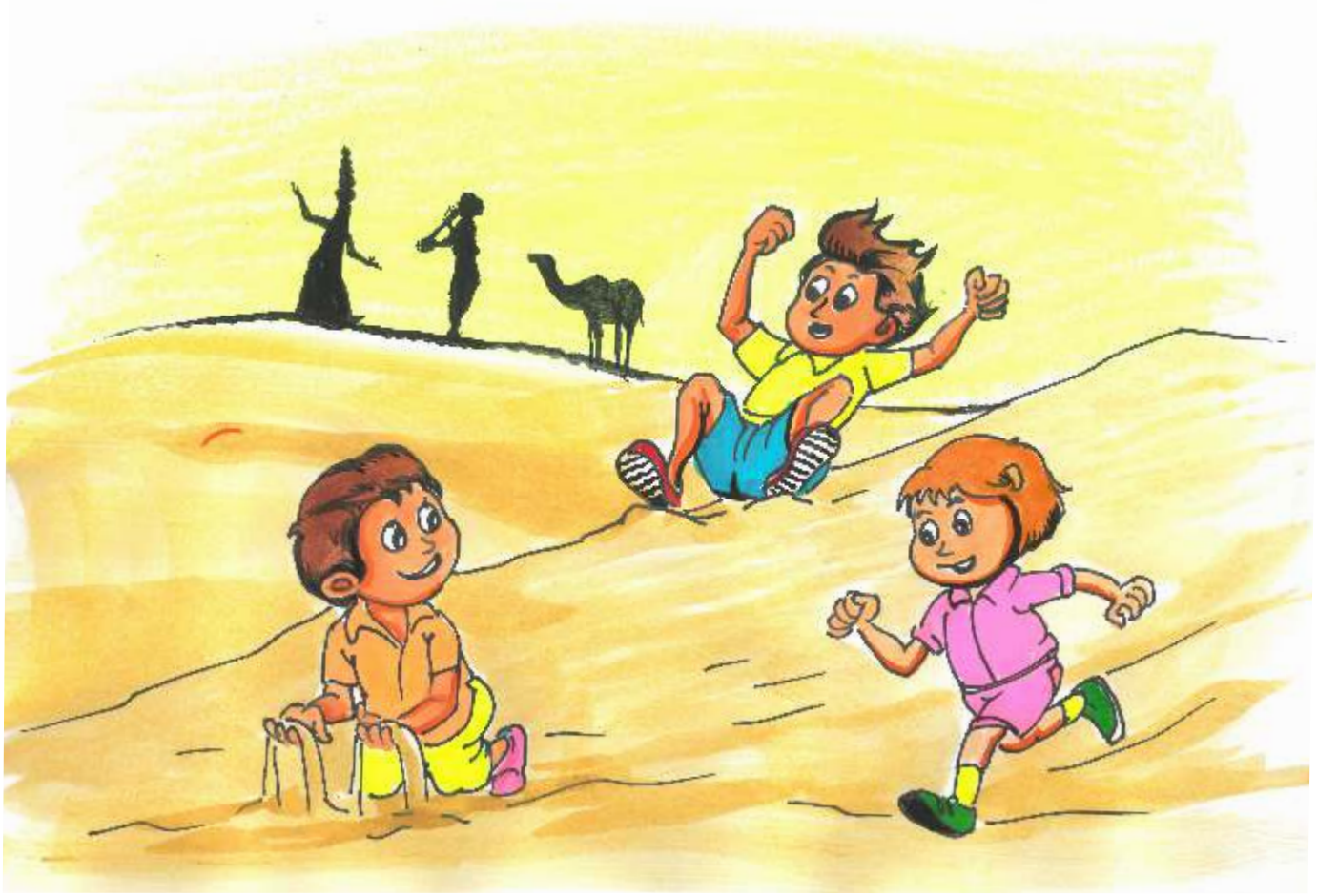

यहाँ सूरज ढलने के समय आकाश सुनहरे रंगों से भर जाता है। शाम को हमने जैसलमेर की लोक कला का आनंद लिया। हमने कालबेलिया नृत्य, मांड गायन और कठपुतली का खेल देखा। दूर से अलगोजा की धुन सुनाई दे रही थी – 'पधारो म्हारे देश'। यह संगीत बहुत अच्छा लग रहा था।

अगले दिन हमने जैसलमेर का किला देखा। इसे सोनारगढ़ भी कहा जाता है क्योंकि सूरज की रोशनी में यह सोने की तरह चमकता है। यह किला बहुत बड़ा और अनोखा है। यहाँ अब भी लोग रहते हैं। छोटे-छोटे घर, दुकानें और मंदिर किले के अंदर ही हैं। कुछ कारीगर हस्तशिल्प सामग्री, खिलौने और रंग-बिरंगे कपड़े बेच रहे थे। पारंपरिक जूतियाँ बहुत आकर्षक लग रही थी। किले के ऊँचे बुर्ज पर खड़े होकर पूरा शहर दिखाई देता था। वहाँ से दूर तक सुनहरी रेत फैली हुई थी। यहाँ का वातावरण बहुत मनमोहक था।

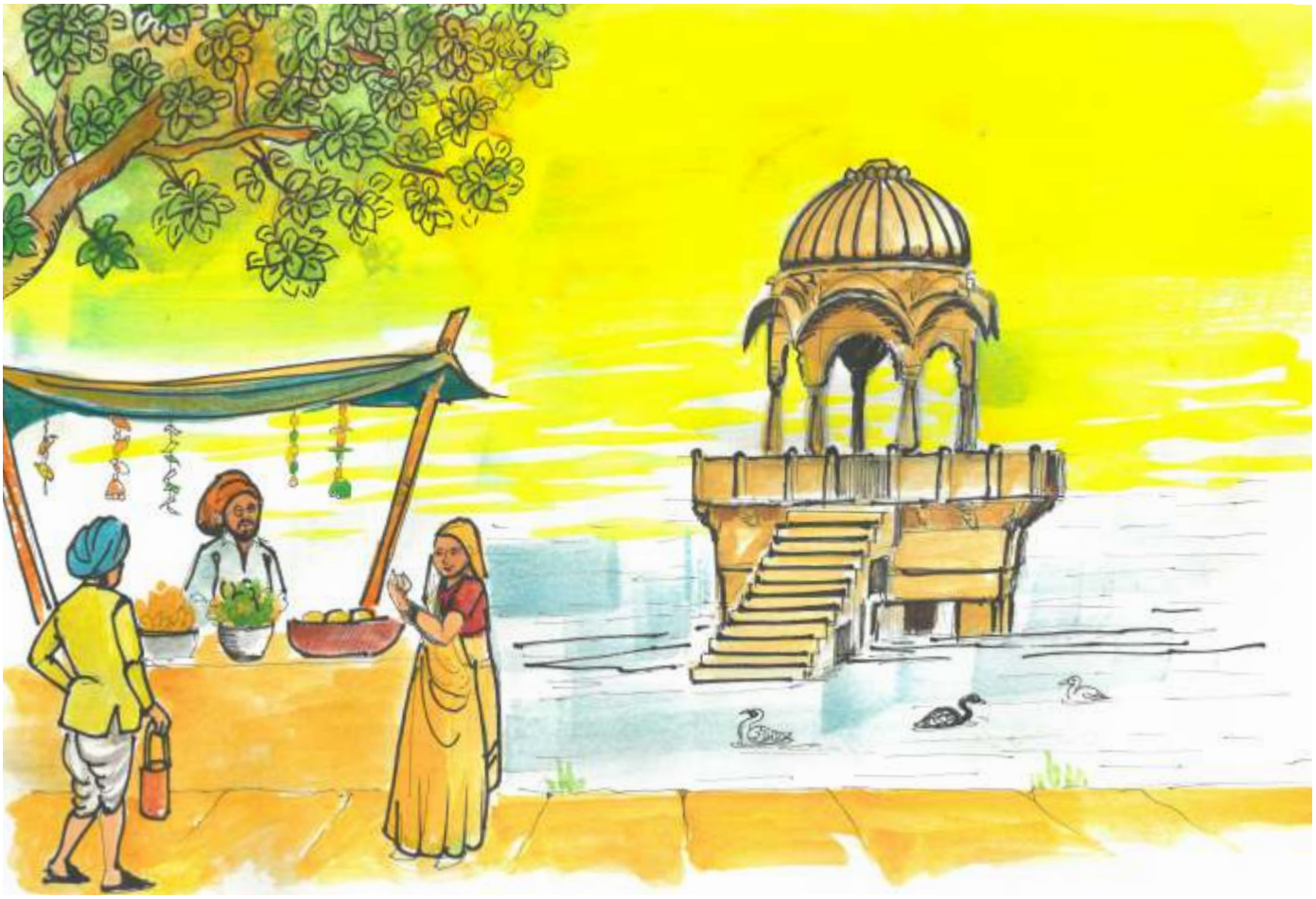

सोनार किला देखने के बाद हम गड़ीसर झील गए। यह झील बहुत ही सुंदर लगी। पहले यह जैसलमेर के लोगों के लिए पानी का मुख्य स्रोत थी। झील के चारों ओर खूबसूरत मंदिर और छतरियाँ बनी हैं।

इसके बाद हमने जैसलमेर की प्रसिद्ध हवेलियाँ देखी। ये हवेलियाँ बहुत सुंदर और विशाल हैं। पटवों की हवेली पाँच अलग-अलग हवेलियों का समूह है। इसकी जालीदार खिड़कियाँ और सोने जैसी चमकती दीवारों की सुंदरता देखते ही बनती है। नथमल की हवेली को बहुत बारीकी से तराशा गया है। यहाँ के दरवाजे और खंभों की नक्काशी बहुत आकर्षक है। सालिमसिंह की हवेली को मोर की गर्दन की तरह बनाया गया है। इन हवेलियों की कला और बनावट ने मुझे बहुत प्रभावित किया।

यह यात्रा मेरे लिए बहुत खास थी। जब भी मैं जैसलमेर के बारे में सोचती हूँ तो वहाँ की लोक कला, सोनार किले की भव्यता, हवेलियों की नक्काशी, गड़ीसर झील की यादें ताजा हो जाती हैं। जैसलमेर सिर्फ रेगिस्तान नहीं है, यह इतिहास, संस्कृति और कला का अद्‌भुत संगम है।

# अभ्यास कार्य

## आओ बात करें –

1. जैसलमेर के किले को 'सोनारगढ़' कहा जाता है। इसका क्या कारण है?
2. गड़ीसर झील जैसलेमर के लिए क्यों खास है?
3. जैसलमेर की हवेलियाँ किस लिए प्रसिद्ध हैं?
4. अगर आप जैसलमेर जाते तो वहाँ सबसे पहले क्या करना पसंद करते और क्यों?
5. क्या आपने कभी पारंपरिक लोकनृत्य या लोकसंगीत देखा या सुना है? यदि हाँ तो कैसा लगा?
6. रेत के धोरों पर ऊँट आराम से कैसे चल पाता होगा?
7. यदि आपके पास जादुई कालीन आ जाए तो अपनी कक्षा के साथियों को उस पर बैठाकर कहाँ की सैर करवाना चाहेंगे।

## सोचो और लिखो–

### ( क ) प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–

1. पाठ मे किस नृत्य की चर्चा की गई है?

   (अ) घूमर (ब) गैर (स) तेरहताली (द) कालबेलिया ( )

2. जैसलमेर की किस हवेली को मोर की गर्दन की तरह बनाया गया है?

   (अ) सालिमसिंह की हवेली (ब) नथमल की हवेली

   (स) रामपुरिया हवेली (द) गोयनका हवेली ( )

### ( ख ) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए –

1. रेत पर अँगुलियों से नाम और आकृतियाँ बनाना ..... था।
2. किले के ऊँचे ..... पर खड़े होकर पूरा शहर दिखाई देता था।
3. सोनार किला देखने के बाद हम ..... झील गए।

### ( ग ) वाक्य पढ़कर सत्य/असत्य बताइए –

1. पटवों की हवेली पाँच अलग-अलग हवेलियों का समूह है।.....
2. नंगे पैरों से रेत गरम और भारी लग रही थी। .....
3. ऊँट रेगिस्तान में परिवहन का मुख्य साधन रहा है। .....

## मेरी बात सबकी बात –

1. पाठ में ऊँट की सवारी के अनुभव को मजेदार तरीके से बताया गया है। इसे अपने शब्दों में बताओ।
2. पाठ में जैसलमेर में रेत पर चलने का अनुभव बताया है। जब आप नंगे पैर पानी में चलते हैं तो आपको क्या-क्या महसूस होता है? बताओ।
3. सूर्यास्त के समय जैसलमेर के आकाश का जो वर्णन किया गया है उसे अपने शब्दों में बताओ।
4. राजस्थान में प्रचलित कथन 'पधारो म्हारे देश' का क्या अर्थ है?

## पढ़ो और जानो –

1. नीचे दी गई तालिका में लिखिए कि जैसलमेर के बारे में आपको इस पाठ को पढ़ने से पहले क्या पता था और पाठ पढ़ने के बाद क्या नया पता चला –

| पहले से क्या पता था | पाठ पढ़ने के बाद क्या नया पता चला |
|---|---|
| | |

2. यात्रा में आपको सबसे अच्छा क्या लगा और क्यों?

.....

.....

3. जैसलमेर की लोककला में 'कालबेलिया नृत्य' और 'मांड गायन' बहुत प्रसिद्ध हैं। आप अपने शिक्षक या परिजनों की मदद से जानकारी प्राप्त करके तालिका में इनके बारे में लिखिए।

| मांड गायन | कालबेलिया नृत्य |
|---|---|
| | |

## चलो मजेदार यात्रा की तैयारी करें।

अपनी किसी एक खास यात्रा के बारे में एक सुंदर चित्र बनाओ और उसके बारे में लिखो।

| यात्रा का चित्र यहाँ बनाओ | यात्रा के बारे में यहाँ लिखिए |
|---|---|
| क्या आपने ये सब लिखा है? यदि हाँ तो संबंधित वाक्य के सामने सही [✓] का निशान लगाएँ।<br>• उस जगह का नाम, स्थान, ऐतिहासिक या सांस्कृतिक महत्व और वहाँ पहुँचने का तरीका लिखा है। [ ]<br>• यात्रा के दौरान महसूस की गई भावनाएँ, रोचक घटनाएँ और अपने नजरिए से खास बातें लिखी हैं। [ ]<br>• वहाँ के मौसम, नजारों, इमारतों, लोगों, खान-पान और लोककला आदि के बारे में लिखा है। [ ]<br>• घूमने लायक स्थान, प्रसिद्ध मंदिर, किले, बाजार के बारे में लिखा है। [ ]<br>• लेखन में अपनी भावनाएँ और संवाद शैली आकर्षक रखी है। [ ] | अपनी यात्रा लेखन की जाँच स्वयं करके किसी एक वाक्य के आगे सही [✓] का निशान लगाएँ।<br>• पूरी तरह से सही और रोचक। [ ]<br>• अधिकतर सही लेकिन थोड़े सुधार की जरूरत। [ ]<br>• न तो सही न गलत, कुछ सुधार आवश्यक। [ ]<br>• काफी हद तक गलत लेकिन सुधार किया जा सकता है। [ ]<br>• पूरी तरह गलत, फिर से सोचना चाहिए। [ ] |

माना कि आपको अपने घर से जैसलमेर जाना है। गूगल मैप की मदद से अपनी यात्रा का रोड मैप बनाओ जिसमें रास्ते में आने वाले जिले, प्रमुख स्थान और मंदिर भी दिखाओ।

नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़कर चलो मजेदार प्रश्न बनाते हैं –

जैसलमेर में पटवों की हवेली पाँच अलग–अलग हवेलियों का समूह है। इनकी जालीदार खिड़कियाँ और सोने जैसी चमकती दीवारों की सुंदरता देखते ही बनती है।

**उदाहरण** – पटवों की हवेली कहाँ पर है?

1. .....

2. .....

## भाषा की बात –

जैसलमेर एक सुंदर शहर है। यह राजस्थान में स्थित है। मैंने अपने दोस्तों के साथ जैसलमेर का किला देखा। वह बहुत भव्य था। हमारे मार्गदर्शक ने हमें बताया कि यह किला बहुत पुराना है। ऊँटों की सवारी करना हमें बहुत अच्छा लगा। हम जब रेगिस्तान में घूम रहे थे तब रेत बहुत गर्म थी। शाम को सूर्यास्त का नजारा देखने लायक था। वहाँ के संगीत और नृत्य ने हमें मंत्रमुग्ध कर दिया।

गद्यांश के आधार पर संज्ञा और सर्वनाम शब्दों को पहचानकर तालिका में लिखिए –

| संज्ञा शब्द | सर्वनाम शब्द |
|---|---|
| | |

## यह भी करें –

आप अपनी दादी के साथ स्थानीय बाजार का भ्रमण करके लौटे हैं। वहाँ आपने खिलौने, पुस्तक, कपड़े, मिठाई, फल और यातायात के साधन देखे हैं। आप अपने मित्र गोलू को संवाद के माध्यम से अपने अनुभव बताएँ –

गोलू – अरे अमित! आज तुम अपनी दादी के साथ बाजार गए थे। बताओ वहाँ तुमने क्या-क्या देखा और कैसा लगा?

मैं – ओह! बहुत अच्छा लगा। वहाँ मैंने बोलने वाला रोबोट देखा।

गोलू– .....

मैं – .....

गोलू– .....

मैं – .....

गोलू– .....

मैं – .....

गोलू– .....

मैं – .....

दोनों मुस्कुराते हुए दादी के साथ मेले जाने की योजना बनाते हैं।

## अध्याय - 7

# बोलने वाली माँद

एक जंगल में खरनखर नाम का एक शेर रहता था। एक दिन उसे बहुत तेज भूख लगी। वह शिकार की तलाश में पूरे जंगल में घूमता रहा पर एक चूहा तक हाथ नहीं लगा। इस तलाश में ही शाम हो गई।

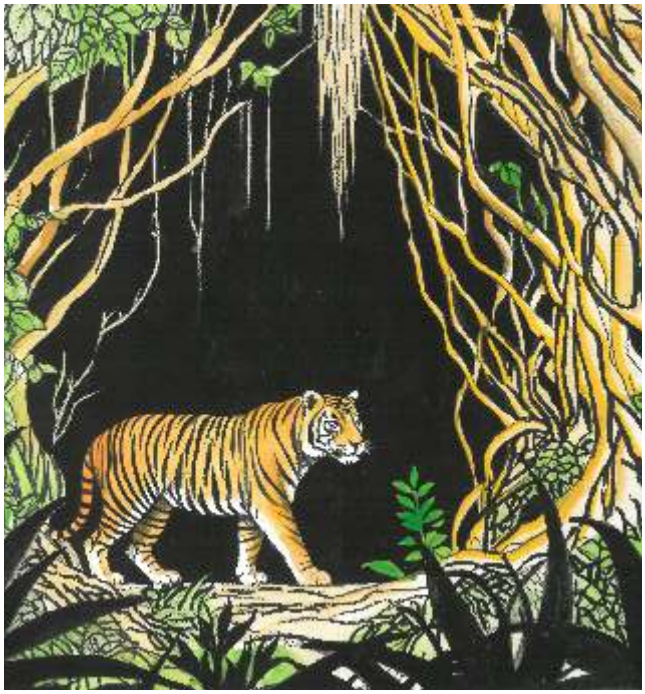

अँधेरा हो रहा था। इसी समय उसे एक माँद दिखाई दी। रात काटने के लिए वह उसी में घुस गया।

उस माँद में घुसकर उसने सोचा, इसमें कोई न कोई जानवर तो रहता ही होगा। जब वह आराम करने के लिए इसमें घुसेगा, मैं उसे दबोच लूँगा। यह सोचकर वह उस माँद में एक ओर दुबककर बैठ गया।

उस माँद में दधिपुच्छ नाम का एक सियार रहा करता था। वह माँद की ओर आ रहा था। माँद के द्वार पर आकर उसने देखा तो उसे शेर के पाँवों के निशान दिखाई दिए। निशान माँद की ओर जाने के तो थे पर लौटने के नहीं थे। उसने सोचा, हे भगवान! आज तो मेरी जान पर ही आ बनी। इसके भीतर जरूर कोई शेर घुसा बैठा है। उसे समझ में नहीं आ रहा था वह क्या करे जिससे पक्का पता चल जाए कि शेर इस समय भी उसके भीतर ही है या बाहर निकल गया है।

सोचने से क्या नहीं हो सकता। सोचते-सोचते उसे एक उपाय सूझ ही गया। माँद के दरवाजे पर जाकर उसने आवाज दी, ''ऐ मेरी माँद, ऐ मेरी माँद।'' आवाज दे कर वह चुप हो गया। कुछ देर बाद उसने कहा, ''अरे, तुझे हो क्या

गया है? आज बोलती क्यों नहीं? पहले तो जब मैं आवाज लगाता था, तू झट बोल पड़ती थी। क्या तू यह भूल गई कि मैंने तुझसे कहा था कि मैं जब भी बाहर से आऊँगा तब तुम्हें आवाज दूँगा और उसके बाद ही मैं माँद के भीतर आऊँगा। यदि तुमने इस बार भी जवाब न दिया तो मैं तुम्हें छोड़कर किसी दूसरी माँद में चला जाऊँगा।''

अब शेर को विश्वास हो गया कि सियार के आवाज लगाने पर यह माँद सचमुच जवाब दिया करती है। उसने सोचा आज मैं आ गया हूँ इसलिए डर के मारे इसके मुँह से आवाज नहीं निकल रही है। यह तो मानी हुई बात है कि डर जाने पर हाथ-पाँव को काठ मार जाता है। मुँह से आवाज तक नहीं फूटती और शरीर थरथराने लगता है।

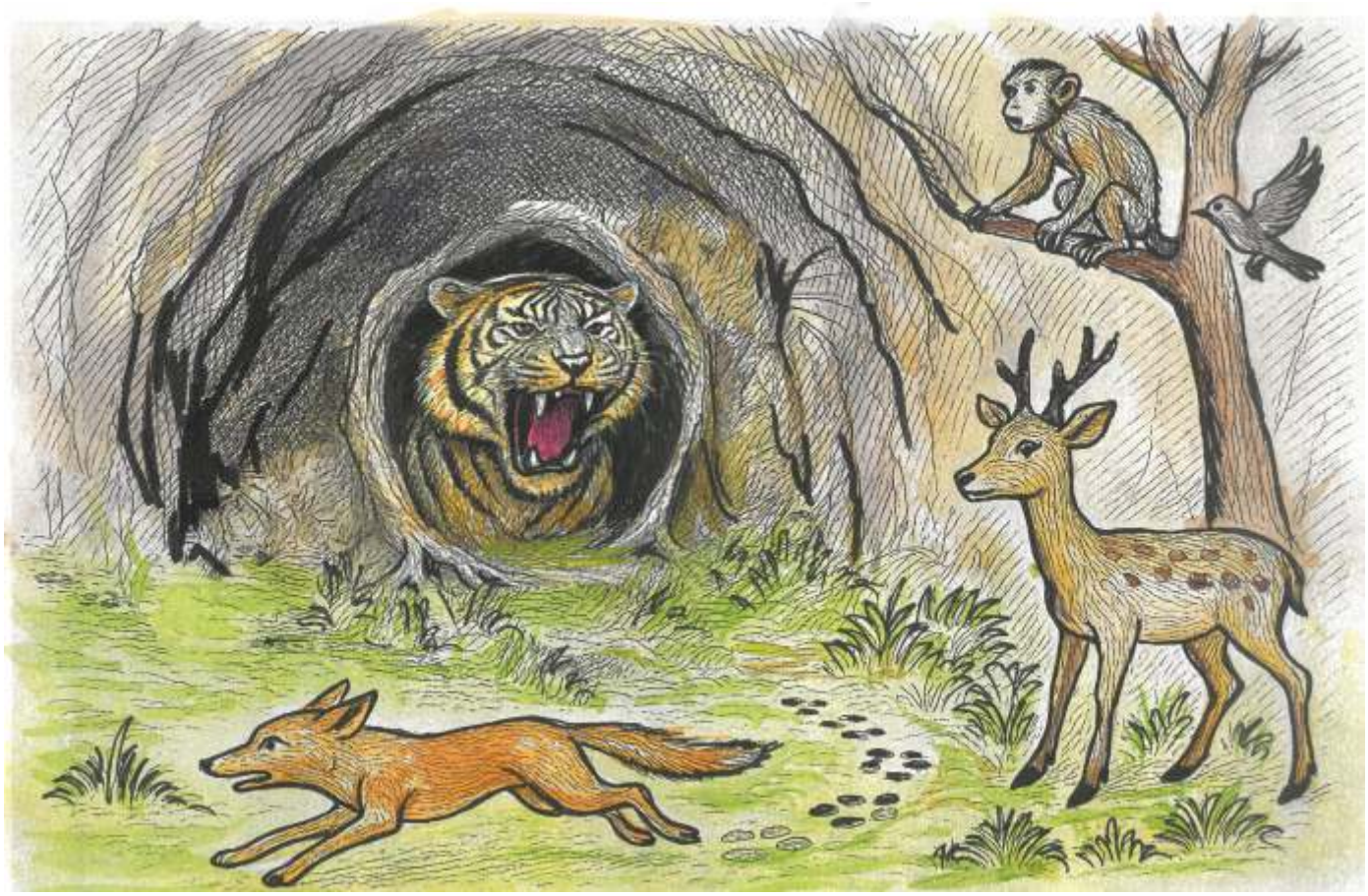

शेर ने सोचा यह माँद नहीं बोलती है तो कोई बात नहीं इसकी जगह मैं ही जवाब दे देता हूँ। यदि चुप रहा तो हाथ आया शिकार भी गया। यह सोचकर शेर ने उसके जवाब में आवाज लगा दी। उसकी आवाज से वह गुफा तो गूँज ही उठी आसपास के जानवर भी चौकन्ने हो गए। सियार वहाँ से यह कहते हुए चंपत हो गया कि इस वन में रहते हुए मैं बूढ़ा हो गया पर आज तक कभी किसी माँद को बोलते हुए नहीं सुना था।

**- पंचतंत्र**

# अभ्यास कार्य

## आओ बात करें –

1. इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है ?
2. यदि आप सियार की जगह होते तो क्या करते ?
3. शेर ने सियार की बातों पर विश्वास नहीं किया होता तो क्या होता ?
4. कहानी का सबसे रोचक हिस्सा आपको कौनसा लगा और क्यों ?

## सोचो और लिखो–

### ( क ) प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–

1. गुफा मे रहने वाले सियार का क्या नाम था ?

   (अ) धूमकेतु (ब) दधिपुच्छ (स) खरनखर (द) भीमसेन ( )

2. ''अरे, तुझे हो क्या गया है! आज बोलती क्यों नहीं।'' सियार ने यह कथन किससे कहा ?

   (अ) शेर से (ब) लोमड़ी से (स) गुफा से (द) अपनी पत्नी से ( )

### ( ख ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है ?
2. सियार माँद के अंदर क्यों नहीं गया ?

## भाषा की बात –

### ( क ) रिक्त स्थानों पर उचित संज्ञा शब्द भरकर वाक्य पूरा करें –

1. ..... गुफा में रहता था।
2. ..... सियार को खाने के लिए गुफा में छिपकर बैठा था।

### ( ख ) नीचे दिए गए वाक्य में संज्ञा शब्द के स्थान पर सर्वनाम का प्रयोग करिए –

| संज्ञा शब्द युक्त वाक्य | सर्वनाम का प्रयोग |
|---|---|
| 1. अब शेर को विश्वास हो गया। | अब उसको विश्वास हो गया। |
| 2. सोचते–सोचते सियार को एक उपाय सूझा। | ..... |

**( ग ) कहानी में प्रयुक्त कोई पाँच विशेषण शब्द छाँटकर लिखें।**

## अनुमान और कल्पना –

1. अगर शेर नहीं बोला होता तो आगे क्या हो सकता था?
2. सियार की जगह कोई और जानवर होता तो वह कैसे बचने की कोशिश करता?
3. यदि गुफा को बोलने की जादुई शक्ति मिली होती तो कहानी का अंत कैसा होता?
4. यदि अंत में शेर गुफा की आवाज में नहीं बोलता तो कहानी का अंत कैसा होता? कल्पना करके एक नया अंत लिखें।
5. अगर यह कहानी पानी में रहने वाले किसी और जीव जैसे- कछुए या मछली के बारे में होती तो उसमें क्या बदलाव होते?

## खोज आधारित प्रश्न –

1. क्या किसी प्राणी की सूझबूझ पर आधारित इस कहानी जैसी अन्य कहानियाँ आपने पहले सुनी हैं? यदि हाँ तो अपने दोस्तों को सुनाएँ।
2. सियार ने अपने आपको कैसे बचाया?
3. इस कहानी में कौन-कौनसे पक्षी और जानवरों का उल्लेख किया गया है?
4. शिक्षक की मदद से जंगली जानवरों की जीवनशैली और उनके पर्यावरणीय महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त करें और संक्षेप में लिखें।

## रचनात्मक प्रश्न –

1. 'धैर्य और बुद्धिमानी से हर समस्या का हल संभव है'— इस संदेश को उजागर करने वाला एक पोस्टर बनाइए।
2. 'पर्यावरण संतुलन के लिए सभी जीव आवश्यक हैं'— इस विषय पर एक आकर्षक पोस्टर तैयार करें।
3. शेर और सियार के संवाद पर आधारित एक हास्य पोस्टर बनाइए जिसमें उनका वार्तालाप मजेदार ढंग से प्रस्तुत किया गया हो।

## यह भी करें –

1. क्या आप कभी किसी मुसीबत में फँसे हैं जहाँ आपको चतुराई से बाहर निकलना पड़ा हो? अपने अनुभव साझा करें।

# अध्याय - 8

# पत्र

W5V9I1

सौम्य स्कूल से आया। हाथ-मुँह धोए। मम्मी ने पहले ही उसके लिए दूध और नाश्ता तैयार कर रखा था। उसे पीकर उसने मुट्ठीभर चने-मूँगफली जेब में रखे। रैकेट उठा बैडमिंटन खेलने दौड़ा ही था कि देखता है दादाजी चश्मा चढ़ाए कुछ रद्दी मटमैले कागजों को पढ़ते-पढ़ते मुस्कुरा रहे हैं। सौम्य ने पूछा- ''दादाजी आप क्या पढ़कर मुस्कुरा रहे हैं?'' तो दादाजी ने उसके हाथ में उसके पापा के दोस्त का बचपन का एक पत्र थमा दिया। सौम्य उसे पढ़ने लगा -



मेरे प्यारे दोस्त अजय,

आपका पत्र मिला। पढ़कर बड़ा मजा आया। गौरी तो हँसते-हँसते लोटपोट हो गई। आपने क्या हिम्मत दिखाई। बेचारे चोर के तो आपने छक्के ही छुड़ा दिए। लगता है आपने इसी दिन के लिए भूत का कॉस्ट्यूम खरीदा था। चोर का तो कलेजा ही मुँह को आ गया होगा।

दोस्त छुट्टियों में आपकी बहुत याद आई। अब मैंने क्या किया वह सुनो। आप साथ होते तो और भी मजा आता। पापा हमें रणथंभौर ले गए। वहाँ पहले तो हमने 'टाइगर सफारी' की। एकबारगी तो टाइगर हमारी जीप के पीछे ही दौड़ पड़े। टाइगर की दहाड़ सुन लोगे तो आपके रोंगटे खड़े हो जाएँगे। मेरा तो दिल ही दहल गया।

सफारी के बाद हम चढ़े किले पर। किला ऊँची पहाड़ी पर बना है। ऊपर तक पहुँचने के लिए सात दरवाजे हैं। ऊपर पहुँचकर सबसे पहले हमने त्रिनेत्र गणेश जी के दर्शन किए। हमारे गाइड ने बताया कि दूर-दूर से लोग यहाँ गणेश जी को विवाह का निमंत्रण देने आते हैं। रणथंभौर सवाईमाधोपुर जिले में फैले एक राष्ट्रीय उद्यान के रूप मे भी जाना जाता है। यहाँ के शासक हम्मीर देव चौहान अपनी वीरता, साहस और दृढ़ प्रतिज्ञा के लिए प्रसिद्ध रहे हैं।

अब सुनो मजेदार किस्सा। वहाँ लंगूर बहुत थे। मैंने उनको खाने के लिए चने और केले डाले। मुझे जाने क्या शरारत सूझी। मैंने चुपके से एक लंगूर की पूँछ खींच दी पर उसने सोचा कि पास बैठे दूसरे लंगूर ने खींची है तो उसने दूसरे लंगूर के गाल पर थप्पड़ जड़ दिया। बेकसूर लंगूर हो गया आग-बबूला। उसने थप्पड़ के जबाव में धक्का दिया और उसे गिरा दिया झुंड में बैठे चार-पाँच लंगूरों पर। अब सब लंगूर आपस में गुत्थमगुत्था हो गए। कितनी हँसी आई हमें, पूछो ही मत।

रणथंभौर से हम कैलादेवी, मदनमोहनजी और श्रीमहावीरजी के दर्शन को भी जाने वाले थे पर मम्मी की तबीयत ठीक नहीं थी इसलिए लौट आए। ये सभी स्थान करौली जिले में पड़ते हैं। मैंने कैलादेवी के लक्खी मेले और लाँगुरिया गीत के बारे में सुना था। फिर कभी जाना हुआ तो जरूर जाऊँगा।

तुम जैसलमेर घूमने की कह रहे थे। अगर घूम आए हो तो पत्र में सब लिखना। वहाँ के रेत के धोरों की शाम, हवेलियाँ, सोनार का किला और नृत्य-संगीत सब कुछ अद्‌भुत है। अपने मम्मी-पापा, दादा-दादी को प्रणाम।

– आपका दोस्त मनीष

# अभ्यास कार्य

## आओ बात करें –

1. पूँछ खींचने पर यदि लंगूर मनीष पर झपट पड़ता तो क्या होता?
2. पशु-पक्षियों को छेड़ना या परेशान करना कहाँ तक उचित है?
3. जब हम किसी स्थान पर घूमने जाते हैं तो किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?
4. यदि आपने भी किसी जगह की यात्रा की है तो उसके बारे में बताइए।

## सोचो और लिखो–

### ( क ) बहुविकल्पात्मक प्रश्न –

1. भूत का कॉस्ट्यूम (ड्रेस) किसने खरीदा था?
   (अ) दादाजी ने (ब) सौम्य ने (स) अजय ने (द) मनीष ने ( )
2. सौम्य कौनसा खेल खेलने के लिए दौड़ा जा रहा था?
   (अ) क्रिकेट (ब) फुटबॉल (स) बैडमिंटन (द) टेनिस ( )
3. लाँगुरिया गीत किस मेले के लिए प्रसिद्ध है?
   (अ) श्रीमहावीरजी मेला (ब) रामदेवरा मेला
   (स) पुष्कर मेला (द) कैलादेवी मेला ( )

### ( ख ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. सबसे पहले हमने ..... गणेश जी के दर्शन किए।
2. टाइगर की ..... सुन लोगे तो ..... खड़े हो जाएँगे तुम्हारे।
3. पापा ले गए हमें .....।
4. ..... लंगूर हो गया आग-बबूला।

### ( ग ) अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. सौम्य के दादाजी चश्मा चढ़ाए क्या कर रहे थे?
2. सवाई माधोपुर के कौन-कौनसे पर्यटन स्थल प्रसिद्ध हैं?
3. अजय ने चोर के छक्के कैसे छुड़ाए?
4. मनीष द्वारा लंगूर की पूँछ खींचने पर क्या हुआ?
5. रणथंभौर के वीर, साहसी शासक जो अपनी दृढ़ प्रतिज्ञा के लिए प्रसिद्ध रहे हैं। वे कौन थे? लिखिए।

## भाषा की बात –

**( क ) निम्नलिखित पंक्तियों में से सर्वनाम छाँटकर ये भी बताइए कि वे किसके लिए आए हैं?**

1. उसे पीकर उसने मुट्ठीभर चने–मूँगफली जेब में रखे।
2. बेचारे चोर के तो तुमने छक्के ही छुड़ा दिए।
3. अब मैंने क्या किया वह सुनो।
4. मैंने उनको खाने के लिए चने और केले डाले।

**( ख ) निम्नलिखित मुहावरों का इस तरह वाक्यो में प्रयोग कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए।**

1. छक्के छुड़ाना – .....
2. कलेजा मुँह को आना – .....
3. दिल दहलना – .....
4. आग बबूला होना – .....

## अनुमान/कल्पना करें –

1. रोमांचक या मजेदार घटनाओं को जोड़ते हुए अपने मित्र को अपनी किसी यात्रा से संबंधित पत्र लिखिए।
2. यदि आपको अपने दोस्त को कोई संदेश भेजना हो तो आप कौन–कौनसे तरीकों का प्रयोग करेंगे?

## अनुभव साझा करें/चर्चा करें –

1. अपने प्रिय खेल के बारे में बताइए साथ ही यह भी बताइए कि वह खेल आपको क्यों पसंद है?
2. सौम्य दूध पीता है और चना–मूँगफली भी खाता है। आपको खाने में क्या पसंद है?
3. आपको अपने कक्षा सहपाठियों के साथ शैक्षिक भ्रमण पर जाना है। आप भ्रमण की योजना बनाइए जिनमें आप निम्नलिखित बिंदुओं की सहायता ले सकते हैं–

   क. भ्रमण हेतु स्थान चयन।

   ख. जाने का साधन।

   ग. साथ ले जाने वाली सामग्री।

   घ. वहाँ के प्रमुख स्थानों को देखने के लिए समय सीमा निर्धारण।

   ङ. भ्रमण के समय रखी जाने वाली सावधानियाँ।

# आकलन - 2

H4W1N6

## मौखिक अभिव्यक्ति -

1. चित्र को देखकर इसका अपने शब्दों में वर्णन कीजिए -

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

## पढ़कर समझना

### ( क ) नीचे एक विज्ञापन दिया गया है। इसे पढ़ो और बताओ–

1. यह विज्ञापन किसके बारे में है ?
2. विज्ञापन में लिखा है 'पर्यावरण मित्र बनें'। आप पर्यावरण मित्र कैसे बन सकते हैं ?
3. आप पेड़-पौधों की देखभाल के लिए क्या-क्या करेंगे ? कोई तीन कार्य बताएँ–
4. नीचे लिखी कौनसी बात विज्ञापन में नहीं लिखी है। उस पर गलत (×) का निशान लगाओ–

(अ) पेड़-पौधे लगाएँ। ( ) (ब) पानी की बचत करें। ( )

(स) पैसे की बचत करें। ( ) (द) बिजली की बचत करें। ( )

## ( ख ) ये चिट्ठी पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रिय किसान भाई, नमस्ते!

मुझे तुमसे दो बातें कहनी हैं। एक शुक्रिया के लिए, दूसरी शिकायत के लिए।

शुक्रिया खेत में बिजूके खड़े करने के लिए। क्या शानदार चीज है। बैठने के लिए इससे शानदार जगह शायद ही मिले। अपने चारों तरफ सब दिखता है। मैं आपके बिजूके के सिर पर अकसर बैठती हूँ।

अब शिकायत भी सुन लो। पिछले दिन मैंने आपके चने की इल्ली खाई थी। खाते ही पेट दुखने लगा। आँखों के आगे अँधेरा छा गया। पंख बेजान से हो गए। बड़ी मुश्किल से नहर तक पहुँची। पानी पिया और देर तक बदहवास बैठी रही। बहुत देर बाद जान में जान आई। इल्ली तो बड़ी स्वादिष्ट लगती थी। अब क्या हो गया? कहीं हम इसी कारण कम तो नहीं होते जा रहे? आप भी तो यही खाते होंगे? जरा बचकर रहना। भले चंगे रहोगे तो एक दिन हवाई जहाज में भी जरूर बैठोगे।

– आपके खेत की एक नन्ही चिड़िया

1. बताओ यह चिट्ठी किसने किसको लिखी है?

   .....

2. सोचो खेत में बिजूका क्यों खड़ा करते होंगे?

   .....

3. चने की इल्ली खाने से चिड़िया के पेट में दर्द होने लगा। ऐसा क्यों हुआ होगा?

   .....

## सोचो और लिखो-

1. 'मेरा गाँव' कविता का सार अपने शब्दों में लिखो।
2. पटवों की हवेलियाँ कहाँ पर हैं? इनकी विशेषताएँ भी लिखो।
3. 'बोलने वाली माँद' कहानी से क्या शिक्षा मिलती है?
4. मनीष की रणथंभौर यात्रा को अपने शब्दों में लिखो।
5. 'बोलने वाली माँद' कहानी में कौनसा पात्र आपको पसंद आया और क्यों?

अध्याय - 9

# गिलहरी का घर

I3C8D8

एक गिलहरी एक पेड़ पर
बना रही है अपना घर,
देख-भाल कर उसने पाया
खाली है उसका कोटर।

कभी इधर से, कभी उधर से
कुदक-फुदक घर-घर जाती,
चिथड़ा-गुदड़ा, सुतली, तागा
ले जाती जो कुछ पाती।

ले जाती वह मुँह में दाबे
कोटर में रख-रख आती,
देख बड़ा सामान इकट्ठा
किलक-किलककर वह गाती।

चिथड़े-गुदड़े, सुतली, धागे-
सब को अंदर फैलाकर,
काट कुतरकर एक बराबर
एक बनाएगी बिस्तर।

फिर जब उसके बच्चे होंगे
उस पर उन्हें सुलाएगी,
और उन्हीं के साथ लेटकर
लोरी उन्हें सुनाएगी।

– हरिवंश राय बच्चन

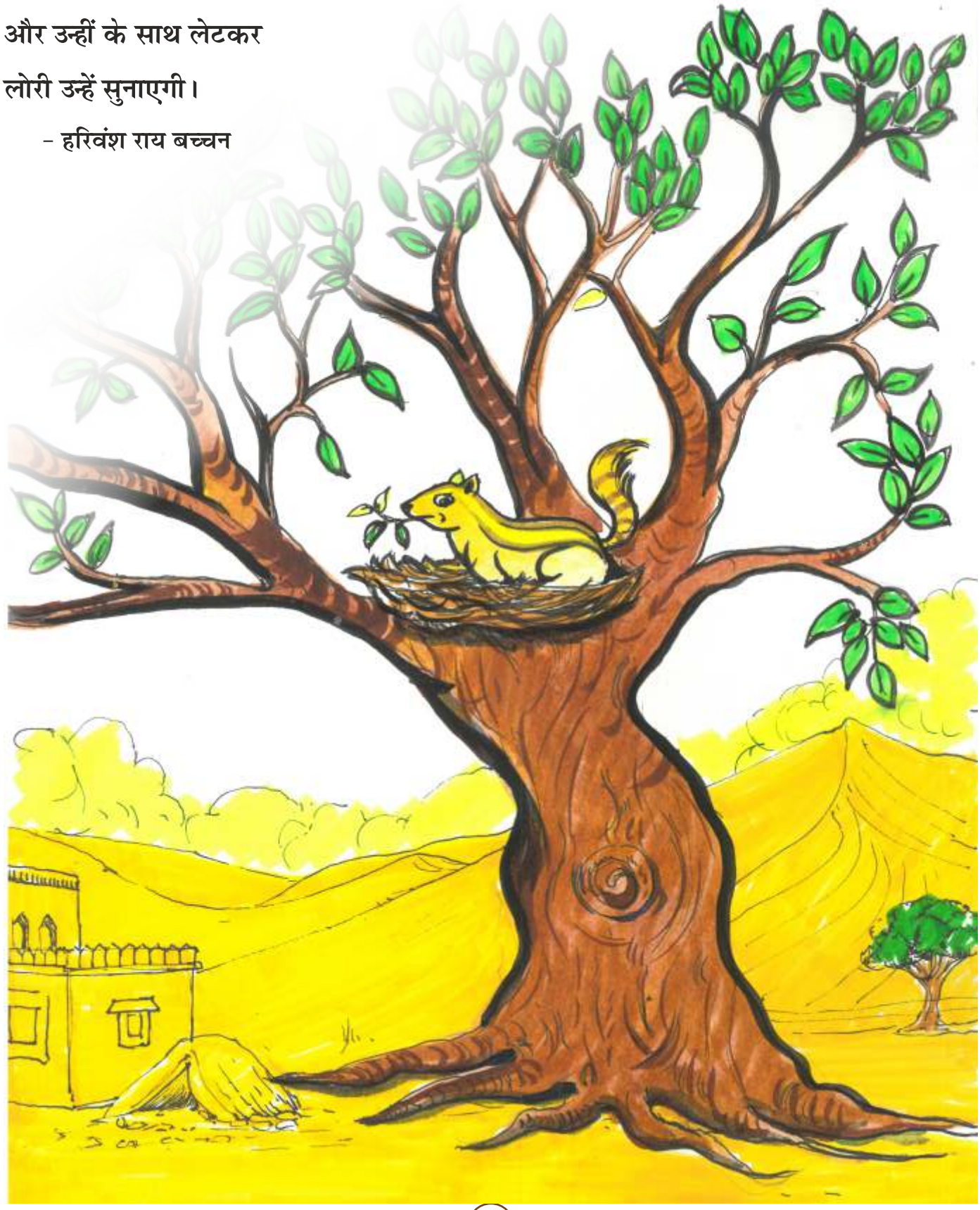

# अभ्यास कार्य

## आओ बात करें –

1. गिलहरी किस तरह से अपने घर के लिए सामान जुटा रही थी ?
2. जब गिलहरी का घर तैयार हो जाएगा तो वह अपने बच्चों के लिए क्या-क्या करेगी ?
3. यदि आपको भी अपना घर बनाना हो तो आप कौन-कौनसी चीजें चुनेंगे और क्यों ?
4. क्या आपने कभी किसी पक्षी या जानवर को घर बनाते हुए देखा है ? अपने अनुभव को लिखें।

## सोचो और लिखो–

### ( क ) नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए –

1. गिलहरी अपना घर कहाँ बना रही थी ?

   (अ) जमीन में (ब) पानी में (स) पेड़ पर (द) पहाड़ पर ( )

2. गिलहरी अपने घर को बनाने के लिए क्या-क्या इकट्ठा कर रही थी ?

   (अ) चिथड़ा-गुदड़ा, सुतली, तागा (ब) ईंट और सीमेंट

   (स) लकड़ी और पत्थर (द) कागज और प्लास्टिक ( )

### ( ख ) नीचे दिए गए वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए –

1. गिलहरी अपने बच्चों को सुलाने के लिए ..... गाएगी।
2. गिलहरी ..... के अंदर बिस्तर बनाएगी।

### ( ग ) नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। आप इन शब्दों का प्रयोग करते हुए नए वाक्य बनाओ।

कोटर .....

कुदक-फुदक .....

किलक-किलक .....

चिथड़ा-गुदड़ा .....

## रचनात्मक कार्य –

आप एक ऐसे घर का चित्र बनाओ जिसमें एक पेड़ और गिलहरी का घर भी शामिल हो।

नीचे दिए गए पत्र को पढ़िए और अपने आप को टिंकू मानते हुए इस पत्र का जवाब गिलहरी को दीजिए।

| गिलहरी का पत्र | टिंकू का जवाब |
|---|---|
| ***प्रिय टिंकू***<br><br>*उस दिन आपकी साइकिल से मैं टकराते-टकराते बची थी। ....याद है न? मैं वही गिलहरी हूँ। हम सब गिलहरियाँ अलग-अलग होती हैं। जैसे आप अलग-अलग होते हो। उस दिन आपने ब्रेक न लगाए होते तो मुझे चोट लग जाती। मैं सड़क पार कर रही थी। बीच सड़क पहुँची तो देखा आपकी साइकिल आ रही है तेज। मुझे लगा कि मैं सड़क पार नहीं कर सकूँगी और लौट पड़ी। हम गिलहरियाँ अकसर बीच से लौटते हुए ही टक्कर खाती हैं। हमें कुत्ते से, बिल्ली से, बड़े पक्षियों से, कितनी चीजों से डर लगा रहता है। इसलिए हम तेज दौड़ती फिरती हैं। आप इतना तेज क्यों चलते हो?*<br><br>***चौंक वाली गिलहरियों में से एक*** | |

## यह भी करें –

1. पशु-पक्षियों की सुरक्षा के लिए आपको नियम बनाने पड़ें तो आप कौन-कौनसे नियम बनाना चाहेंगे ? लिखकर दोस्तों के साथ चर्चा करें।
2. विद्यालय जाते समय आपने देखा कि एक मोटरसाइकिल चालक कुत्ते के पिल्ले को टक्कर मारकर चला गया। पिल्ला दर्द से परेशान है और आपको विद्यालय पहुँचने में देरी हो रही है। ऐसी स्थिति में आप क्या करेंगे ?

## भाषा की बात –

**( कर्ता, क्रिया और कर्म ) –**

उदाहरण – कार्तिक ने किताब पढ़ी।

कर्ता – जो कार्य करता है उसे कर्ता कहते हैं। कार्तिक (क्योंकि वह कार्य कर रहा है।)

क्रिया – जो कार्य के होने या करने को दर्शाए उसे क्रिया कहते हैं। पढ़ी (क्योंकि यह कार्य हो रहा है।)

कर्म – जिस पर कार्य का प्रभाव पड़े उसे कर्म कहते हैं। किताब (क्योंकि इस पर कार्य का प्रभाव पड़ रहा है।)

**1. अब आप निम्नलिखित वाक्यों में से कर्ता, क्रिया और कर्म शब्दों को पहचानकर लिखो –**

| वाक्य | कर्ता | क्रिया | कर्म |
|---|---|---|---|
| बैल बाड़े में आराम कर रहा है। | | | |
| बंदरिया केले खा रही है। | | | |
| ऊँटनी रेगिस्तान में तेज दौड़ती है। | | | |
| राधा ने एक पत्र लिखा । | | | |
| रानी आम ला रही है। | | | |
| सुनिता एक पुस्तक पढ़ रही है। | | | |
| लड़के खो-खो खेल रहे हैं। | | | |
| देवेश साइकिल चला रहा है। | | | |

**2. यदि आप गिलहरी से बातचीत करना चाहें तो उससे क्या-क्या सवाल पूछेंगे? लिखिए।**

जैसे - प्रश्न 1 - गिलहरी आपका क्या नाम है?

प्रश्न 2 .....

प्रश्न 3 .....

प्रश्न 4 .....

प्रश्न 5 .....

प्रश्न 6 .....

प्रश्न 7 .....

प्रश्न 8 .....

## वर्ग पहेली -

**निर्देश :** नीचे दिए गए शब्दों को वर्ग पहेली में ढूँढ़कर गोला लगाओ। शब्दों को ऊपर, नीचे, दाएँ, बाएँ खोज सकते हैं।

बिस्तर, गिलहरी, धागा, सुतली, पेड़, बच्चे, लोरी, गुदड़ा, चिथड़ा, कोटर, करती, उसका

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बि | स्‍ | त | र | गि | ल | ह | री |
| धा | गा | सु | त | ली | पे | ड़ | प |
| ब | च्‍ | चे | लो | री | गु | द | ड़ा |
| चि | थ | ड़ा | को | ट | र | स | मा |
| न | क | र | ती | है | उ | स | का |

**शिक्षक निर्देश - व्याकरण प्रकरण की समझ विकसित करने हेतु शिक्षक विद्यार्थियों के साथ चर्चाकर आवश्यकतानुसार सहयोग करें।**

## अध्याय - 10

# बच्चों का पूछताछ केंद्र

A8X2R4

गाँव में आज बहुत धूम थी। बच्चे टोलियों में हँसते-खेलते एक ही दिशा में बढ़ रहे थे। वजह थी - बच्चों का पूछताछ केंद्र। इस पूछताछ केंद्र में बच्चों से संबंधित मनोरंजक, बालसुलभ, अटपटे एवं रोचक जवाब दिए जा रहे थे।

आज ही इसका उद्घाटन हुआ था और बच्चे अपने-अपने सवालों की पर्चियाँ लिए वहाँ पहुँच रहे थे। पूछताछ केंद्र में एक लड़की बैठी थी। उसके सामने एक अजीब-सी चमचमाती मशीन थी जिसमें झाँककर वह हर सवाल का जवाब निकाल रही थी।

अब देखो, बच्चों ने कैसे-कैसे सवाल पूछे और उन्हें कितने मजेदार जवाब मिले।

कृष्णा - बच्चों को पढ़ाई करना क्यों जरूरी है?

ताकि हम बड़े होकर समझदार बन सकें।

कृष्णा - ये समझदार कौन होता है?

नासमझ लोगों के अलावा बाकी लोग समझदार होते हैं।

कृष्णा - कुछ समझ में नहीं आया?

समझदार बनो! हटो और दूसरों को मौका दो।

चंपा - स्कूल में इतने विषय क्यों पढ़ाए जाते हैं?

ताकि जब कोई पूछे कि दो और दो कितने होते हैं तो हम सही जवाब दें - चार, ना कि बाईस।

भोला – मेरे दादाजी मुझे अपना चश्मा क्यों नहीं लगाने देते ?

क्योंकि उन्हें डर है कि चश्मा लगाने के बाद तुम उनके जितने होशियार बन जाओगे।

गंगा – हवा चलती है पर दिखाई क्यों नहीं देती ?

क्योंकि हवा छोटे-छोटे पारदर्शी कणों से बनी होती है जो आँखों से नहीं दिखते लेकिन जब वह पेड़ों को झुकाती या पत्तों को उड़ाती है तो हमें महसूस होती है।

हेमू – पेड़ सजीव हैं तो वे चलते, हँसते, बोलते क्यों नहीं ?

अरे, वे अपनी जड़ों में फँस गए हैं वरना तुम्हारे साथ लुका-छिपी खेलने आ जाते।

दूदा – चाँद कुछ दिन दिखता है, कुछ दिन कहाँ गायब हो जाता है ?

वह आराम करने जाता है। पूरे महीने चमकने का भी तो अंतराल चाहिए।

पन्ना – हवा के बादलों में पानी कहाँ भरा रहता है ?

बादल अपने बस्ते में पानी लेकर चलते हैं। बस्ते में जब ज्यादा पानी भर जाता है तो टप-टप बरसने लगते हैं।

चोगा – तारे दिन में कहाँ चले जाते हैं?

कहीं नहीं जाते। बस सूरज की चमक में छिपकर छुपन–छुपाई खेलते हैं।

धापू – सूरज शाम होते ही लाल होकर कहाँ डूब जाता है?

वह शर्माकर छिप जाता है क्योंकि दिनभर बिना छतरी लगाए जलता रहता है जिससे उसका मुँह साँवला हो जाता है।

मोरा – मम्मी मुझे साड़ी क्यों नहीं पहनने देती?

क्योंकि उन्हें डर है कि कहीं तुम इसे घसीटते हुए स्कूल ना पहुँच जाओ।

जोरावर – बच्चों को रोज नहाना जरूरी है क्या?

हाँ, वरना दोस्त दूर और मच्छर पास आ जाएँगे।

गुंदा – हमें अच्छा बनने के लिए हर कोई कहता रहता है, ये अच्छा क्या होता है?

अच्छा मतलब – दूसरों की मदद करना, झूठ न बोलना और बिना वजह टॉफियाँ छिपाकर न खाना।

मीरा – मिड–डे मील में आइसक्रीम क्यों नहीं दी जाती?

क्योंकि स्कूल चाहता है कि बच्चे पढ़ें, फिसलें नहीं।

हरिया – समुद्र का पानी खारा क्यों होता है?

क्योंकि मछलियाँ नमक डालकर उसमें तैरती हैं।

रूपा – अगर हम जोर से कूदें तो क्या धरती थोड़ी हिलती है?

हाँ, लेकिन इतनी बड़ी धरती को हिलाने के लिए तुम्हें हाथी के साथ कूदना पड़ेगा।

देवा – चिड़िया को बिजली के तारों पर करंट क्यों नहीं लगता?

क्योंकि वह सैंडल पहनकर नहीं बैठती, बस सीधे बैठती है।

बन्नी – मेरी परछाई कभी लंबी होती है, कभी छोटी, क्यों?

क्योंकि सूरज कभी ज्यादा, कभी कम कैमरा ज़ूम कर देता है।

कुंता – अगर पानी का कोई रंग नहीं है तो समुंदर नीला क्यों दिखता है?

क्योंकि आसमान से कुछ नीले रंग का पेंट उसमें गिर गया होगा।

केसर – हम हँसते क्यों हैं?

क्योंकि अगर नहीं हँसेंगे तो दुनिया कितनी बोरिंग हो जाएगी।

राजू – अगर सूरज आग का गोला है तो क्या उसे छूने पर हम जल जाएँगे?

अरे, छूने की बात तो छोडो, नजदीक पहुँचते ही तुम भाप बन सकते हो।

पीपली – चींटियाँ एक–दूसरे से क्यों टकराती रहती हैं?

अरे, वे ऐसे ही आपस में बातें करती हैं बिना मोबाइल के।

रूड़ा – बड़े लोग हमें क्यों डाँटते हैं?

ताकि जब हम बड़े हों तब हमें भी मजा आए दूसरों को डाँटने में।

फूलवती – बड़े ऐसा क्यों कहते हैं कि क्या बच्चों जैसी बातें कर रहे हो?

क्योंकि बच्चे मासूम बातें करते हैं और बड़े बस बड़ों वाली बातें करते हैं। वैसे अच्छा होगा कि यह सवाल तुम बड़े लोगों से ही पूछो।

इतना बोलते ही पूछताछ केंद्र की खिड़की बंद हो गई और आवाज आई– अब अगले छह दिन यह पूछताछ केंद्र बंद रहेगा। अब यह अगले रविवार को दोबारा खुलेगा।

बच्चे ठहाके लगाकर हँसने लगे और अपने–अपने घर की ओर चल दिए।

**–सुरेन्द्र प्रसाद सिंह**

# अभ्यास कार्य

## आओ बात करें –

1. यदि आपके विद्यालय में भी 'पूछताछ केंद्र' हो तो आप वहाँ कौन-कौनसे प्रश्न पूछना चाहेंगे?
2. क्या आप भी मजेदार जवाब देना पसंद करेंगे? कोई ऐसा सवाल बताइए जिसका उत्तर आप अनोखे अंदाज में देना चाहें।
3. कहानी में बच्चों ने अलग-अलग चीजों के बारे में जिज्ञासा दिखाई। आपके आसपास की किन-किन चीजों को देखकर आपके मन में जिज्ञासा होती है? आप उन्हें देखकर कौन-कौनसे मजेदार सवाल पूछेंगे?

## सोचो और लिखो–

### ( क ) विकल्पात्मक प्रश्न –

1. कहानी में बच्चों के पूछताछ केंद्र में कौन बैठा था?

   (क) एक लड़की (ख) एक लड़का

   (ग) एक रोबोट (घ) एक बूढ़ा व्यक्ति ( )

2. पूछताछ केंद्र दोबारा किस वार को खुलेगा?

   (क) सोमवार (ख) मंगलवार

   (ग) गुरुवार (घ) रविवार ( )

### ( ख ) मिलान करें –

| | |
|---|---|
| 1. हवा नहीं दिखती क्योंकि... | (क) आसमान का रंग मिला होता है। |
| 2. तारे दिन में नहीं दिखते क्योंकि... | (ख) हवा छोटे-छोटे पारदर्शी कणों से बनी होती है। |
| 3. समुद्र नीला होता है क्योंकि... | (ग) सूरज की रोशनी में छिप जाते हैं। |

### ( ग ) रिक्त स्थानों की पूर्ति करें –

1. बच्चों का ..... केंद्र आज ही खोला गया था।
2. सूरज को छूने जाएँगे तो हम ..... बन जाएँगे।
3. स्कूल में ..... इसलिए नहीं दी जाती ताकि बच्चे पढ़ें, फिसलें नहीं।

## रचनात्मक प्रश्न –

1. अगर आपको पूछताछ केंद्र में बैठने का मौका मिले तो बच्चों के कौन-कौनसे सवालों के मजेदार जवाब देंगे ? लिखिए।
2. 'जब मैंने पहना दादाजी का चश्मा' इस शीर्षक पर चार-पाँच वाक्यों की एक छोटी कहानी लिखकर कक्षा में सुनाइए।
3. 'चटपटे सवाल और अटपटे जवाब' विषय पर अपने मन से तीन-चार सवाल और उनके जवाब तैयार करें।

## भाषा की बात –

### ( क ) शब्दों को क्रम से लगाकर सही वाक्य बनाइए –

1. दिन में/ चले/ कहाँ / तारे /जाते हैं ?
2. हिलती/ क्या/ थोड़ी /धरती/ है ?

### ( ख ) विशेषता बताने वाले शब्द छाँटिए –

1. रंगीन चश्मा – .....
2. मीठा आम – .....
3. खारा पानी – .....
4. सुंदर मोर – .....
5. हरा पेड़ – .....
6. बड़ी परछाई – .....

### ( ग ) निम्नलिखित शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए –

1. रविवार – .....
2. मोबाइल – .....
3. सहायता – .....
4. पूछताछ – .....

(घ) 'बच्चे ठहाके लगाकर हँसने लगे' – इस वाक्य में विशेषण शब्द कौनसा है ?

(ङ) 'मछलियाँ नमक डालकर समुद्र में तैरती हैं' – इस वाक्य में संज्ञा और क्रिया शब्द पहचानें।

### ( च ) नीचे दिए गए शब्दों को अपनी भाषा में लिखिए –

1. मम्मी .....  2. बादल .....
3. समुद्र .....  4. वाष्प .....

## नीचे दिए गए संवाद को पूरा करें –

कल्पना कीजिए, एक रात आप जब छत पर गए तो चाँद आपको देखकर मुस्कुराकर आपसे बातें करने लगा। चाँद और आपके बीच क्या बातचीत हुई संवाद के रूप में लिखिए। जैसे–

मैं – (आसमान की ओर देखकर) ए चाँद! तुम रोज आ जाते हो लेकिन कभी पूरे तो कभी आधे क्यों दिखते हो?

चाँद – (हँसते हुए) अरे नहीं! मैं तो हमेशा पूरा ही रहता हूँ। बस धरती जब मुझे अपनी परछाई से ढकती है तो तुम मुझे आधा या कम देख पाते हो। इसे 'चंद्र कलाएँ' कहते हैं।

मैं – .....

चाँद – .....

मैं – .....

चाँद – .....

मैं – .....

चाँद – .....

मैं – .....

चाँद – .....

मैं – .....

चाँद – .....

मैं – (आँखें बंद करते हुए) ठीक है चंदा मामा, शुभ रात्रि!

चाँद – शुभ रात्रि, मेरे नन्हें दोस्त!

## यह भी करें –

1. अपने आपको पत्रकार मानते हुए साथियों से सवाल पूछें।

अध्याय - 11

# सुनेली का कुआँ

E2V3Y3

राजस्थान और गुजरात की सीमा पर बसा एक छोटा-सा गाँव था 'नरसी की ढाणी'। राजस्थान के और गाँवों की तरह यहाँ भी पानी की बहुत कमी थी। गाँव की बहू-बेटियाँ सिर पर घड़े रखकर दूर-दूर से पानी लाती थी। इसी गाँव की एक बींदणी थी-सुनेली। घर का सारा कामकाज और दूर से पानी भरकर लाना, शाम तक सुनेली थककर चूर हो जाती थी। पानी लाने की परेशानी से बचने के लिए गाँव का एक परिवार 'बंजारे के कुएँ' पर जाकर रहने लगा। सुनेली चाहती थी कि उसका परिवार भी किसी कुएँ के पास जाकर डेरा जमाए। परिवार के लोग अपने पुरखों की ढाणी छोड़कर कहीं जाना नहीं चाहते थे। बेचारी सुनेली मन मारकर रह जाती थी।

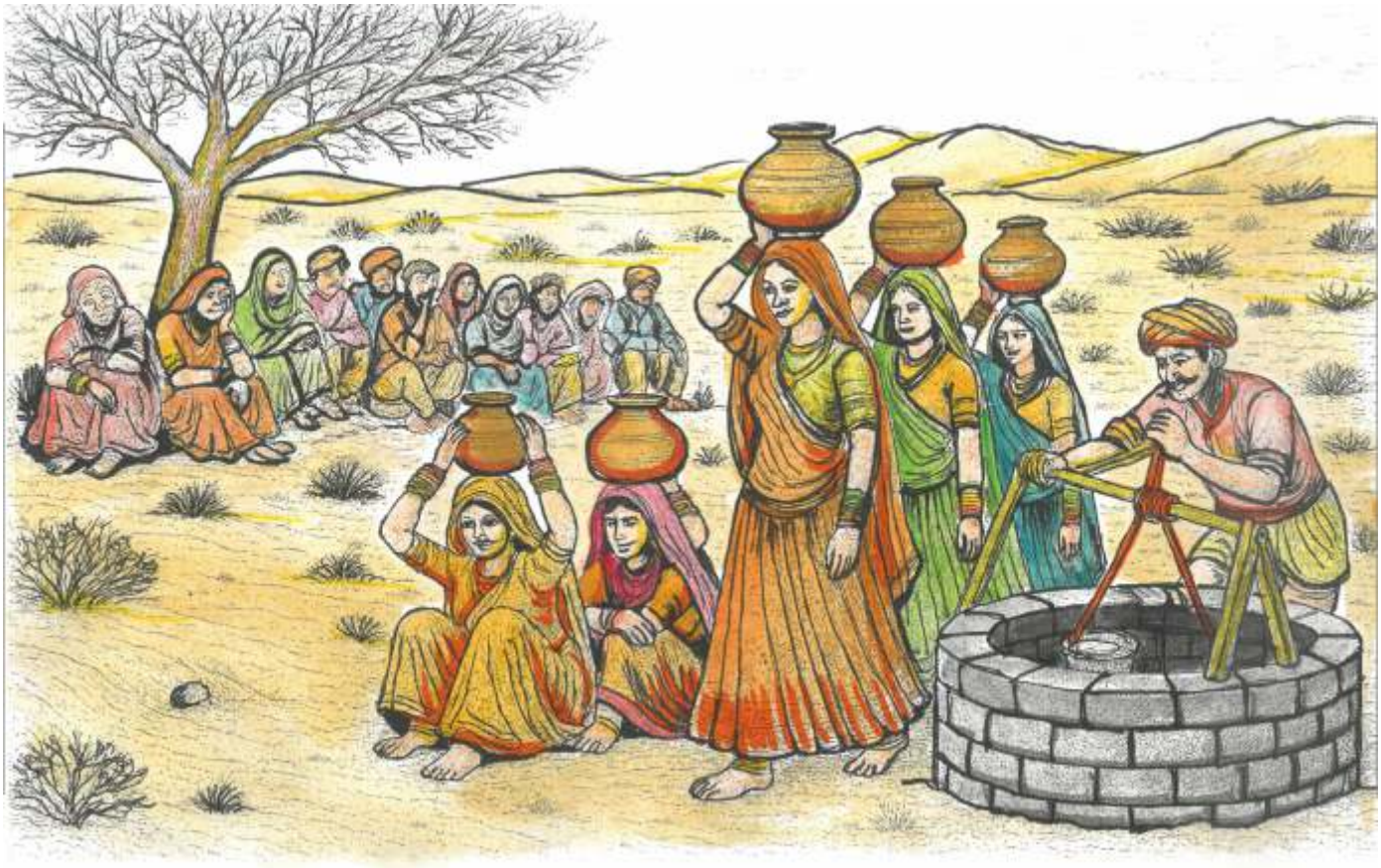

एक दिन की बात है सिर पर पानी का घड़ा उठाए मन में कुछ गुनती-विचारती अनमनी-सी सुनेली ढाणी की ओर लौट रही थी। खेजड़े के पेड़ के नीचे साँस लेने रुकी तो उसकी नजर जड़ पर पड़ी। वहाँ उसे गीली-मिट्टी दिखाई दी।

''ऊँह, ये उँदरे भी सब जगह बिल खोद डाल देते हैं'' उसने सोचा और आगे बढ़ चली। अचानक उसके मन में आया कि बिल से खुदी मिट्टी तो गीली है। जरूर यहाँ पानी होना चाहिए। अगर यहाँ कुआँ खोद लें तो दूर से पानी लेने नहीं जाना पड़ेगा। उसके पैरों को मानो पंख लग गए। जल्दी से घर पहुँचकर उसने अपने बेटों से कहा, ''अपने फावड़े उठा लो। गाँव के खेजड़े के पेड़ के पास हम कुआँ खोदेंगे।''

तीनों बेटे और उनका पिता सुनेली की बात सुनकर हँसने लगे। ''उँदरों का बिल बनाना कौनसी नई बात है। पर यहाँ पानी कहाँ!'' उसके पति ने उसे समझाया पर सुनेली न मानी। ''ना आओ तुम मेरे साथ। मैं अकेली ही कुआँ खोद लूँगी'' उसने कहा और फावड़ा उठाकर चल दी खेजड़े के पेड़ की ओर। बहुत देर तक जब सुनेली न लौटी तो बूढ़े ठाकुर ने बेटों से उसके बारे में पूछा। वे तीनों हँसते हुए बोले–माँ तो फावड़ा लेकर कुआँ खोदने गई है। ठाकुर ने बड़े बेटे को सुनेली को देखने भेजा। बेटा खेजड़े के पेड़ के पास पहुँचा तो देखता ही रह गया। उसकी माँ फावड़े से खुदाई कर रही थी। पास ही बहुत–सी ताजी मिट्टी पड़ी थी। उसने माँ के हाथों से फावड़ा लेकर खोदना शुरू किया। ऊपर की थोड़ी–सी रेत के नीचे नरम मिट्टी निकल रही थी। बेटा पूरे उत्साह से खोदने में लग गया। थोड़ा सुस्ताने के बाद सुनेली ने कहा, ''बेटा मैं विश्वास के साथ कहती हूँ कि यहाँ नीचे पानी है। सब मिलकर अगर खोदेंगे तो जल्दी ही कुआँ बन सकता है पर अगर कोई नहीं भी खोदता है तो भी मैं यहाँ खुदाई करती रहूँगी। अब तो मैं अपने कुएँ का पानी पीकर ही मरूँगी। तू खुदाई कर। मैं तेरे लिए रोटी लेकर आती हूँ।''

बेटा जोश में खुदाई करता रहा। सुनेली जब रोटी लेकर आई तो उसने देखा कि जवान बेटे ने अच्छी खासी खुदाई कर दी है। बेटा छाया में बैठकर रोटी खाने लगा तो सुनेली खुद फावड़ा लेकर खुदाई में जुट गई। साँझ को जब माँ-बेटे घर लौट रहे थे तो ढाणी के लोगों ने उनका मजाक उड़ाया। दोनों चुपचाप घर को लौट आए। मन ही मन वे दोनों बहुत खुश थे।

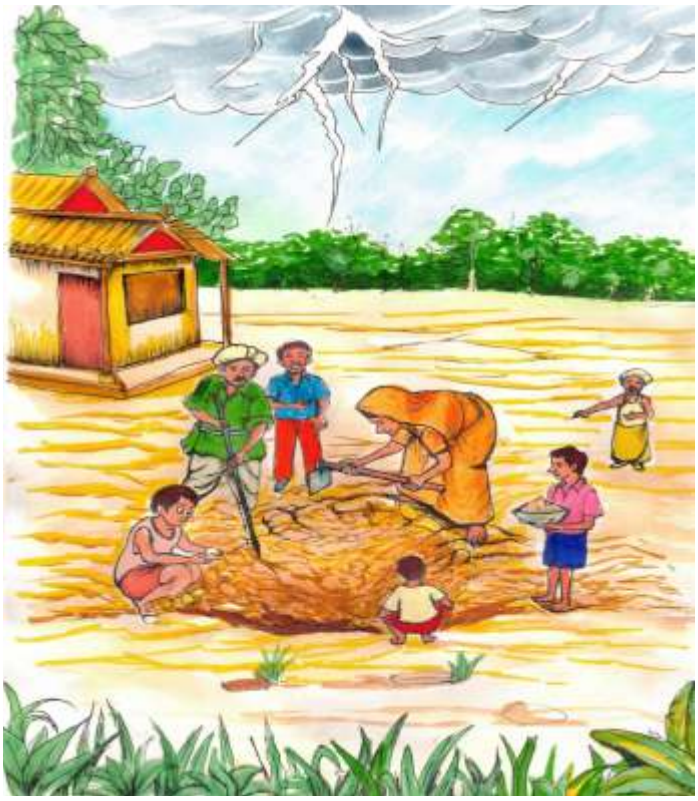

सुबह-सवेरे छोटा बेटा सोकर उठा तो उसे घर में माँ नहीं दिखाई दी। घड़ा भी अपनी जगह नहीं था। पास में सोते हुए भाई को उठाकर उसने कहा, ''भाई सा, माँ शायद ठीक कहती हैं। खेजड़ा इसलिए हरा-भरा रहता है कि उसके नीचे जमीन में पानी है। चलो, हम भी माँ के काम में हाथ बँटाएँ।'' बड़ा भाई थोड़ी देर बैठा सोचता रहा फिर बोला, ''तू ठीक कहता है। चल हम चलकर माँ का हाथ बँटाएँ।''

खेजड़े के पास पहुँचकर दोनों माँ के खोदे गड्ढे में उतर गए। माँ के हाथ से फावड़ा लेकर दोनों ने खुदाई शुरू कर दी। तब तक सुनेली का पति भी वहाँ आ पहुँचा। पति और बेटों को देखकर सुनेली फूली न समाई। उसे विश्वास हो गया कि अब खेजड़े के पास कुआँ जरूर खुदेगा। दोपहर तक पूरा परिवार कुआँ खोदता रहा। राजस्थान का मौसम! अचानक आँधी आ गई। खोदे गए गड्ढे में रेत भर गई।

ढाणीवालों ने सुनेली और उसके परिवार का खूब मजाक उड़ाया। दोनों बेटे उदास हो गए। सुनेली ने उनके माथे पर हाथ फेरते हुए कहा, ''अब हम दिन में आराम करेंगे और रात को चंदा की चाँदनी में खुदाई करेंगे। तुम खुदाई करो और मैं मिट्टी फेंकती जाऊँगी।''

काम फिर आगे बढ़ा। उनकी लगन और विश्वास को देखकर ढाणी वाले भी उनकी मदद के लिए आ गए। क्या छोटा, क्या बड़ा! सभी काम में जुट गए। अब सफलता पास ही दिखाई दे रही थी। जैसे-जैसे गड्ढ़ा गहरा होता गया मिट्टी ऊपर लाना मुश्किल होने लगा। सुनेली ने तरकीब लगाई। बोली, ''जैसे कुएँ से पानी निकालने के लिए गरारी लगाते हैं वैसी गरारी यहाँ भी लगा लो। उससे मिट्टी ऊपर खींचना आसान हो जाएगा।''

अब जैसे ही मिट्टी ऊपर आती बच्चे उसे फेंक आते।

जल्दी ही कुएँ में गीली मिट्टी निकल आई। गाँव में बताशे बँटे। लड़के तो खुशी से नाचने ही लगे। अब खुदाई और जल्दी-जल्दी होने लगी। एक के बाद दूसरा सोता फूटता गया और सबके देखते-देखते पानी बारह हाथ ऊपर चढ़ गया। कुएँ से शीतल, मीठा पानी निकला चारों ओर सुनेली की समझदारी और लगन की तारीफ हो रही थी। खुद उसका मन कर रहा था कि वह पानी में खूब-खूब नहाए।

अपनी जय-जयकार सुनकर उसकी आँखें भर आईं। वह बोली, ''भाई लोगों, अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता। अगर आप मेरे साथ नहीं आते तो मैं अकेली भला क्या कर पाती?''

गाँव के सबसे बूढ़े व्यक्ति ने कहा, ''या तो थारी हिम्मत है, बींदणी सा। उँदरे तो बिल खोदते ही हैं। खेजड़े भी राजस्थान में उगते ही हैं। पर अपने अस्सी बरस के जीवन में मैंने किसी को ऐसा सोचते नहीं देखा।''

सुनेली के खोदे कुएँ में पानी कभी खत्म नहीं होता और लोग आज भी उसे सुनेली का कुआँ कहते हैं।

**- विजयदान देथा**

# अभ्यास कार्य

## आओ बात करें–

1. आप घर में अपने से बड़े लोगों से बातचीत करके कुआँ खोदने के बारे में जानिए।
2. सुनेली को कई बाधाओं के बाद लोगों का साथ मिला। इस तरह के कोई अनुभव बताइए जिसमें शुरुआत अकेले से की हो और बाद में लोगों का साथ मिला हो।
3. सुनेली को कैसे पता लगा होगा कि खेजड़ी के पेड़ के पास पानी है?
4. ढाणी के लोगों ने सुनेली का मजाक उड़ाया। आपके आसपास भी लोग इस तरह से किसी की मजाक उड़ाते होंगे। ऐसा किन–किन बातों को लेकर किया जाता है?
5. लोगों के मजाक उड़ाने के बाद भी दोनों खुश थे? उनकी खुशी के पीछे क्या कारण रहे होंगे?

## सोचो और लिखो–

### ( क ) प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए –

1. पानी लाने की परेशानी से बचने के लिए गाँव का एक परिवार किस कुएँ पर जाकर रहने लगा?

   (अ) सुनेली के कुएँ पर (ब) बंजारे के कुएँ पर

   (स) बींदणी के कुएँ पर (द) सरपंच के कुएँ पर ( )

2. सुनेली ने कुआँ खोदने के लिए किस पेड़ के पास खुदाई की?

   (अ) नीम (ब) पीपल

   (स) खेजड़ी (द) सागवान ( )

### ( ख ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. ढाणी वालों ने सुनेली और उसके परिवार का खूब ..... उड़ाया।
2. परिवार के लोग अपने ..... की ढाणी छोड़कर कहीं जाना नहीं चाहते थे।
3. उँदरों का ..... बनाना कौनसी नई बात है।

### ( ग ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. सुनेली ने कुआँ खोदने के बारे में क्यों सोचा?
2. कुआँ खोदने के लिए सुनेली ने किन–किन साधनों का उपयोग किया?
3. सुनेली के परिवार के लोग शुरुआत में उसका मजाक क्यों उड़ा रहे थे?
4. गाँव वालों का व्यवहार कहानी की शुरुआत और अंत में कैसा था?
5. खेजड़े का पेड़ हरा–भरा क्यों था?

## पाठ से आगे –

1. अगर सुनेली खुदाई करने की जिद न करती तो क्या होता?
2. गाँव वालों ने खुदाई में मदद करना क्यों शुरू किया?
3. आँधी आने पर उससे बचाव के लिए क्या-क्या कर सकते हैं?
4. अगर आपको अपने गाँव में पानी की समस्या हल करनी हो तो आप क्या करेंगे?
5. अगर आप सुनेली की जगह होते तो कुआँ खोदने के लिए और क्या उपाय कर सकते थे?

## भाषा की बात –

**(क) कहानी में आए इन मुहावरों से नए वाक्य बनाइए और अपने दोस्तों को इनका अर्थ बताइए।**

1. अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता –
2. फूला न समाना –
3. हाथ बँटाना –
4. पैरों को पंख लगना –

**(ख) नीचे दिए गए शब्दों के समान अर्थ वाले शब्द खोजकर लिखिए।**

1. हिम्मत .....
2. विश्वास .....

## रचनात्मक गतिविधियाँ –

1. इस कहानी पर एक नाटक तैयार कीजिए और कक्षा में प्रस्तुत कीजिए।
2. पत्र लेखन – गाँववालों में से किसी एक व्यक्ति के रूप में सुनेली को एक धन्यवाद पत्र लिखें।
3. 'पानी के सही उपयोग और पानी बचाना' विषय पर एक पोस्टर तैयार कीजिए।

## अनुभव आधारित अभ्यास –

(व्यक्तिगत अनुभव साझा करना)

1. क्या आपने कभी कोई ऐसा काम किया है जिसमें पहले लोगों ने आपका मजाक उड़ाया लेकिन बाद में आपकी तारीफ की? अपना अनुभव लिखिए।
2. आपके घर या समुदाय में पानी बचाने के लिए क्या-क्या उपाय किए जाते हैं?

## अध्याय - 12

# इसलिए गिरती हैं पत्तियाँ

B7D9G6

पुरानी बात है। धरती पर पहला पौधा उगा। वह बड़ा होने लगा लेकिन यह क्या! उस पेड़ पर न टहनियाँ थी न पत्तियाँ, फूल और फल कहाँ से उगते। कई साल यूँ ही बीत गए फिर एक दिन हवा चली। बादल आए। बिजली कड़की। खूब बारिश हुई फिर धूप खिली। पेड़ में बदलाव आया। सीधे-सपाट पेड़ में टहनियाँ फूटी। कोंपलें आई। कलियाँ खिली। फूल आए। सैकड़ों पत्तियाँ उगी। फल आए। पेड़ की शाखाएँ झूमने लगी।

एक दिन की बात है। तना बोला - ''पेड़ पर फूल बहुत आ गए हैं।'' नन्ही टहनी हिली। कहने लगी - ''हाँ। फूलों के कारण सैकड़ों कीट-पतंगे भी आ गए हैं।'' फल पकने लगे थे। एक फल बोला- ''सैकड़ों मधुमक्खियाँ और तितलियाँ भी आई हैं।'' हरी पत्तियाँ नाचने लगी। एक पत्ती ने कहा-''देखो, फलों से डालियाँ लद गई हैं।''

सबकी बातें सुनने के बाद तना बोला ''इस पेड़ पर छोटे-बड़े पक्षियों ने अपने घोंसले भी तो बना लिए हैं। बड़ा अच्छा लग रहा है लेकिन...'' यह कहकर तना उदास हो गया। फल ने कहा, ''यह तो खुशी की बात है। उदास क्यों होते हो?'' पेड़ का तना बोला- ''आप सब पक चुके हो। पक्षी तुम्हें खा रहे हैं। फिर एक दिन आप सब मुझसे अलग होकर धरती पर बिखर जाओगे।'' टहनी बोली- ''तो क्या हुआ। कलियाँ भी तो फूल बनी हैं। फूलों से ही तो फल बने हैं। अब फलों को पककर गिरना ही तो है।''

पेड़ लंबी साँस लेते हुए आसमान की ओर देखने लगा। फल ने पूछा- ''अब क्या सोच रहे हो?'' पेड़ ने

जवाब दिया- ''मैं खुश हूँ। पके हुए फलों से बीज निकलेंगे। वह गिरकर धरती में फैल जाएँगे। फिर उनमें भी अंकुर फूटेंगे। नन्हे पौधों के भीतर से ही मेरे जैसे अनेक पेड़ बनेंगे। धरती में हरियाली आएगी।'' फल ने चौंकते हुए कहा- ''यह तो खुशी की बात है।'' पेड़ सोच में पड़ गया। धीरे से बोला- ''गर्मी आ चुकी है। यह भी चली जाएगी। फिर वर्षा ऋतु और फिर शरद ऋतु आएगी। तब पहले पत्तियाँ रंग बदलने लगेंगी।'' एक पत्ती ने अपने भीतर झाँका। वह बोली- ''अच्छा! अभी तो मैं हरी हूँ। तब मेरा रंग कैसा हो जाएगा?''

पेड़ ने बताया- ''सुनहरा, नीला, बैंगनी, लाल या भूरा भी हो सकता है।'' फल ने कहा- ''पत्तियों का रंग बदलेगा! फिर तो बड़ा मजा आएगा।'' एक छोटी डाल बोली- ''लेकिन पेड़ के उदास होने का कारण क्या है?'' पेड़ कहता ही जा रहा था- ''अभी गर्मी, फिर वर्षा, फिर जाड़ा और जाड़े के बाद पतझड़।'' सब चौंक पड़े। एक टहनी ने पूछा-''पतझड़?'' पेड़ ने जवाब दिया-''हाँ, पतझड़। यानी पत्तियों का झड़ना। पहले पत्तियों का रंग बदलेगा फिर पत्तियाँ झड़ने लगेंगी। उसे पतझड़ कहा जाएगा।'' झूम रही टहनियाँ थम गई। पत्तियाँ काँपने लगी। फलों का रंग फीका पड़ गया। एक बड़ी डाल की आँखें भर आई। उसने पूछा- ''पतझड़ भला आएगा ही क्यों?'' पेड़ ने जवाब दिया- ''ताकि मैं जिंदा रह सकूँ।'' काँपती हुई पत्ती ने पूछा- ''पतझड़ आएगा तो ही आप जिंदा रहोगे?'' टहनियाँ धीरे से हिली तो पेड़ ने कहा- ''हाँ। पतझड़ मेरे लिए जरूरी है। गर्मियों के बाद दिन छोटे होने लगते हैं। मुझे मिलने वाली सूरज की रोशनी का समय कम होने लगता है। तब मेरे लिए भोजन और पानी की कमी हो सकती है। पतझड़ मेरी मदद करेगा। वह मेरे भोजन और पानी की कमी को पूरा करेगा।

टहनी ने पूछा- ''कैसे?'' पेड़ ने जवाब दिया- ''तब मैं अपनी ही पत्तियों से उनका पोषक तत्व खींच लूँगा। ऐसा करने से वह कमजोर होती चली जाएँगी। वे पानी को वाष्प में भी नहीं बदल सकेंगी फिर हवा के एक हलके झोंके से गिर जाएँगी। इस तरह मेरी ही पत्तियाँ मुझसे अलग हो जाएँगी।'' यह कहकर पेड़ चुप हो गया। एक पत्ती ने खामोशी तोड़ते हुए पूछा-''हम सब गिर जाएँगी! तो क्या हमारे बिना रह लोगे?'' पेड़ ने जवाब दिया- ''यह मेरे लिए बहुत कठिन होगा।'' एक पत्ती ने धीरे से पूछा- ''क्या हम एक पल में गिर जाएँगी?'' पेड़ ने पत्ती से कहा-''नहीं, पहले धीरे-धीरे तुम्हारा रंग बदलेगा। उसके बाद तुम्हारे डंठल का रंग बदलेगा। फिर तुम्हारा डंठल कमजोर हो जाएगा। फिर तुम टूटकर मुझसे अलग हो जाओगी, फिर... और फिर...।'' यह कहकर पेड़ चुप हो गया।

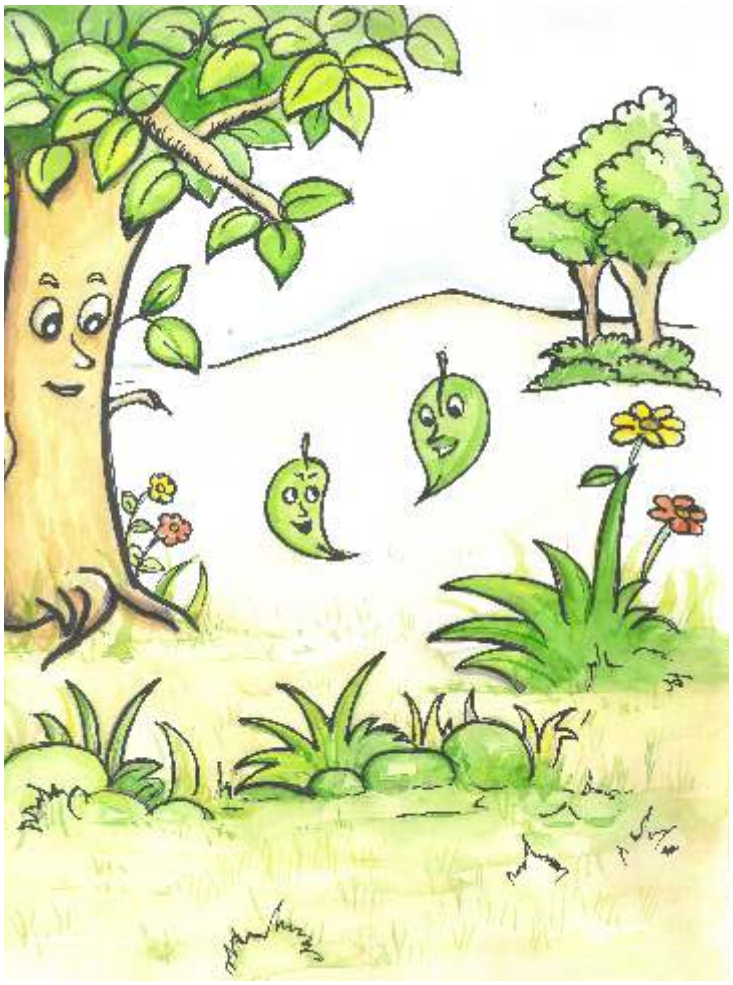

नन्ही पत्ती ने पूछा- ''चुप क्यों हो गए? फिर, क्या होगा?'' पेड़ बोला- ''फिर, फिर मैं अकेला ही रह जाऊँगा। मेरी टहनियाँ वीरान हो जाएँगी। नई कोंपले फूटने में समय तो लगेगा। कोंपलों से फिर नई पत्तियाँ उगेंगी।'' यह सुनते ही काँप रहीं पत्तियाँ खुशी से झूमने लगी।

एक पत्ती पेड़ से बोली- ''ओह! तो यह बात है। लेकिन मैं तो यह जानकर खुश हूँ। मेरी जगह नई पत्ती तो आ ही जाएगी।''

दूसरी पत्ती ने कहा- ''और नहीं तो क्या। मैं भी खुश हूँ कि टहनी का साथ छोड़ने से पहले मेरा रंग बदलेगा। वह भी धीरे-धीरे। वाह! बहुत मजा आएगा।''

तीसरी पत्ती बोली- ''मैं भी तैयार हूँ। धरती को हरा-भरा करने के लिए मुझे गिरना पसंद होगा। पेड़ पर बार-बार पत्तियाँ उगेंगी। बार-बार वसंत आएगा। टहनियों पर फूल भी तो बार-बार आएँगे। फल पकेंगे। फलों में बीज होंगे।''

टहनी की एक पत्ती बोली- ''नई पत्ती के लिए गिरना मुझे भी पसंद होगा।'' एक और पत्ती ने कहा- ''मुझे भी।'' अब सब पत्तियाँ एक साथ बोलीं- ''हमें भी।''

कहते हैं तभी से पेड़ की सेहत के लिए पत्तियाँ पतझड़ में गिर जाती हैं। फिर टहनियों पर कोंपलें फूटती हैं। फिर नई पत्तियाँ आती हैं। एक पेड़ से हर साल सैकड़ों बीज गिरते हैं। उन बीजों से नई पौध बनती है। यही पौधे बड़े होकर पेड़ बनते हैं। इस तरह धरती का हरा-भरा बनना आज भी जारी है।

**- मनोहर चमोली**

# अभ्यास कार्य

## आओं बात करें –

1. पत्तियों को जब पता चला कि वे गिर जाएँगी तो उन्होंने क्या कहा ?
2. गर्मी के बाद कौन-कौनसे मौसम आते हैं और इनसे पेड़ पर क्या असर पड़ता है ?
3. सोचो, यदि पेड़ पर कभी पतझड़ न आए तो क्या होगा ?
4. अगर आप पेड़ होते तो सबसे ज्यादा किस मौसम को पसंद करते और क्यों ?

## सोचो और लिखो–

### ( क ) प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए –

1. पेड़ की पत्तियाँ किस समय गिर जाती हैं ?

   (अ) वसंत में (ब) शरद में (स) पतझड़ में (द) वर्षा में ( )

2. ''तुम सब पक चुके हो। पक्षी तुम्हें खा रहे हैं। फिर एक दिन तुम सब मुझसे अलग होकर धरती पर बिखर जाओगे।'' यह किसने कहा ?

   (अ) फल ने (ब) फूल ने (स) टहनी ने (द) तने ने ( )

### ( ख ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. इस पेड़ पर छोटे-बड़े पक्षियों ने अपने ..... भी तो बना लिए हैं।
2. तब मैं अपनी ही पत्तियों से उनका ..... खींच लूँगा।
3. सैकड़ों मधुमक्खियाँ और ..... भी आई हैं।

## पढ़ो और जानो –

### ( क ) नीचे कुछ पंक्तियाँ लिखी गई हैं, पाठ के अनुसार इन्हें क्रम से लिखें।

1. धरती को हरा-भरा करने के लिए मुझे गिरना पसंद होगा।
2. मैं भी खुश हूँ कि टहनी का साथ छोड़ने से पहले मेरा रंग बदलेगा।
3. हम सब गिर जाएँगी तो क्या हमारे बिना रह लोगे ?

4. नई पत्ती के लिए गिरना मुझे भी पसंद होगा।

(1) .....

(2).....

(3).....

(4).....

(ख) तना उदास क्यों हो गया?

.....

.....

.....

## भाषा की बात –

(क) पाठ में आए मानक शब्दों के समान अर्थ वाले स्थानीय शब्द लिखिए –

1. शरद –
2. पेड़ –
3. गर्मी –
4. अकेला –
5. भीतर –

(ख) विशेषता बताने वाले शब्द छाँटकर उनसे ऐसे ही उदाहरण बनाकर लिखें –

नन्ही टहनी .....

हरी पत्तियाँ .....

नई कोंपलें .....

छोटी डाल .....

## यह भी करें–

1. नीचे दी गई तालिका में ऋतुओं के नाम लिखे गए हैं? प्रत्येक ऋतु के बारे में दिए गए निर्देश के अनुसार लिखिए।

| | वसंत | गर्मी | बरसात | सर्दी |
|---|---|---|---|---|
| आपको क्या अच्छा लगता है | | | | |
| पेड़-पौधों पर क्या प्रभाव पड़ता है | | | | |

2. पेड़ हमारे लिए क्यों जरूरी हैं? हमें उनकी देखभाल कैसे करनी चाहिए?

.....

.....

.....

3. नीम और आम के पेड़ आपने देखे होंगे, दोनों के बीच में क्या अंतर होता है? लिखिए।

पहला अंतर - .....

दूसरा अंतर - .....

4. नीचे एक पोस्टर दिया गया है। इस पोस्टर को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

i. पोस्टर क्यों बनाया गया है?

ii. पोस्टर से आपको कौनसी नई जानकारी मिली?

iii. इसे पढ़ने के बाद आप क्या करेंगे ?

5. अलग-अलग पेड़ों की पत्तियों का संकलन करते हुए उनके आकार, रंग और उपयोग की जानकारी जुटाकर लिखिए।

| पेड़ का नाम | पत्ती का आकार | पत्ती का रंग | पत्ती का उपयोग |
|---|---|---|---|
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |

6. पेड़ पतझड़ के दौरान उदास होता है फिर भी उसका दृष्टिकोण सकारात्मक रहता है। आप जब उदास होते हैं तो क्या करते हैं ?

# आकलन - 3

## मौखिक अभिव्यक्ति

1. चित्र का वर्णन कीजिए और इसी तरह का अपना अनुभव साझा कीजिए -

## पढ़कर समझना -

1. नीचे दी गई कविता को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

कविता का नाम लिखो - .....

कल-कल बहती जाती नदियाँ, लहर-लहर लहराती नदियाँ।

घाट-घाट से बातें करती, सबकी खाली गागर भरती।

पानी हमें पिलाती नदियाँ, सबकी प्यास बुझाती नदियाँ।

सैर नाव से खूब कराती, दूर-दूर तक बहती जाती।

कभी नहीं सुस्ताती नदियाँ, चाँदी-सी चमकाती नदियाँ।

(क) नदियों का जल हमारे क्या-क्या काम आता है?

.....

.....

(ख) नदी के अलावा आपने पानी और कहाँ-कहाँ देखा है?

.....

.....

(ग) कविता में आए क्रिया शब्दों को छाँटो और मूल रूप में लिखो। जैसे-

बहती - बहना

.....

.....

.....३

## अब आपकी बारी-

(क.) नीचे दिए गए शब्दों को सही क्रम में लगाकर वाक्य बनाइए।

1. सूरज / चमक रहा है / आकाश में।
2. नदी / बह रही है / धीरे-धीरे।
3. हाथी / एक / बड़ा / जानवर है।
4. किताब / पढ़ / रही है / मीना।
5. खेतों में / काम कर रहे हैं / किसान।

(ख.) विशेषण पहचानों-

नीला आसमान बहुत सुंदर दिख रहा था। ठंडी हवा पेड़ों को हिला रही थी। बगीचे में रंग-बिरंगे फूल खिले थे। छोटे बच्चे पार्क में खेल रहे थे। उनकी मीठी हँसी गूँज रही थी। हरी घास पर कुछ पक्षी चहक रहे थे। तेज धूप के कारण कुछ लोग छायादार पेड़ के नीचे बैठे थे। पास की नदी का साफ पानी धीरे-धीरे बह रहा था। यह दृश्य बहुत सुंदर लग रहा था।

इस अनुच्छेद में आए विशेषण (विशेषता बताने वाले) शब्द छाँटकर नीचे लिखिए -

.....नीला..... ..... .....

..... ..... .....

..... ..... .....

(ग) सही विशेषण का चयन करके वाक्य पूरा करें।

1. ..... सूरज आसमान में चमक रहा था। (गर्म/ठंडा)
2. बगीचे में ..... तितलियाँ उड़ रही थी। (रंगीन/बेरंग)
3. नदी का पानी बहुत ..... था। (रंगीन/साफ)
4. बच्चे ..... मैदान में खेल रहे थे। (बड़े/उबड़-खाबड़)
5. कोयल की आवाज बहुत ..... लगती है। (कठोर/मधुर)

## आओ रचना करें -

1. दिए गए वाक्यांशों की सहायता से कहानी बनाकर लिखिए।

रीना बाजार गई, खरीदा, पर्स भूलना, ऑनलाइन पेमेंट, फोन गिर गया, दोस्त की मदद, एक अंकल की मदद की, धन्यवाद।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

## संवाद आगे बढ़ाइए -

**1.** छुट्टी लेने के लिए आप अपने शिक्षक से क्या बात करेंगे ? उस बातचीत को यहाँ लिखिए -

मैं - गुरुजी नमस्ते!

शिक्षक- .....

मैं - .....

शिक्षक- .....

मैं - .....

शिक्षक- .....

मैं - .....

2. **नीचे दी गई बातें प्रश्नों के उत्तर में कही गई हैं। क्या तुम बता सकते हो कि इनका प्रश्न क्या रहा होगा?**

| उत्तर | प्रश्न |
|---|---|
| मैं घर जा रही हूँ। | तुम कहाँ जा रही हो? |
| आज बुधवार है। | ..... |
| मेरे एक भाई और एक बहिन है। | ..... |
| हम बस से जयपुर जाएँगे। | ..... |
| मेरे पास तुम्हारी किताब नहीं है। | ..... |

## सोचो और लिखो–

1. गिलहरी अपना घर किस प्रकार बना रही थी?
2. पूछताछ केन्द्र पर आप भी होते तो क्या–क्या प्रश्न पूछते?
3. 'सुनेली का कुँआ' कहानी को अपने शब्दों में लिखो।
4. पत्तियाँ क्यो गिरती हैं?

## अध्याय - 13

# धरती राजस्थान की

I5P6T2

त्योहारों की, मनुहारों की, धरती राजस्थान है
बलिदानों की, जयगानों की, धरती राजस्थान है।

मरुधरा को हरा बनाते, अहा! खेजड़ी पेड़ जहाँ।
चिंकारा, गोडावण, कुरजां और रोहिड़ा फूल यहाँ।
अरावली पर्वतमाला है, थार का रेगिस्तान है
रंग-रंगीली, यह गर्वीली, धरती राजस्थान है
त्योहारों की, मनुहारों की, धरती राजस्थान है।

तीज सवारी निकल रही है, यहाँ गुलाबी नगरी में
चलो उदयपुर, चलो कि चोखो, रंग आवेलो गवरी में
गोरबंद, लांगुरिया, घूमर, पणिहारी के गान हैं
रसिया गाती, मांड सुनाती, धरती राजस्थान है
त्योहारों की, मनुहारों की, धरती राजस्थान है।

प्रण की खातिर, प्राण न्योछावर, करने वाले वीर यहाँ
देवी अमृता, पेड़ बचाती, शीश कटाकर सुनो जहाँ
मीरा की पावन भक्ति है, भामाशाह का दान है
पन्नाधाय के अमर त्याग की धरती राजस्थान है
त्योहारों की, मनुहारों की, धरती राजस्थान है।

# अभ्यास प्रश्न

## आओ बात करें –

1. राजस्थान को 'बलिदानों की भूमि' क्यों कहा जाता है?
2. राजस्थान के किन-किन त्योहारों का उल्लेख कविता में किया गया है? इन त्योहारों को किस तरह मनाया जाता है?
3. पन्नाधाय, अमृतादेवी और मीराबाई के जीवन संघर्ष, योगदान के बारे में चर्चा कीजिए।
4. 'धरती राजस्थान है' पंक्ति को ध्यान में रखते हुए दो और पंक्तियाँ तुकबंदी के साथ लिखिए।

## सोचो और लिखो–

### ( क ) प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए –

1. राजस्थान में पाई जाने वाली प्राचीन एवं प्रमुख पर्वतमाला कौनसी है?

   (क) अरावली (ख) विंध्याचल (ग) सतपुड़ा (घ) नीलगिरि

2. तीज की सवारी कहाँ की प्रसिद्ध है?

   (क) उदयपुर (ख) जयपुर (ग) सीकर (घ) बीकानेर

### ( ख ) मिलान करें –

| | |
|---|---|
| 1. गवरी | (क) जयपुर |
| 2. पन्नाधाय | (ख) लोकनृत्य |
| 3. खेजड़ी पेड़ | (ग) त्याग |
| 4. गुलाबी नगरी | (घ) पर्यावरण संरक्षण |

### ( ग ) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए –

1. राजस्थान में ..... पर्वतमाला स्थित है।
2. ..... ने शीश कटाकर वृक्षों की रक्षा की।
3. रसिया गाती ..... सुनाती धरती राजस्थान है।
4. मरुधरा को हरा बनाते, अहा! ..... पेड़ जहाँ।

## ( घ ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. पाठ मे राजस्थान के किन लोक नृत्यों की चर्चा की गई है ?
2. मीराबाई किसकी भक्ति करती थी ?
3. पाठ में किन-किन व्यक्तित्वों की चर्चा की गई है ?
4. रसिया और मांड गायन का संबंध राजस्थान के किन क्षेत्रों से हैं ?
5. चिंकारा, गोडावण और रोहिड़ा क्या हैं ?
6. कुरजां क्या है ?

## रचनात्मक प्रश्न -

1. यदि आपको राजस्थान की यात्रा करने का अवसर मिले तो आप कहाँ जाना चाहेंगे और क्यों ?
2. अपने शिक्षक एवं मित्र की सहायता से पर्यावरण संरक्षण में अमृता देवी के योगदान पर एक छोटी कहानी लिखें।
3. आपके आसपास गाए जाने वाले किसी लोकगीत को अपनी भाषा में सुनाइए।
4. अपने शिक्षक एवं परिजनों की सहायता से राजस्थान में प्रचलित लोकगीतों की सूची बनाइए।

## भाषा की बात -

1. **नीचे दिए गए उदाहरणों में से विशेषण शब्द छाँटिए** -

गुलाबी नगरी - .....

गर्वीली धरती - .....

रंगीलो राजस्थान - .....

नखराली घूमर - .....

गीत में आए तुकांत शब्दों को छाँटिए और मिलते-जुलते नवीन शब्द जोड़कर तुक मिलाइए।

जैसे- रेगिस्तान-राजस्थान .....

रंगीली-गर्वीली .....

नगरी-गवरी .....

2. **इस लोकगीत में आए वर्णन पर अपने मन से कोई चित्र बनाइए।**

## अनुभव से जुड़े अभ्यास –

1. आपने कौन-कौनसे त्योहार मनाए हैं? उनमें से कौनसा त्योहार आपको सबसे प्रिय है और क्यों?
2. पाठ में आपने राजस्थान की विशेषताओं के बारे में जो जाना है उसे अपने अनुभवों या सुनी हुई बातों के आधार पर लिखिए।

## भाव ग्रहण अभ्यास –

1. कविता राजस्थान की किन-किन विशेषताओं का वर्णन कर रही है?
2. राजस्थान के कौन-कौनसे वीरों और संतों का इस कविता में उल्लेख किया गया है?

## रचनात्मक अभ्यास –

1. इस कविता की पहली तीन पंक्तियों को गद्य रूप में लिखिए।
2. ''मीरा की पावन भक्ति है, भामाशाह का दान है'' पंक्ति का भाव स्पष्ट करते हुए एक अनुच्छेद लिखिए।
3. समूह में मिलकर राजस्थान के किसी एक त्योहार पर चार पंक्तियों की एक छोटी कविता बनाइए।

अध्याय – 14

# राजस्थान के गौरव

S7H7H2

## महाराणा कुंभा

राजस्थान की मेवाड़ रियासत में सन 1417 में महाराणा मोकल और रानी सौभाग्यवती के घर जन्मे महाराणा कुंभा सन 1433 से 1468 तक मेवाड़ के शासक रहे। इनका शासनकाल 'मेवाड़ का स्वर्णकाल' कहलाता है।

इन्होंने मालवा के महमूद खिलजी को पराजित कर अपनी विजय के उपलक्ष्य में चित्तौड़ दुर्ग में नौ मंजिला विजय स्तंभ बनवाया जिसे 'देवी देवताओं का अजायबघर' कहा जाता है। कवि श्यामलदास की पुस्तक 'वीर विनोद' के अनुसार राजस्थान के 84 किलों में से 32 किले इन्होंने ही बनवाए जिनमें कुंभलगढ़, अचलगढ़, बसंतगढ के किले प्रसिद्ध हैं। मंडन इनका प्रसिद्ध वास्तुकार था। कुंभलगढ़ के परकोटे की दीवार दुनिया की दूसरी सबसे चौड़ी, ऊँची और लंबी दीवार है जिस पर चार-चार घोड़े एकसाथ दौड़ सकते हैं। कुंभलगढ़ के ऊपर बना भीतरी दुर्ग कटारगढ़ कुंभा का निवास स्थान था जिसे 'मेवाड़ की आँख' कहा जाता है।

कुशल वीणा वादक कुंभा एक महान संगीतकार भी थे। उनकी वीणा का नाम 'वल्लकी' था। इन्होंने संगीत संबंधी अनेक ग्रंथ लिखे जिनमें 'संगीतराज' संगीतकला का प्रमुख ग्रंथ है। इनकी पुत्री रमाबाई भी वीणावादन में प्रवीण थी।

साहित्य के क्षेत्र में कुंभा द्वारा मेवाड़ी भाषा में लिखे गए नाटक भी महत्वपूर्ण हैं। मेवाड़ वंश के कुलदेवता पर आधारित 'एकलिंग माहात्म्य' इनका प्रसिद्ध नाटक है जिसमें भगवान शिव की महिमा बताई गई है।

राजस्थान में संगीत और साहित्य को बढ़ावा देने के कारण विद्वानों ने इन्हें 'अभिनव भरताचार्य' की उपाधि दी।

**रूणीचा रा धणी - बाबा रामदेव**

''हे रूणीचे रा धणियाँ, अजमाल जी रा कँवरा, माता मैणादे रा लाल, राणी नेतल रा भरतार, म्हारो हेलो सुणो नी रामा पीर जी....!''

इस गीत की धुन पर नाचते-गाते रामदेवरा जाते जातरु। भादो का पावन महीना। विशाल सफेद या पचरंगी ध्वजाओं से अटा आसमान। 'रुणेचा रा धणी' के जयकारों से गूँजता वातावरण और उमड़ता जनसैलाब। श्रद्धालुओं में हिंदू भी हैं और मुसलमान भी। यह सांप्रदायिक सौहार्द्र का सबसे बड़ा मेला है।

कहीं खुले मे तो कहीं मंच पर मंजीरे बाँधकर तेरहताली नृत्य करते लोक कलाकार। यात्री उन्हें देखने रुकते हैं और आगे बढ़ जाते हैं बाबा रामदेव के थान की ओर। बाबा रामदेव यहाँ के लोकदेवता हैं। श्रद्धालु यहाँ कपड़े के घोड़े चढ़ाते हैं और मनौती माँगते हैं।

राजस्थान के 'पंचपीरों' में शामिल प्रसिद्ध लोकदेवता और समाज सुधारक बाबा रामदेव का जन्म बाड़मेर के तँवर वंशीय अजमाल जी और मैणादे के यहाँ हुआ। हिंदू इन्हें कृष्ण के रूप में तथा मुसलमान इन्हें 'रामसापीर' के रूप में पूजते हैं।

इनके चमत्कार 'परचा' कहलाते हैं। इनके अनेक चमत्कारों की कहानियाँ जनमानस में प्रचलित हैं जैसे- भैरव नामक राक्षस का वध करके उसके आतंक से लोगों की रक्षा करना, मक्का से पीरों के बर्तन मँगवाना, रानी नेतलदे को परचा दिखाना इत्यादि।

बाबा रामदेव ने अपना पूरा जीवन गौरक्षा, लोककल्याण, सामाजिक समरसता में लगाया। छुआछूत,

ऊँच-नीच आदि भेदभावों को दूर कर पिछड़ों के उद्धार के लिए उन्होंने हमेशा संघर्ष किया। उन्होंने असाध्य रोगों से ग्रस्त रोगियों की सेवा की तथा विदेशी आक्रमणकारियों से भी लोहा लिया।

'रुणीचा रा धणी' बाबा रामदेव हमें भी समाज सेवा, सहयोग, समानता और समरसता का संदेश देते हैं।

**फड़ चित्रों का जादूगर - श्रीलाल जोशी**

रात का समय। गाँव की चौपाल पर सजा मंच। मंच के सामने उत्सुक दर्शक। मंच पर ही आर-पार दीवार की तरह लगा कपड़ा। कपड़े पर किसी कहानी का अहसास कराने वाले चित्र। चित्रित कथा को रावणहत्था या जंतर की धुन पर सुनाता भोपा और चित्रों को दीपक या लालटेन से दिखाती भोपिन।

यह है राजस्थान की प्रसिद्ध लोककला फड़ गायन की झलक। फड़ गायन का आधार फड़ चित्र होते हैं। फड़ चित्रण की अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाने वाले चितेरे हैं, श्रीलाल जोशी।

श्रीलाल जोशी का जन्म 05 मार्च, 1931 को भीलवाड़ा के शाहपुरा में हुआ। ये तेरह वर्ष से ही फड़ चित्रण से जुड़ गए। इन्होंने नवीन तकनीकों और प्रयोगों से फड़ चित्रण को लोकप्रिय बनाया।

इनके द्वारा चित्रित प्रसिद्ध फड़ चित्रों में देवनारायण महागाथा, हल्दीघाटी की लड़ाई, पद्मिनी का जौहर, रानी हाड़ी, ढोला मारू, रामायण, महाभारत आदि प्रमुख हैं।

फड़ चित्रण के विषय लोक देवता, पौराणिक व ऐतिहासिक पात्र होते हैं। फड़ कपड़े पर चित्रित एक कहानी होती है जिसके चित्रों में प्राकृतिक रंगों का प्रयोग किया जाता है।

श्रीलाल जोशी की प्रसिद्ध फड़ देवनारायण महागाथा पर भारत सरकार ने डाक टिकट जारी किया है। भारत सरकार द्वारा इन्हें कला के क्षेत्र में योगदान के लिए सन 2006 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

# अभ्यास कार्य

## आओ बात करें-

1. महाराणा कुंभा के जीवन के बारे में चर्चा करें।
2. राजस्थान के लोक देवताओं के बारे में अपने शिक्षक से चर्चा करें।
3. बाबा रामदेव को रामसापीर क्यों कहते हैं ?
4. श्री लाल जोशी के जीवन से आपको क्या प्रेरणा मिलती है ?

## सोचो और लिखो-

### ( क ) प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए -

1. महाराणा कुंभा ने किस दुर्ग में विजय स्तंभ बनवाया ?

   (अ) कुंभलगढ़ (ब) चित्तौड़गढ़ (स) अचलगढ़ (द) बसंतगढ़ ( )

2. बाबा रामदेव का जन्म कहाँ हुआ था ?

   (अ) जोधपुर (ब) जयपुर (स) बाड़मेर (द) उदयपुर ( )

### ( ख ) मिलान करो -

| | |
|---|---|
| महाराणा कुंभा | समाज सुधार और लोकदेवता |
| बाबा रामदेव | फड़ चित्रण कला |
| श्रीलाल जोशी | संगीत और वास्तुकला |

### ( ग ) रिक्त स्थान की पूर्ति करो-

1. बाबा रामदेव का मेला ..... माह में लगता है।
2. श्रीलाल जोशी का जन्म ..... जिले के शाहपुरा में हुआ था।
3. कुंभलगढ़ की दीवार इतनी चौड़ी है कि उस पर एक साथ ..... घोड़े दौड़ सकते हैं।

### ( घ ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

1. 'अभिनव भरताचार्य' की उपाधि किसे एवं क्यों दी गई ?
2. श्रीलाल जोशी की किस फड़ पर भारत सरकार ने डाक टिकट जारी किया ?
3. बाबा रामदेव ने अपना पूरा जीवन किन कार्यों में लगाया ?
4. महाराणा कुंभा नें विजय स्तंभ का निर्माण क्यों करवाया ?

### ( ङ) नीचे दिए गए शब्दों के बारे में लिखिए -

1. परचा - .....
2. वल्लकी - .....
3. रावणहत्था - .....
4. रुणीचा रा धणी- .....

## भाषा की बात -

(क) निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न लगाइए -

1. महाराणा कुम्भा एक महान शासक थे
2. बाबा रामदेव ने सामाजिक समरसता का संदेश दिया
3. श्रीलाल जोशी प्रसिद्ध फड़ चित्रकार थे क्या आपने उनका नाम सुना है

(ख) निम्नलिखित साधारण वाक्यों से आज्ञावाचक वाक्य बनाइए-

| | साधारण वाक्य | आज्ञावाचक वाक्य |
|---|---|---|
| 1. | आप अपनी पसंद की पुस्तक पढ़ रहे हो। | आप अपनी पसंद की पुस्तक पढ़ो। |
| 2. | आप सतोलिया खेल रहे हैं। | ..... |
| 3. | फड़ चित्रण देख रहे हैं। | ..... |

## रचनात्मक प्रश्न -

(क) पाठ में मंजीरे बाँधकर तेरहताली नृत्य करते लोक कलाकारों की चर्चा की गई है। आप भी आसपास के नृत्यों एवं वाद्ययंत्रों की जानकारी प्राप्त कर उनके बारे में लिखिए।

(ख) कल्पना करो कि आप एक फड़ चित्रकार हो। आप अपनी पहली पेंटिंग में क्या चित्रित करना चाहोगे और क्यों ?

## अध्याय - 15

# पूँछ किसकी है?

A4H1X4

नदी किनारे एक बरगद का पेड़ था। एक दिन एक छोटा-सा बंदर उस पेड़ की शाखाओं को पकड़कर झूल रहा था। तभी उसने तितलियों को मंडराते हुए देखा। उन्हें पकड़ने के लिए बंदर उन पर कूद पड़ा। तितलियाँ उसकी हरकत देखकर इधर-उधर उड़ गई। एक भी तितली उसके हाथ नहीं आई। बेचारा बंदर! पत्थरों के बीच जा गिरा।

अचानक उसने जमीन पर कुछ हिलते हुए देखा। बंदर ध्यान से देखने लगा। वह एक पूँछ थी। ''अरे! कहीं मेरी पूँछ तो नहीं कट गई?'' उसने अपनी पूँछ को छूकर देखा। वह अपनी जगह सुरक्षित थी। फिर यह किसकी पूँछ है! सोचते हुए बंदर चल पड़ा। तालाब में उसे एक मछली दिखाई दी।

बंदर - ''मछली रानी! इधर देखो। क्या यह तुम्हारी पूँछ है?''

मछली - ''यह मेरी पूँछ कैसे हो सकती है? पूँछ के बिना क्या मैं पानी में तैर सकती हूँ?''

कहकर मछली ने पानी में छलाँग लगाकर दिखाई। छोटा बंदर उलझन में पड़ गया। टुक ... टुक ... पास के पेड़ से आवाज आई। देखा तो पेड़ पर हुदहुद पक्षी।

बंदर - ''तुम्हारी पूँछ कहीं खो गई है क्या?''

हुदहुद - ''ना, यह रही मेरी पूँछ! पूँछ के बिना पेड़ पर बैठकर भला मैं चोंच कैसे मारूँगी?''

फिर यह किसकी पूँछ है? बंदर सोच ही रहा था कि

धम्म... पेड़ पर से एक गिलहरी कूदी।

बंदर – ''मेरे पास एक पूँछ है। देखो, यह तुम्हारी तो नहीं है?''

गिलहरी – ''यह रही मेरी सुंदर पूँछ! इसी के सहारे मैं पैराशूट की तरह ऊँचाई से नीचे कूदती हूँ।''

तड़ ... तड़ ... तड़ ... तभी किसी के भागने की आवाज आई। बंदर ने मुड़कर देखा तो एक खरगोश अपने बच्चों के साथ अपने बिल की ओर भाग रहा था।

बंदर – ''तुम इस तरह क्यों भाग रहे हो?''

खरगोश – ''पत्तों की सरसराहट सुनकर हम डर गए थे। सोचा कि सियार आ रहा है।''

बंदर – ''क्या यह तुम्हारी पूँछ है?''

खरगोश – ''ना, ना! यह मेरी पूँछ नहीं है। यह रही मेरी पूँछ।''

बंदर – ''यह क्या? तुम्हारी पूँछ में सफेद धब्बे हैं?''

खरगोश – ''जंगल में सियार, भेड़िये सब हमें ढूँढ़ते फिरते हैं। हमारा भूरा रंग शत्रु को आसानी से दिखाई नहीं देता। जब भी खतरा हो, मैं आगे-आगे पूँछ उठाकर भागता हूँ तब मेरे बच्चे मेरे पीछे सफेद रंग की पूँछ को देखते हुए भागते हैं।

ऐसी भी होती है पूँछ! छोटा बंदर हैरान रह गया। तभी बंदर को एक छिपकली दिखाई दी। उसकी पूँछ नहीं थी।

बंदर – ''तुम्हारी पूँछ खो गई है न। चिंता मत करो। यह रही

तुम्हारी पूँछ।''

छिपकली – ''यह पूँछ अब मुझे नहीं चाहिए।''

बंदर – ''क्या? पूँछ नहीं चाहिए। पूँछ के बिना मछली तैर नहीं सकती। हुदहुद पेड़ पर खड़ी नहीं हो सकती। गिलहरी कूद नहीं सकती। खरगोश अपने बच्चों को दुश्मन से बचा नहीं सकता। यही नही, पूँछ के बिना मैं भी पेड़ की शाखाओं पर झूल नहीं सकता।''

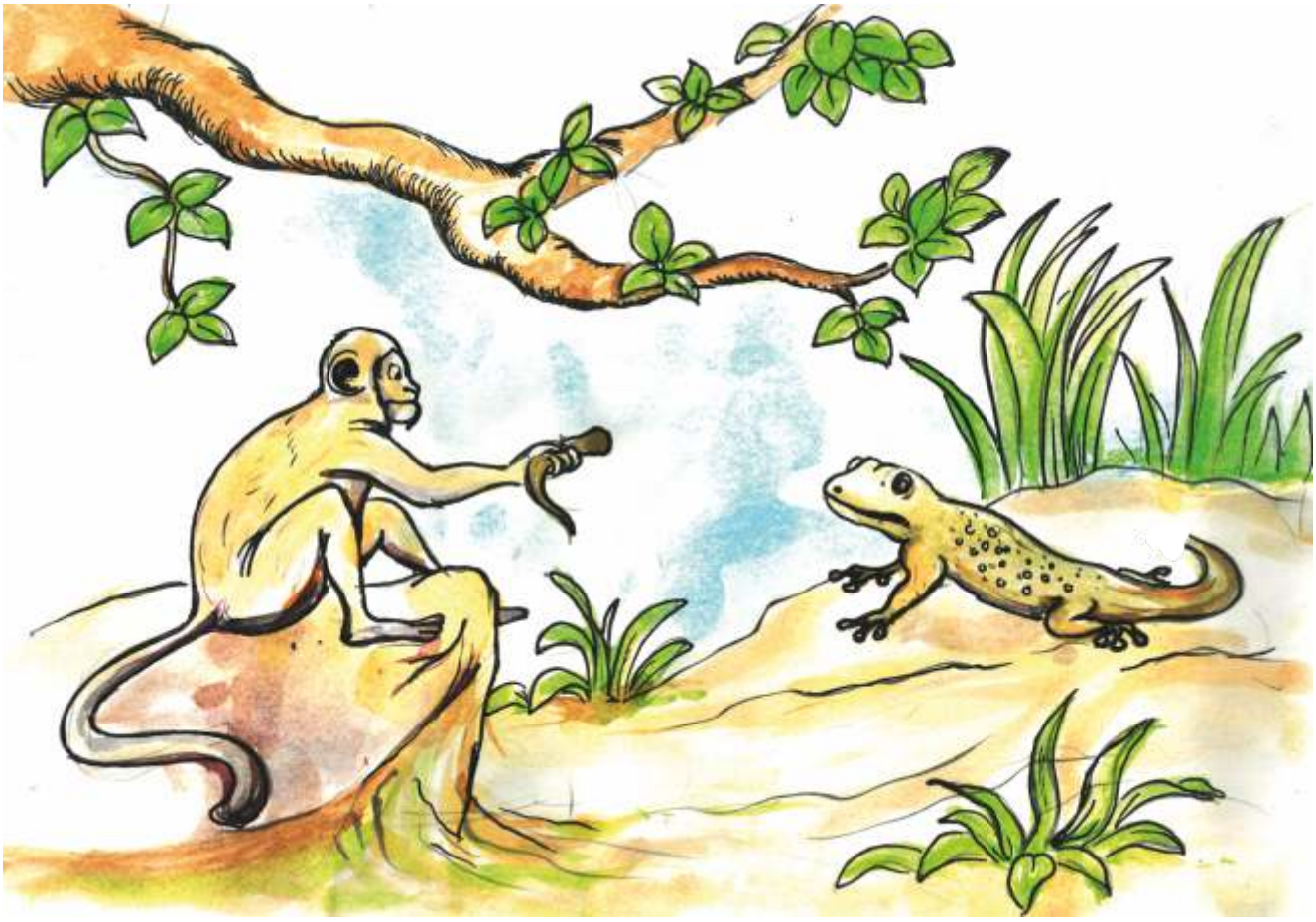

छिपकली – ''यह किसने कहा कि पूँछ की आवश्यकता नहीं है? कल मुझे एक साँप ने पकड़ लिया। पूँछ को छोड़कर मैं तो भाग निकली। बेचारा साँप धोखा खा गया। टूटी हुई पूँछ को तो मैं चिपका नहीं सकती न लेकिन तुम फिक्र मत करो। मेरी नई पूँछ अपने आप उग जाएगी।''

''अच्छा हुआ मेरी भाग-दौड़ खत्म हुई। जिसकी पूँछ वो ही जाने।'' कहकर बंदर ने चैन की साँस ली।

**– कथा झरना से साभार**

# अभ्यास कार्य

## आओ बात करें –

1. बंदर को पूँछ कहाँ और कैसे मिली ?
2. खरगोश ने बंदर को क्या जवाब दिया ?
3. अगर बंदर को पूँछ के बदले चोंच मिली होती तो वो किस-किस के पास जाता और उनसे क्या बातचीत करता ? बताइए।
4. इस कहानी को अपने शब्दों में सुनाइए।

## सोचो और लिखो–

### ( क ) प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–

1. बंदर किन्हें पकड़ने के लिए कूद पड़ा ?

   (अ) मधुमक्खियों को (ब) उल्लुओं को (स) तितलियों को (द) छिपकलियों को

2. बंदर ने किससे कटी पूँछ के बारे मे नहीं पूछा –

   (अ) हुदहुद से (ब) गिलहरी से (स) लोमड़ी से (द) खरगोश से

### ( ख ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. इसी के सहारे मैं ..... की तरह ऊँचाई से नीचे कूदती हूँ।
2. पूँछ के बिना ..... तैर नहीं सकती।
3. पत्तों की ..... सुनकर हम डर गए थे।

### ( ग ) सत्य कथन पर सही ( ✓ ) का एवं असत्य कथन पर गलत ( ✗ ) का निशान लगाएँ–

1. तालाब में बंदर को एक मगरमच्छ दिखाई दिया। ( )
2. पूँछ के बिना हुदहुद पेड़ पर खड़ी नहीं हो सकती। ( )
3. खरगोश की पूँछ पर काले धब्बे थे। ( )
4. छिपकली को अजगर ने पकड़ लिया था। ( )

## मेरी बात सबकी बात –

1. कहानी में आए पात्रों को आपकी भाषा में क्या कहते हैं? कक्षा में अपने साथियों से बातचीत कीजिए और लिखिए।

बंदर – ..... खरगोश – .....

तितली – ..... गिलहरी – .....

मछली – ..... छिपकली – .....

साँप – ..... हुदहुद – .....

2. अपने परिजनों से इसी प्रकार की अन्य कहानी सुनकर आइए और अपनी कक्षा में सुनाइए।

## पढ़कर जानें –

1. नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं उनको कहानी में खोजिए और जिस वाक्य में ये शब्द आए हैं उस वाक्य को यहाँ लिखिए–

झूलना – .....

मंडराना – .....

विवश – .....

इधर–उधर – .....

## इन शब्दों से नए वाक्य बनाइए –

बंदर – .....

मछली – .....

गिलहरी – .....

तितली – .....

## पढ़ें और बताएँ –

1. बंदर पूँछ लेकर किन-किन जानवरों के पास गया ?

   .....

2. पूँछ दिखाने पर इन जीवों ने बंदर को क्या कहा ?

   गिलहरी .....

   मछली .....

   छिपकली .....

3. अगर कहानी में ये जीव भी होते तो बंदर को क्या जवाब देते ?

   कुत्ता .....

   घोड़ी .....

   भैंस .....

   शेरनी .....

4. इस कहानी से कोई तीन प्रश्न बनाइए जो आप अपने साथियों से पूछना चाहते है।

   I. .....

   ii. .....

   iii. .....

5. नीचे एक कहानी लिखी है जिसमें कुछ शब्द गायब हैं। आप खाली स्थान में सही शब्द भरिए –

   (बंदर, उपवास, खाने, भोजन, स्वादिष्ट)

एक बार बंदरों ने ..... करने का निश्चय किया। उन्होंने पहले ..... की व्यवस्था करने की सोची ताकि उपवास के बाद ..... किया जा सके। सभी बंदर जंगल से केले लेकर आए और तय किया कि उपवास खत्म होने के बाद इन्हें खाएँगे लेकिन एक ..... ने सुझाव दिया कि पहले यह देख लें कि केले कितने ..... हैं। उसने कहा कि सिर्फ चखने से ..... नहीं टूटेगा। सभी ने थोड़ा-थोड़ा केला चखना शुरू कर दिया। चखते-चखते सभी केले खा गए और ..... की योजना विफल हो गई।

## आओ रचना करें –

1. अपनी पसंद के किसी जानवर का चित्र बनाकर अपने साथियों के साथ चित्र पर चर्चा कीजिए–

2. 'पूँछ किसकी है' कहानी अपने घर पर और दोस्तों को सुनाइए और उनसे इस कहानी का नया शीर्षक बताने को कहें। उनके बताए नाम को यहाँ लिखिए।

   .....

3. विद्यालय से घर जाते समय रास्ते में आपको लंच बॉक्स/ मोबाइल मिला है। अब आप इसे किस तरह से उसके मालिक तक पहुँचाएँगे ? इसकी एक कहानी बनाकर लिखिए।

### भाषा की बात –

(क) नीचे दिए वाक्य दो तरह के हैं जैसे कुछ वाक्यों में कार्य करने के लिए कहा जा रहा है वहीं कुछ वाक्यों में कार्य करने से रोका जा रहा है। वाक्यों को पहचानते हुए अलग–अलग तालिका में लिखिए।

पायल खिड़की खोल दीजिए।

नैना तेज आवाज मत करो।

शीला इधर आओ।

बबलू खिड़की पर मत बैठो।

अमर किताब मत खोलो।

अमरजीत विकास के साथ खेलने जाओ।

कृष्णा इमली मत खाओ।

अमित सबको खाने के लिए अनार दो।

| माधव पौधे को पानी दो। | काजल कागज मत फाड़ो। |
|---|---|
| | |

(ख) विवेक नीचे दिए गए गद्यांश में विराम चिह्न लगाना भूल गया। आप उचित स्थान पर उपयुक्त 'विराम चिह्न' लगाकर उसकी सहायता कीजिए।

सोहन को एक बीज मिला सोहन ने उसे जमीन में बो दिया वह रोज पानी देता कुछ ही दिनों में वहाँ एक पौधा निकल आया पौधे को देखकर उसका दोस्त खुश हुआ बोला वाह क्या सुंदर पौधा उगा है इसमें तुमने क्या-क्या डाला है सोहन बोला अरे ज्यादा कुछ नहीं बस पानी खाद और मच्छरों से बचाने के लिए नीम का घोल छिड़का है

.....

.....

.....

## अध्याय - 16

# मेल-मिलाप

अरे बाप रे! ये सर्दी भी न इतना परेशान करती है कि हाड़ काँपने लगते हैं। ऐसे ही हाथ सुन्न कर देने वाली सर्दी का दिन था। अलाव पर हाथ तापते हुए राजस्थान के अलग-अलग जिलों के लोग आपस में चर्चा कर रहे थे। अचानक उनमें एक अजीब सी बहस छिड़ गई कि किस जिले की भाषा, गीत और संस्कृति श्रेष्ठ है।

सबसे पहले जयपुर वाले ने कहा, ''हमारे यहाँ गुलाबी नगरी में लोग इतनी मीठी ढूँढाड़ी बोलते हैं कि कोई भी सुनकर मंत्रमुग्ध हो जाए। हवामहल, आमेर, गोविंद देवजी, जंतर-मंतर अपनी अलग पहचान रखते हैं।''

जोधपुर वाले ने तुरंत उत्तर दिया, ''म्हारी मारवाड़ी बोली री मिठास री तो दुनिया दीवानी है। अठे रा गीत अर कहावतां में जिकी मिठास अर गहराई है और कठे ही नी मिले।''

बीकानेर वाला कहाँ पीछे रहने वाला था। उसने कहा, ''म्हारे अठे री बोली रो अलग ही रुतबो है। 'नीर थोड़ो, नेह घणो' कहावत अठे री अतिथि-सत्कार परंपरा रो गुणगान करै। म्हारे अठे रा भुजिया अर रसगुल्ला रै स्वाद री तो पूरी दुनिया में अलग ही पिछाण है। रसगुल्ले रो नांव सुणता ही मुँह में पाणी आ ज्यावै। अठे रो अग्निनृत्य अर ऊँट उत्सव अनोखो हुया करै। लोग म्हानै प्रेम सूं 'बीकाणो' केवै है।''

उधर उदयपुर वाला भी कहाँ चुप रहने वाला था। उसने गर्व से कहा, ''म्हाणी मेवाड़ी रै मइनै जो अपणापणो अर मान-सम्मान है वो दूजी कसी बोली मइनै नी है। म्हाणी झीलां री नगरी म्हे आवा वाळा कोई भी पर्यटक प्रभावित व्या वगर नी रैई सकै। महाराणा प्रताप रो संघर्ष, अर भामाशाह रो दान म्हाणी पहचान है।''

अजमेर वाला भी अपनी बारी का इंतजार कर रहा था। उसने गर्व से कहा, ''हमारे यहाँ की भाषा और संगीत ने तो पूरी दुनिया में पहचान बनाई। विश्व प्रसिद्ध ब्रह्माजी और सावित्री जी के मंदिर के मंत्र सुनने से मन को अद्‌भुत शांति मिलती है। यहाँ पुष्कर सरोवर को देखने अनेक भाषा बोलने वाले पर्यटक आते हैं तो लगता है जैसे यह कई भाषाओं का संगम स्थल हैं।''

चित्तौड़गढ़ वाले ने भी अपनी शान दिखाई, ''म्हारी धरती वीरां-वीरांगनावां री भूमि है। अठे री भाषा में शौर्य अर बलिदान री गाथावां बसै है। पद्‌मिनी रो जौहर, पन्नाधाय रो बलिदान म्हारी संस्कृति री पहचान है।''

धौलपुर वाला कहने लगा, ''हमाये धौलपुर की संस्कृति श्रीकृष्ण की संस्कृति से समृद्ध बृज को क्षेत्र है। हमाओ पसंदीदा लोकगीत लांगुरिया है जबकि सावन की हरियाली मल्हार संगीत की मधुर धुनें बिखेरत है। तीर्थ स्थल भांजा मचकुंड जाकी शान है और चम्बल के बीहड़ विशिष्ट पहचान देत हैं।''

तभी जैसलमेर वाले ने कहा, ''म्हारो लोक संगीत अर माटी री सुगंध तो अतरी खास है कै दूर-दूर सूं लोग सुणने अर मैसूस करण नै आवै। म्हारे अठे री मांड गायकी (केसरिया बालम आवो नी पधारो म्हारे देश) राजस्थान री पहचान है। अठे रा रेतीला धोरा सब रो मन हरखावै। सुनहरी रेत री दुनिया ही अनोखी है।''

बात बढ़ती ही जा रही थी। हर जिलावासी अपने-अपने जिले की श्रेष्ठता साबित करने में लगा था। अब तक कई जिले वाले अपनी बात कहने से वंचित थे लेकिन कोई भी यह मानने को तैयार नहीं था कि दूसरा उनसे बेहतर है।

तभी अंजना वहाँ आई। उसने सभी जिलों की बातें सुनीं और मुस्कुराते हुए बोली, ''थे आप-आप री विशेषतावां बता रिया हो, जिकी सै साची है, पण आ बात भूलग्या कै थे सगळा मिल'र ही तो राजस्थान हो। थारी भाषा, गीत, परंपरा अर संस्कृति मिल'र ही तो इण प्रदेश नै सुंदर अर महान बणावै है। जै एक ही चीज कम हुवै तो राजस्थान तो अधूरो ही रै ज्यावैलो।''

अंजना की बात सुनकर सभी लोग चुप हो गए। उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ। सबने एक-दूसरे की खूबियों को पहचाना और स्वीकार किया कि हर जिले और स्थान की अपनी विशेषता है।

अंत में सभी जिले वालों ने मिलकर कहा, ''हम सभी अलग-अलग होते हुए भी एक ही हैं। हम सबका गौरव और पहचान एक ही है और वह है राजस्थान।''

इसके बाद सभी लोग आपस में गले मिले। ऐसा लग रहा था मानो राजस्थान के सभी जिले आपस में गले मिलकर संकल्प ले रहे हों कि ''हम सब मिलकर राजस्थान को और भी सुंदर और समृद्ध बनाएँगे।''

# अभ्यास कार्य

## आओ बात करें –

1. आपके जिले की विशेषताओं का पता लगाइए।
2. यदि जिलों की तरह आपके मित्र अपने-आपको बड़ा बताकर आपस में बोलचाल बंद कर दे तो आप किस तरह के प्रयास करेंगे?
3. इस कहानी को अपने शब्दों में सुनाइए।
4. सभी जिलों के लोग आपस में किस बात पर बहस कर रहे थे?
5. अंजना ने लोगों को कैसे समझाया?
6. पाठ के अंत में सभी ने क्या महसूस किया और उन्होंने क्या निर्णय लिया?
7. आपके गाँव या शहर की भाषा और संस्कृति में कौन-कौनसी विशेषताएँ हैं?

## सोचो और लिखो–

1. अजमेर जिले में क्या-क्या प्रसिद्ध है–

   (क) ब्रह्माजी का मंदिर (ख) सावित्री जी का मंदिर

   (ग) पुष्कर सरोवर (घ) उपर्युक्त सभी ( )

2. सभी जिले वाले आपस में किस बात पर बहस कर रहे थे–

   (क) पर्यावरण पर (ख) बढ़ती जनसंख्या पर

   (ग) भाषा और संस्कृति की श्रेष्ठता पर (घ) इनमें से कोई नहीं ( )

3. पाठ के आधार पर निम्नलिखित वाक्य पूरे करें–

   (क) जयपुर को ..... नगरी कहा जाता है।

   (ख) जोधपुर की भाषा ..... है।

   (ग) पाठ में ..... राज्य के जिलों की चर्चा की गई है।

   (घ) चित्तौड़गढ़ जिले की संस्कृति ..... बलिदान से जुड़ी है?

4. उदयपुर जिले की भाषा में अपनापन नहीं मिलता है। (सही / गलत)
5. बीकानेर जिले का भुजिया व रसगुल्ला विश्व भर में प्रसिद्ध हैं। (सही / गलत)
6. लांगुरिया लोकगीत है। (सही / गलत)

## मेरी बात सबकी बात –

### मिलान करो –

| | |
|---|---|
| रसगुल्ला | चित्तौड़गढ़ |
| मांड गायकी | अजमेर |
| पुष्कर | बीकानेर |
| गुलाबी नगरी | जैसलमेर |
| पद्मिनी | जयपुर |

- अपने परिवार के सदस्यों से विभिन्न जिलों से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर अपनी कक्षा में सुनाइए।

## यह भी करें –

1. पाठ में 'बीकाणा' किसे कहा गया है? अन्य जिलों के दूसरे नामों को खोजें और साथियों से चर्चा करें।

.....

.....

.....

.....

2. इस पाठ में जिलों की विशेषता बताई है। आप भी अपने दोस्तों से ऐसे प्रश्न पूछिए जिनसे उनकी विशेषता, गुण, आदत या रुचि का पता चले।

I. .....

.....

ii. .....

.....

iii. .....

.....

## आओ रचना करें –

1. आपके जिले में क्या प्रसिद्ध है? (वस्तु, स्थल, नृत्य) उसका चित्र बनाइए।

2. अपनी भाषा और संस्कृति की विशेषताओं को बताने के लिए किसी एक जिले की भूमिका निभाकर उसका परिचय दीजिए।

3. कल्पना कीजिए कि आपके बस्ते में रखे पेन और पुस्तक में स्वयं को बड़ा बताने की बहस छिड़ गई है। उनकी बातचीत का संवाद तैयार कीजिए –

पेन – .....

पुस्तक – .....

पेन – .....

पुस्तक – .....

पेन – .....

पुस्तक – .....

4. राजस्थान के विभिन्न जिलों की भाषा, संस्कृति और परंपरा को दर्शाने वाला एक चार्ट शिक्षक की सहायता से बनाइए।

## भाषा की बात –

1. कहानी में आए विभिन्न जिलों की बोलियों में बोले गए शब्दों को आप अपनी स्थानीय बोली में लिखिए –

   म्हारी – .....

   अठे – .....

   कठे – .....

   सगळा – .....

   इणे – .....

2. नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं, उनको पाठ में खोजिए और जिस वाक्य में ये शब्द आए हैं। उस वाक्य को यहाँ लिखिए –

   बढ़ती .....

   सुनहरी .....

   अपनी बारी .....

   महान .....

3. नीचे दिए गए शब्दों से नए वाक्य बनाइए –

संस्कृति .....

परंपरा .....

## आलोचनात्मक चिंतन –

1. यदि अंजना की जगह आप होते तो लोगों को एकता का संदेश देने के लिए क्या कहते ?
2. अगर आपको अपने गाँव, जिले, राज्य या देश की विशेषताओं को लोगों को बताने का मौका मिले तो आप कौन-कौनसे तरीके अपनाएँगे ?
3. आपको आपना विद्यालय बहुत अच्छा लगता है। विद्यालय की विशेषताओं को अधिक से अधिक लोगों तक तकनीक और इंटरनेट का उपयोग करके कैसे पहुँचाया जा सकता है ? बताइए।
4. अगर सभी जिले वाले एक-दूसरे की विशेषताओं को नकारते रहते तो क्या होता ? इससे राज्य की एकता पर क्या असर पढ़ सकता है ?

# आकलन - 4

M4R9B2

## मौखिक अभिव्यक्ति -

चित्र देखकर, कहानी बनाकर सुनाइए और इस कहानी पर पाँच प्रश्न बनाकर अपने दोस्तों से पूछिए।

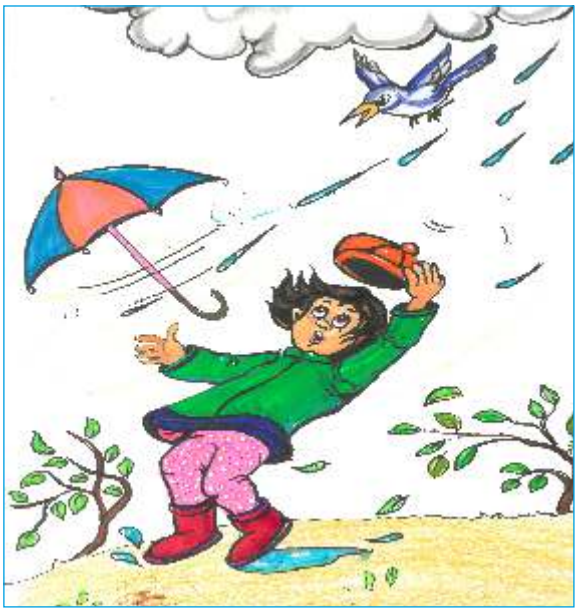

1. 'पूँछ किसकी' कहानी को अपने शब्दों में सुनाइए।
2. राजस्थान के किसी गौरवशाली व्यक्तित्व के बारे में बताइए।

## पढ़कर समझना –

अरावली की गोद में
अरावली की ऊँची छाया,
सूरज भी इसमें मुस्काया।
नदियाँ करती कलकल-कलकल
पंछी गीत सुनाते पल-पल।
वन्य जीव का घर ये प्यारा,
हरियाली का सुंदर स्वर।
खनिज भरे हैं इसकी छाती,
धरती माँ की अमिट थाती।
सदियों से ये खड़ी अडिग,
संघर्षों में भी रही दृढ़।
राजस्थान की ये पहचान,
अरावली का ऊँचा मान।
सब मिलकर इसका मान बढ़ाएँ,
पेड़ लगाएँ, हरियाली लाएँ।

चित्र में रंग भरिए।

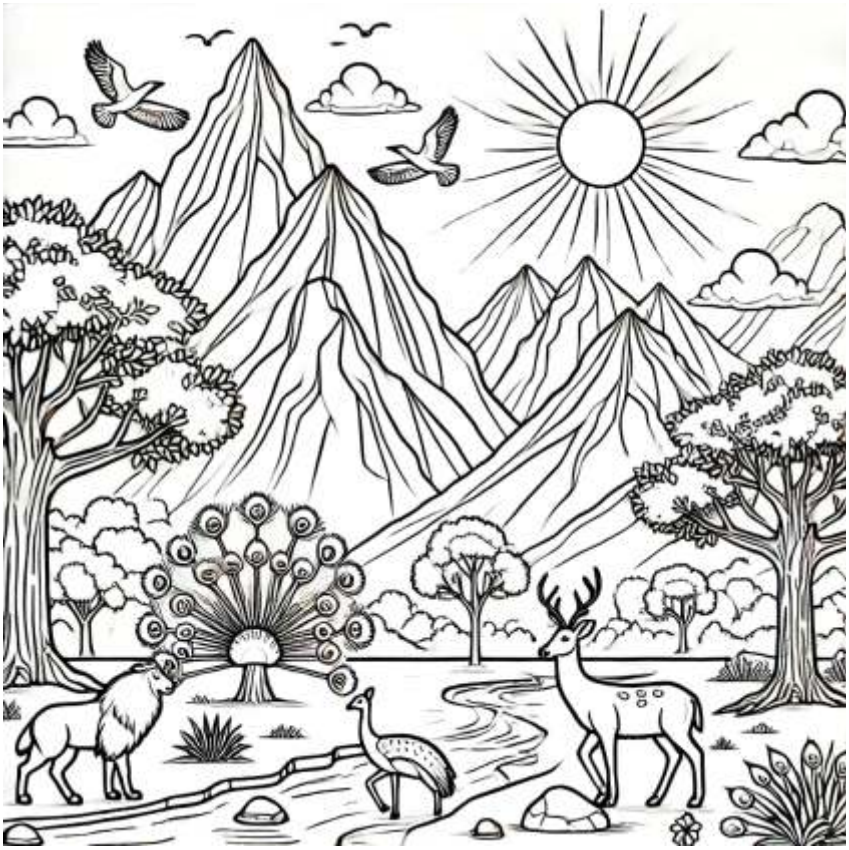

## प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

1. अरावली की छाया में कौन मुस्कुराया ?
2. नदियाँ कैसी आवाज करती हैं ?
3. अरावली में कौन-कौनसे खनिज मिलते हैं ?
4. पेड़ लगाने से इसका मान कैसे बढ़ेगा ?

## भाषा की बात –

नीचे दिए गए वाक्यों में सही विराम चिह्न लगाइए —

1. राजस्थान भारत का एक सुंदर प्रदेश है
2. यहाँ के लोग बाजरे की रोटी दाल बाटी चूरमा बड़े चाव से खाते हैं
3. क्या तुमने कभी ऊँट की सवारी की है
4. जयपुर जो राजस्थान की राजधानी है गुलाबी नगरी कहलाता है
5. ऊँट घोड़ा हाथी और बैल यहाँ के प्रमुख सवारी वाले जानवर हैं
6. ओह तुम्हें चोट कैसे लगी

### वाक्यों को बदलकर लिखिए –

| वाक्य | नकारात्मक वाक्य | प्रश्नवाचक वाक्य |
|---|---|---|
| राकेश किताब पढ़ रहा है। | राकेश किताब नहीं पढ़ रहा है। | क्या राकेश किताब पढ़ रहा है? |
| प्रधान डीजे पर नाच रहा था। | | |
| | | क्या कविता पलंग पर सो रही थी? |
| | कमल पानी में नहीं खिल रहा है। | |

## रचना करें –

**संवाद पूरा कीजिए –**

रवि – देखो सिया! वह पतंग कितनी ऊँची उड़ रही है।

सिया – हाँ! .....

रवि – क्या तुमने कभी पतंग उड़ाई है?

सिया – .....

रवि – .....

सिया – आज मौसम बहुत अच्छा है, चलो झूले पर चलते हैं।

*( दोनों झूले पर बैठ जाते हैं। )*

सिया – अरे! मेरा झूला बहुत तेज चल रहा है!

रवि – .....

सिया – .....

रवि – अच्छा सिया, तुम्हें पार्क में सबसे अच्छी चीज क्या लगती है?

सिया – हमें यहाँ रोज आना चाहिए।

रवि – .....

सिया – .....

रवि – .....

सिया – .....

## सोचो और लिखो–

1. राजस्थान की विशेषताओं को बताइए।
2. बाबा रामदेव द्वारा किए गए लोक कल्याण के कार्यों को लिखो।
3. विभिन्न जीवों के लिए पूँछ का क्या महत्व है? कहानी के आधार पर बताइए।
4. यदि अंजना की जगह आप होते तो क्या करते?

# शब्दों की दुनिया

N1M5Q8

**अध्याय - वंदना**

संतरी - प्रहरी, पहरेदार
सरीखा - जैसा
निर्मल - स्वच्छ, साफ
न्यारी - अलग
श्याम - काला

**अध्याय - 1**

नित - हमेशा, रोज
लता - बेल
स्वदेश - अपना देश
हरना - दूर करना
पथ - रास्ता
हरदम - हमेशा

**अध्याय - 2**

कारागार - जेल
भय - डर
अद्‌भुत - अनोखा
अलौकिक - दिव्य
विषैला - जहरीला
भयावह - डरावना

**अध्याय - 3**

भेदभाव - पक्षपात
परवाह - चिंता
अमल - व्यवहार में लाना
प्रतिबंध - रोक
मासूम - भोला, निर्दोष
भीनी-भीनी - हल्की-हल्की
अचरज - आश्चर्य
सूझबूझ - समझदारी

**अध्याय - 4**

खयाल - ध्यान
आघात - चोट
छोर - अंतिम सिरा, किनारा

**अध्याय - 5**

पसारे - फैलाए
साँझ - शाम
सकारे - सुबह
उमंग - उत्साह
भोर - सुबह

**अध्याय - 6**

भ्रमण - घूमना
असहज - विचलित, बेचैन
जगह - स्थान
स्रोत - माध्यम, साधन
बारीकी - सूक्ष्मता
नक्काशी - चित्रकारी
खास - विशेष
संगम - मिलन

**अध्याय - 7**

माँद - गुफा
झट - शीघ्र, जल्दी

**अध्याय - 8**

बेकसूर - निर्दोष

झुंड – समूह

**अध्याय – 9**

कोटर – पेड़ के तने का खोखला भाग जिसमें पक्षी, जानवर आदि रहते हैं

अंदर – भीतर

**अध्याय – 10**

अजीब – अनोखा

पारदर्शी – आर-पार दिखने वाला

गायब – अदृश्य

बोरिंग – उबाऊ, नीरस

**अध्याय – 11**

बींदणी – बहू

उँदरे – चूहे

उत्साह – उमंग, जोश

जमीन – धरती

तरकीब – उपाय, तरीका

सोता – झरना

**अध्याय – 12**

शाखाएँ – डालियाँ

जाड़ा – सर्दी

पोषक – पोषण करने वाले

**अध्याय – 13**

मनुहार – आमंत्रण, बुलावा

गर्वीली – गर्व करने योग्य

चोखो – बढ़िया

**अध्याय – 14**

विजय – जीत

दुर्ग – किला

महिमा – महत्व

सौहार्द – स्नेह, भाईचारा

परचा – चमत्कार

आतंक – भय

असाध्य – लाइलाज

**अध्याय – 15**

हुदहुद – कठफोड़वा

हैरान – आश्चर्यचकित

फिक्र – चिंता

चैन – राहत

**अध्याय – 16**

अलाव – तापने के लिए जलाई गई आग

बहस – वाद-विवाद

नीर – पानी

नेह – स्नेह, प्रेम

पर्यटक – यात्री, घूमने वाले लोग

गाथा – कहानी, कथा

खूबियाँ – विशेषताएँ

बेहतर – अधिक अच्छा